राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 मैंने कोशिश की... दिल की हर बातकह दी ...

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने पीएम मोदी को दी आम चुनाव में जीत की ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 56 | नई दिल्ली, गुरुवार, 06 जून, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%

नहीं 50%

कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

प्रधानमंत्री आवास में राजग के वरिष्ठ नेताओं की हुई बैठक, सभी घटक दल के नेता रहें मौजूद

नरेंद्र मोदी तीसरी बार बनेंगे प्रधानमंत्री, एनडीए ने सर्वसम्मति से चुना अपना नेता

देश के सर्वांगीण विकास के लिये काम करेगी राजग सरकार

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने बुधवार को सर्वसम्मति से नरेन्द्र मोदी को अपना नेता चुन लिया। इसके साथ ही लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में देश की बागडोर संभालने की दिशा में मोदी ने एक और कदम आगे बढ़ा दिया। लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन को बहुमत मिलने के एक दिन बाद यहां सात लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास में राजग के वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। बैठक में शामिल सभी घटक दलों ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर विश्वास जताया और दावा किया कि उनके नेतृत्व में राजग सरकार भारत के गरीब, महिला, युवा, किसान, शोषित, वंचित व पीड़ित नागरिकों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया, हम सभी को गर्व है कि 2024 का लोकसभा चुनाव राजग ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एकजुटता से लड़ा और जीता। हम सभी राजग के नेता नरेंद्र मोदी को सर्वसम्मति से अपना नेता चुनते हैं। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि भारत की विरासत को संरक्षित कर देश के सर्वांगीण विकास के लिये राजग सरकार भारत के जन-जन के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए कार्य करती रहेगी। तेलुगु देशम पार्टी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू, जनता दल यूनाइटेड के नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, शिवसेना नेता एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के नेता चिराग पासवान इस बैठक में शामिल हुए। इनके अलावा, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के जीतनराम मांझी, जन सेना पार्टी के पवन कल्याण, राकांपा अजित पवार के प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे, अपना दल सोनेलाल की अनुप्रिया पटेल, राष्ट्रीय लोक दल के जयंत चौधरी, असम गण परिषद के अतुल बोरा, सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के इंद्र हंग सुब्बा, ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन के सुदेश महतो और जदयू के राजीव रंजन सिंह और संजय झा भी बैठक में शामिल हुए। भाजपा की तरफ से इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के अलावा पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा, राजनाथ सिंह और अमित शाह ने बैठक में हिस्सा लिया। तेदेपा, जद (यू), शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और लोजपा (रामविलास) ने क्रमशः 16, 12, सात और पांच लोकसभा सीट जीती हैं और ये दल सरकार गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रस्ताव में कहा गया कि 140 करोड़ देशवासियों ने पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से देश को हर क्षेत्र में विकसित होते देखा है। इसमें कहा गया, बहुत लंबे अंतराल, लगभग छह दशक के बाद भारत की जनता ने लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत से सशक्त नेतृत्व को चुना है। सूत्रों ने बताया कि सात जून को राजग की एक और बैठक हो सकती है, जिसके बाद राष्ट्रपति से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया जा सकता है।

शपथ ग्रहण समारोह की तारीख को लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन गठबंधन के कुछ सदस्यों का मानना है कि अगर नई सरकार की रूपरेखा जल्द तैयार हो जाती है, तो यह (शपथ ग्रहण) सप्ताहांत तक हो सकता है। ऐसी चर्चा है कि सरकार गठन के सिलसिले में तेदेपा और जद(यू) जैसे दलों की ओर से कुछ महत्वपूर्ण विभागों की मांग की जा सकती है, क्योंकि उनका समर्थन सरकार के गठन और अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण होगा। इस बार नई सरकार की सूरत बदली-बदली नजर आने की संभावना है, क्योंकि भाजपा को अपनी बदौलत बहुमत नहीं मिला है और उसे अपने सहयोगियों पर निर्भर रहना पड़ेगा। राजग 290 से अधिक सीट हासिल कर 543 सदस्यीय लोकसभा में बहुमत के लिये जरूरी 272 के जादुई आंकड़े को पार कर गया है। हालांकि, भाजपा 2014 के बाद पहली बार अपने दम पर बहुमत का जादुई आंकड़ा हासिल करने से पीछे रह गई है।

पीएम बोलें- कहा जीते हम, उछल रहे दूसरे

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा सौप दिया। हालांकि वह सरकार के गठन तक कार्यवाहक पीएम के पदभार को संभालेंगे। उसके बाद उन्होने अपना पहले रिएक्शन में कहा कि वह जीते हैं, लेकिन उछल दूसर रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने बुधवार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को प्रधानमंत्री से अपना इस्तीफा सौंप दिया। आज शाम होने वाली एनडीए की बैठक में सरकार के गठन कोलेकर चर्चा होनी है। इस बीच मंत्रिपरिषद की मीटिंग में मोदी ने कहा कि राजनीति में उतार चढ़ाव तो आता रहता है। सूत्रों के अनुसार उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने बहुत अच्छा काम किया है। नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि उनकी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने का काम किया। आगे भी और बेहतर करेंगे।

आठ जून को शपथ लेने की संभावना

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को अठारहवीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में पूर्ण बहुमत मिलने पर नरेन्द्र मोदी के आठ जून को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार श्री मोदी के साथ साथ उसी दिन केन्द्रीय मंत्रिमंडल के सदस्यों के भी शपथ लेने की संभावना है। इस बीच बुधवार को सुबह यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई जिसमें सत्रहवीं लोकसभा को भंग करने की सिफारिश की गयी।केन्द्रीय मंत्रिमंडल की अंतिम बैठक में श्री मोदी ने मंत्रियों के साथ लोकसभा चुनाव के परिणामों तथा राजग को बहुमत मिलने के बाद सरकार के गठन पर चर्चा की। सत्रहवीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को समाप्त हो रहा है।

मोदी ने प्रधानमंत्री पद से दिया इस्तीफा, राष्ट्रपति ने किया स्वीकार

राष्ट्रपति ने उन्हें नई सरकार के गठन तक पद पर बने रहने को कहा

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और मंत्रिपरिषद परिषद के साथ अपना इस्तीफा दिया। राष्ट्रपति ने इस्तीफे को स्वीकार कर लिया और नरेन्द्र मोदी और मंत्रिपरिषद को नई सरकार के गठन तक पद पर बने रहने का अनुरोध किया। इससे पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बुधवार को प्रधानमंत्री आवास पर हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की अंतिम बैठक में राष्ट्रपति से 17वीं लोकसभा को भंग करने की सिफारिश करने का निर्णय किया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति भवन पहुंचे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना और अपने मंत्रिमंडल का त्यागपत्र सौंपा। प्रक्रिया के अनुसार राष्ट्रपति ने उन्हें नई सरकार के गठन तक पद पर बने रहने को कहा।

चुनाव आयोग एक-दो दिन में ही राष्ट्रपति को लोकसभा चुनावों के परिणामों की अंतिम सूची के साथ चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने की सूचना भेजेगा, जिसके साथ ही नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होगी। सबसे बड़े दल भाजपा और राजग गठबंधन को मिले स्पष्ट बहुमत से यह तय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेंगे। सत्रहवीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को समाप्त होने जा रहा है।

मंगलवार को आए नतीजों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है और उसे 240 सीटें प्राप्त हुई हैं। यह बहुमत से 32 सीटें कम हैं लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के ही नेतृत्व में चुनाव पूर्व ही बने राजग को पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ है। बुधवार सायंकाल ही एनडीए नेताओं की बैठक प्रधानमंत्री आवास पर होनी है, जिसमें सरकार बनाने के दावे के साथ ही अगली सरकार के गठन के बारे में निर्णय लिया जाएगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने की 17वीं लोकसभा को भंग करने की सिफारिश: सूत्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 17वीं लोकसभा भंग करने की सिफारिश की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आम चुनाव के परिणाम सामने आने के एक दिन बाद अपने आवास पर बैठक के पश्चात मोदी ने अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर अपने पद से इस्तीफा देने के साथ ही लोकसभा भंग करने की औपचारिक सिफारिश करने का फैसला किया है। एक शीर्ष सूत्र ने बताया, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 17वीं लोकसभा भंग करने की सिफारिश की है। यह प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के दूसरे कार्यकाल के मंत्रिमंडल और मंत्रिपरिषद की अंतिम बैठक थी। लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को बहुमत मिलने के बाद हुई इस बैठक की अध्यक्षता मोदी ने की। इसमें चुनावी नतीजों की समीक्षा करने के साथ ही सरकार गठन की संभावित रूपरेखा पर विचार विमर्श किया गया। मौजूदा 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को समाप्त हो रहा है। भाजपा ने 543 सदस्यीय लोकसभा में अपने दम पर 240 सीटें जीती हैं जबकि उसके नेतृत्व वाले राजग को स्पष्ट बहुमत मिला है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने 99 सीटें हासिल कीं।

संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़ : एक इनामी समेत नौ नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने नौ नक्सलियों को गिरफ्तार किया है जिनमें एक पर पांच लाख रुपये का इनाम था। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरसेगढ़ और मद्देड़ थाना क्षेत्रों में सुरक्षाबलों ने अलग-अलग कार्रवाई कर नौ नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार नक्सलियों में मद्देड़ एरिया कमेटी का सदस्य लच्छुपूनेम (35) भी शामिल है जिसके सिर पर पांच लाख रुपए का इनाम है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सल विरोधी अभियान के तहत मद्देड़ थाना क्षेत्र से डीआरजी के बल को रवाना किया गया था और जब यह दल सोमनपल्ली और बंदेपारा जाने वाली सड़क पर था तब बारूदी सुरंग लगाने की कोशिश कर रहे चार नक्सलियों को वहां से पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि पकड़े गए नक्सलियों से विस्फोटक, पिट्ठू और अन्य सामान बरामद किये गये।

सरकार हवाई अड्डों के नियमों में संशोधन करने पर विचार कर रही

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय हवाई संपर्क को बढ़ावा देने, अधिक हवाई पट्टियां विकसित करने तथा बड़े और छोटे हवाई अड्डों के लिए नियमों में संशोधन करने पर विचार कर रहा है। बुधवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है, जहां घरेलू हवाई यातायात बढ़ रहा है तथा एयरलाइन अपने बेड़े के साथ-साथ परिचालन का भी विस्तार कर रही हैं। नागरिक उड्डयन सचिव वुमलुनमंग वुलनाम ने कहा कि पिछले दस वर्षों में देश में हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 157 हो गई है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने देश में 453 हवाई पट्टियों की पूरी सूची की समीक्षा की है और उनमें से लगभग 157 चालू हैं। उन्होंने कहा कि ब्राउनफील्ड परियोजनाओं के रूप में और अधिक हवाई पट्टियों का विकास किया जाएगा। साथ ही नागरिक विमान संचालन के लिए और अधिक रक्षा हवाई क्षेत्रों को संयुक्त रूप से विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। सचिव ने कहा कि मंत्रालय प्रमुख और छोटे हवाई अड्डों के लिए नियमों की समीक्षा करने और आवश्यक संशोधन करने पर विचार करेगा।

जनादेश निर्णायक रूप से पीएम मोदी के खिलाफ : खड़गे

इंडिया गठबंधन की बैठक में बोलें कांग्रेस अध्यक्ष

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। लोकसभा चुनाव के परिणाम तो आ गए हैं। लेकिन सरकार बनने की तस्वीर अब तक साफ नहीं हो पाई है। अब नई सरकार बनाने को लेकर दिल्ली में हलचल तेज हो गई है। बुधवार को दिल्ली में पीएम आवास पर एनडीए की बैठक हुई है। जिसके बाद अब इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई गई है। बैठक मल्लिकार्जुन खरगे के निवास पर चल रही है। बैठक में कांग्रेस नेता राहुल और प्रियंका गांधी, एनसीपी के शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले, शिवसेना (उद्धव गुट) के संजय राउत, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, आरजेडी के तेजस्वी यादव, डीएमके नेता एमके स्टालिन और सीपीआई(एम) के सीताराम येचुरी समेत कई नेता मौजूद हैं। दिल्ली में भारतीय गठबंधन के नेताओं की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, हमने अच्छी तरह से लड़ाई लड़ी, एकजुट होकर लड़ाई लड़ी, दृढ़ता से लड़ाई लड़ी। भारतीय गठबंधन उन सभी दलों का स्वागत करता है जो हमारे संविधान की प्रस्तावना में निहित मूल्यों और आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक न्याय के लिए इसके कई प्रावधानों के प्रति इसकी मौलिक प्रतिबद्धता को साझा करते हैं। जनादेश निर्णायक रूप से प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ है, उनके और उनकी राजनीति के सार और शैली के खिलाफ है। यह स्पष्ट नैतिक हार के अलावा व्यक्तिगत रूप से उनके लिए एक बहुत बड़ी राजनीतिक क्षति है। हालांकि, वह लोगों की इच्छा को विफल करने के लिए दृढ़ हैं।

खरगे ने कहा, 18वीं लोकसभा चुनाव का जनमत सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ है। चुनाव उनके नाम और चेहरे पर लड़ा गया था और जनता ने भाजपा को बहुमत न देकर उनके नेतृत्व के प्रति साफ संदेश दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष के मुताबिक, व्यक्तिगत रूप से नरेंद्र मोदी के लिए यह ना सिर्फ राजनीतिक शिकस्त है, बल्कि नैतिक हार भी है। मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा, हम सब उनकी आदतों से वाकिफ हैं। वो इस जनमत को नकारने की हरसंभव कोशिश करेंगे। खरगे ने कहा, हम यहां से यह भी संदेश देते हैं कि इंडिया गठबंधन उन सभी राजनीतिक दलों का स्वागत करता है, जो भारत के संविधान की प्रस्तावना में अटूट विश्वास रखते है और इसके आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक न्याय के उद्देश्यों को लेकर प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली में इंडिया गठबंधन के नेताओं की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, हमने अच्छी तरह से लड़ाई लड़ी, एकजुट होकर लड़ाई लड़ी, दृढ़ता से लड़ाई लड़ी। इंडिया गठबंधन उन सभी दलों का स्वागत करता है जो हमारे संविधान की प्रस्तावना में निहित मूल्यों और आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक न्याय के लिए इसके कई प्रावधानों के प्रति इसकी मौलिक प्रतिबद्धता को साझा करते हैं।

तेदेपा या जदयू से संपर्क करने पर इंडिया गठबंधन में अभी कोई चर्चा नहीं हुई: पवार

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि सरकार गठन के वास्ते इंडिया गठबंधन के लिए संख्याबल जुटाने को लेकर तेलुगू देशम पार्टी या जनता दल यूनाइटेड से संपर्क करने के मुद्दे पर इस गठबंधन के अंदर अभी कोई चर्चा नहीं हुई है। उनका यह बयान लोकसभा चुनाव नतीजे पर चर्चा करने के लिए आज शाम यहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के निवास पर होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले आया है। इस बैठक में इस पर भी चर्चा होगी कि सरकार गठन के लिए संख्याबल जुटाने के मकसद से जदयू और तेदेपा को साथ लाया जाए या नहीं। इस आम चुनाव में हिंदी पट्टी वाले राज्यों में भारी नुकसान के बाद भी लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को बहुमत मिलने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार सरकार गठन के लिए तैयार हैं। इस चुनाव में राजग और ह्यइंडियाह्ल गठबंधन के बीच कड़ा मुकाबला था और इसे मोदी की लोकप्रियता पर जनमत संग्रह के रूप में पेश किया गया था। लोकसभा चुनाव परिणाम पर अपनी बात रखते हुए पवार ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मोदी सरकार के कामकाज के प्रति आक्रोश के अलावा मतदाता बढ़ती महंगाई, किसानों की मुसीबतों और बढ़ती बेरोजगारी जैसे मुद्दों से निपटने के उसके तौर तरीकों से भी नाराज थे। जब उनसे इंडिया गठबंधन के वास्ते संख्याबल जुटाने के सिलसिले में तेदेपा या जदयू से संपर्क करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस गठबंधन में अब तक इस पर कोई ऐसी चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने कहा,हमने इस पर अब तक कोई बातचीत नहीं की है। पवार ने कहा कि गठबंधन के नेता बुधवार को बैठक कर रहे हैं और वे सामूहिक निर्णय लेंगे।

सीएम नीतीश व तेजस्वी एक ही उड़ान से पहुंचे दिल्ली

प्रात : किरण

पटना/एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री एवं जद यू अध्यक्ष नीतीश कुमार और राजद नेता तेजस्वी यादव आज दिन में राष्ट्रीय राजधानी में होने वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस की बैठक में हिस्सा लेने के लिए एक ही उड़ान से नई दिल्ली रवाना हुए । नीतीश बुधवार की सुबह दिल्ली के लिए रवाना हो गए। उनकी पार्टी ने राज्य की 40 में से 12 लोकसभा सीटें जीतीं। जिस उडान से नीतीश ने दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं, उसमें उनकी सीट के ठीक पीछे ही तेजस्वी बैठे हुए दिखे। नीतीश ने सप्ताहांत में दिल्ली का दौरा किया था और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित शीर्ष भाजपा नेताओं से मुलाकात की थी। भाजपा के बहुमत से दूर रह जाने के कारण, केंद्र में राजग की सरकार की गठन में नीतीश की भूमिका महत्वपूर्ण हो गयी है। उन्हें हालांकि विपक्षी इंडिया गठबंधन भी अपने पाले में करने की कोशिश में लगा हुआ है। दिल्ली में आहूत इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने के लिए पटना से रवाना होने के पूर्व यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान तेजस्वी ने कहा, हमने अपनी सीटों की संख्या बढ़ाई है और राजद को एक करोड़ से अधिक वोट मिले हैं। हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। हमने वास्तविक मुद्दों पर चुनाव लड़ा। इंडिया गठबंधन को मिला अयोध्या के श्रीराम का आशीर्वाद। एक बात तो साफ है कि मोदी फैक्टर अब खत्म हो चुका है। भाजपा अब सहयोगियों पर निर्भर है क्योंकि उसे बहुमत नहीं मिला है। यह पूछे जाने पर कि क्या इंडिया गठबंधन सरकार बनाने की कोशिश करेगा, तेजस्वी ने कहा कि हमारी ओर से प्रयास तो रहेगा ही ।

जीत मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, उजियारपुर, झंझारपुर और सीतामढ़ी में एनडीए प्रत्याशी की जीत

मिथिलांचल में एनडीए ने सभी सीटों पर लहराया जीत का परचम

इंडिया गठबंधन सेंधमारी करने में पूरी तरह विफल

रामाधार प्रसाद

पटना। बिहार में हुए लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन को 9 सीटों का नुकसान हुआ है। इसके बावजूद मिथिलांचल में एनडीए ने अपना दबदबा बरकार रखते हुए जीत का परचम लहराया है। मिथिलांचल की मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर, उजियारपुर, झंझारपुर और सीतामढ़ी में एनडीए के प्रत्याशी विजयी रहे। हालांकि महागठबंधन ने इन इलाकों में सेंध लगाने की पूरी कोशिश की थी, लेकिन जदयू के अध्यक्ष नीतीश कुमार की सोशल इंजीनियरिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे के सामने वे टिक नहीं सके और एक बार फिर इन सीटों पर एनडीए के प्रत्याशियों ने परचम लहरा दिया। दरभंगा, उजियारपुर और मधुबनी में भाजपा ने हैट्रिक लगा दी है। माना जा रहा है मिथिलांचल इलाके में इस चुनाव के परिणाम का प्रभाव अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव पर पड़ेगा। ऐसे में महागठबंधन को अगले विधानसभा में एनडीए को पराजित करने के लिए नई रणनीति पर विचार करना पड़ेगा। उजियारपुर सीट पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय विजय प्राप्त कर फिर से लोकसभा पहुंच गए। इस सीट पर राजद ने आलोक मेहता को उतारकर जबरदस्त चुनौती पेश की थी। मतगणना के दौरान यह देखने को भी मिला, लेकिन आखिरकार राय ने विजय हासिल कर राजद की रणनीति को असफल कर दिया। यही हाल दरभंगा की सीट पर भी देखने को मिला। यहां भी राजद ने ललित यादव को भाजपा प्रत्याशी गोपाल जी ठाकुर के मुकाबले में उतारकर अपने वोट बैंक के समीकरण के सहारे इस सीट पर कब्जा जमाने की कोशिश की, लेकिन मतदाताओं ने मोदी की गारंटी पर ही विश्वास जताया। मधुबनी से भी भाजपा के अशोक कुमार यादव ने राजद के अली अशरफ फातमी के चक्रव्यूह को तोड़ने में सफलता पाई। समस्तीपुर इस चुनाव में हॉट सीट बनी हुई थी। यहां से नीतीश कुमार मंत्रिमंडल के सदस्यों के पुत्र और पुत्री का जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला।

दरअसल, लोजपा (रामविलास) ने मंत्री अशोक चौधरी की पुत्री शांभवी चौधरी को मैदान में उतारा था। इसके मुकाबले में कांग्रेस ने मंत्री महेश्वर हजारी के पुत्र को सन्नी हजारी के जरिये एनडीए को घेरने की पुख्ता व्यवस्था कर दी, लेकिन आखिरकार शांभवी को मतदाताओं ने पसंद किया। शांभवी यह चुनाव 1.73 लाख से ज्यादा मतों से यह चुनाव जीत ली। झंझारपुर में भी जदयू के रामप्रीत मंडल ने विकासशील इंसान पार्टी के सुमन कुमार महासेठ को पराजित कर दिया जबकि सीतामढ़ी में पहली बार चुनावी मैदान में उतरे जदयू के देवेश चंद्र ठाकुर के सामने राजद के अर्जुन राय ने चुनौती पेश करने की कोशिश की, लेकिन ठाकुर ने आसानी से यह सीट जीत ली। बहरहाल, एनडीए ने मिथिलांचल में अपना परचम लहरा कर एक बार फिर साबित कर दिया कि इस इलाके में उनके वर्चस्व को तोड़ने के लिए महागठबंधन को कोई बड़ी रणनीति बनानी होगी, क्योंकि इस इलाके में साफ सुथरा चेहरा और काम करने वाले प्रत्याशियों को मतदाता पसंद करते रहे हैं।

नवीन पटनायक ने ओडिशा के मुख्यमंत्री पद से दिया इस्तीफा

प्रात : किरण

भुवनेश्वर/एजेंसी। बीजू जनता दल के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने ओडिशा में अपने 24 साल के शासन का अंत करते हुए राज्य विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बाद बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। सूत्रों ने बताया कि पटनायक ने राज भवन में राज्यपाल रघुबर दास को अपना इस्तीफा पत्र सौंपा। पटनायक के आवास पर बीजद के कई नेता एकत्रित हुए थे लेकिन वह अपना इस्तीफा देने अकेले ही राज्यपाल के आवास गए।

बीजद अध्यक्ष ने बाहर इंतजार कर रहे पत्रकारों की ओर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया और अपना इस्तीफा पत्र सौंपने के बाद राज भवन से निकल गए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ओडिशा में 147 विधानसभा सीटों में से 78 सीटें जीतकर सत्ता पर कब्जा जमा लिया है जबकि बीजद केवल 51 सीटें जीत पायी।

कांग्रेस ने 14 सीट और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने एक सीट जीती है जबकि तीन निर्दलीय उम्मीदवार भी विजयी साबित हुए। नतीजों की घोषणा मंगलवार को की गयी। पटनायक ने पहली बार पांच मार्च 2000 को ओडिशा के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

संक्षिप्त समाचार

शहर को जाम से नहीं मिल रही निजात, शाम ढलते ही बन रहा आफत

रूड़की, एजेंसी। कई कोशिशों के बाद भी शहर को जाम से निजात नहीं मिल पा रही है। हाईवे से लेकर बाजार के अंदर तक बेतरतीब वाहन पार्क होने और अतिक्रमण के चलते आए दिन जाम लग रहा है। इतना ही नहीं शहर में ई-रिक्शाओं का रूट निर्धारित न होना भी जाम का मुख्य कारण बन रहा है। बावजूद इसके अधिकारी इस तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं। कई साल से शहर को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए बैठकें होती आ रही हैं। इतना ही नहीं जाम से निपटने के लिए पुलिस अधिकारियों ने कई बार सुझाव भी मांगे। बैठकों में अधिकारियों ने अतिक्रमण हटाने और पार्किंग की व्यवस्था करने के तमाम दावे किए। वहीं, कुछ सालों में शहर में ई-रिक्शा की भरमार हो गई है। पुलिस, प्रशासन, परिवहन और नगर निगम के अधिकारियों ने ई-रिक्शा का रूट प्लान निर्धारित करने के दावे किए थे। साथ ही रूट निर्धारित किए थे लेकिन न तो अतिक्रमण का कोई स्थायी हल निकला है और न ही पार्किंग का। इसके अलावा ई-रिक्शाओं के रूट निर्धारित करने के दावे आज तक धरातल पर नहीं उतर पाए हैं। ऐसे में शहर की जनता को आए दिन जाम का दंश झेलना पड़ रहा है। शाम ढलते ही सिविल लाइंस, मेन बाजार, बीटी गंज बाजार में पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। शहर में जाम न लगे, इसके लिए नगर निगम पुल, पंडित दीन दयाल उपाध्याय ओवरब्रिज, नए पुल पर शाम को पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं लेकिन इसके बाद भी इन स्थानों पर रोजाना जाम लग रहा है। खासकर शाम के समय जाम के आगे पुलिसकर्मी भी बेबस नजर आते हैं।

रुड़की के लोगों को पसंद नहीं आए निर्दलीय, नोटा रहा आगे

रूड़की, एजेंसी। मतगणना को लेकर रुड़की के लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। रुड़की विधानसभा क्षेत्र में निर्दलीय प्रत्याशियों से अधिक वोट नोटा को मिले हैं। इससे पता चलता है कि लोगों को निर्दलीय प्रत्याशी बिल्कुल भी पसंद नहीं आए। जबकि कुछ अन्य स्थानीय पार्टियों के प्रत्याशियों को भी नोटा की तुलना में कम वोट मिले हैं। मतगणना के बाद भाजपा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत काफी वोटों से जीत दर्ज कर चुके हैं। दूसरे नंबर पर कांग्रेस तो तीसरे नंबर पर निर्दलीय प्रत्याशी उमेश कुमार रहे। वहीं बात अगर अकेले रुड़की विधानसभा क्षेत्र की करें तो यहां से 70503 वोट पड़े हैं। इनमें से 285 वोट नोटा को पड़े हैं। जबकि बसपा को 887 वोट, भाजपा को सबसे अधिक 37035 कांग्रेस को 26841 वोट जबकि निर्दलीय रहे उमेश कुमार 5015 वोट पड़े हैं। ऐसे में अब अन्य प्रत्याशियों की बात करें तो उन्हें नोटा से भी कम वोट पड़े हैं। उत्तराखंड सामंथा पार्टी के प्रत्याशी बलबीर सिंह भंडारी को 78, यूकेडी के मोहन सिंह असवाल को 47, पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया के ललित कुमार को 49, भारतीय राष्ट्रीय एकता दल के सुरेश पाल को 36, निर्दलीय अकरम हुसैन को 52, अवनीश कुमार को 23, आशीश ध्यानी को 17, करन सिंह सैनी इंजीनियर को 49, पवन कश्यप को 38, विजय कुमार को 51 वोट पड़े हैं।

अपनी विधानसभा में ही पिछड़े निर्दलीय प्रत्याशी उमेश कुमार

रूड़की, एजेंसी। हरिद्वार लोकसभा चुनाव में खानपुर की जनता ने क्षेत्रीय निर्देलीय प्रत्याशी उमेश कुमार से ज्यादा भाजपा और कांग्रेस पर भरोसा जताया है। उमेश अपनी ही विधानसभा में पिछड़ गए। तीसरे नंबर पर आने से साफ जाहिर है कि उमेश अपने ही क्षेत्र के लोगों का भरोसा नहीं जीत पाए। खानपुर विधायक उमेश कुमार शर्मा लोकसभा में निर्दलीय रूप से चुनाव लड़ रहे थे। जहां भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत पार्टी से प्रत्याशी के तौर पर चुनाव मैदान में थे। वहीं कांग्रेस से पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के पुत्र वीरेंद्र रावत चुनावी अखाड़े में थे। जबकि बसपा से जमील अहमद पर पार्टी ने दांव लगाया था। चुनाव के दौरान उमेश कुमार के प्रचार-प्रसार से अंदाजा लगाया जा रहा था कि खानपुर की जनता का उन्हें पूरा समर्थन है, लेकिन मंगलवार को आए चुनाव नतीजों ने सबको चौंका दिया है। मतगणना के बाद भाजपा प्रत्याशी त्रिवेंद्र सिंह रावत को खानपुर विधानसभा से 46252 वोट मिले। कांग्रेस से वीरेंद्र रावत को 36755 और उमेश कुमार शर्मा 16184 वोट मिले। इससे साफ जाहिर है कि विधानसभा चुनाव से इतर लोकसभा चुनाव में जिले के साथ ही खानपुर की जनता ने क्षेत्रीय विधायक को नकारते हुए भाजपा और कांग्रेस पर भरोसा जताया है।

तल्लीताल डांठ चौराहे के सौंदर्यीकरण का डिजाइन होगा अपडेट

नैनीताल, एजेंसी। जिला प्रशासन की ओर से इस वर्ष पर्यटन सीजन में पर्यटक वाहनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विभिन्न चौराहों का चौड़ीकरण व सौंदर्यीकरण की पहल की गई है। इसी क्रम में लोनिवि की ओर से नगर के प्रवेश स्थल तल्लीताल डांठ चौराहे पर प्रयोग के तौर पर वाहन दिशासूचक डिजाइन तैयार कर यातायात संचालन का ट्रायल किया गया। अब इसकी कमियों के अनुरूप डिजाइन को अपडेट किया जाना है। डिजाइन अपडेट के बाद फिर से एक सप्ताह तक यातायात संचालित कर इसकी मानीटरिंग की जाएगी। लोनिवि के सहायक अभियंता जीएस जनौटी ने बताया कि डिजाइन के अनुसार दो सप्ताह तक यातायात संचालित किया गया। संचालन के दौरान डिजाइन को अपडेट करने की रायशुमारी की गई, जिससे यातायात और सुगम हो सके। अब कमियों के अनुरूप एक बार फिर डिजाइन को अपडेट किया जाना है, इसका भी ट्रायल होगा। जिसके सफल होने के बाद इसे प्रभावी कर सौंदर्यीकरण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

चित्रकला में निधि और निबंध लेखन में रिद्धिमा ने मारी बाजी

काशीपुर, एजेंसी। विश्व पर्यावरण दिवस पर जन जागरूकता अभियान का विधिवत रूप से समापन हो गया। इस दौरान चित्रकला में निधि और निबंध लेखन में रिद्धिमा ने बाजी मारी है। मंगलवार को विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर महिला एवं बाल सहायता समिति, विंध्यवासिनी कॉलोनी खड़कपुर देवीपुरा में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय एथलीट विजेंद्र चौधरी, विशिष्ट अतिथि पीसीबी के सहायक पर्यावरण इंजीनियर दिलदार अली, जूनियर रिसर्च फैलोशिप नीरज कठैत, सहायक वैज्ञानिक वैशाली रौतेला ने किया। वहां छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक, जन जागरण गीत, नारे, रैली, नृत्य आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

चित्रकला में निधि, कृष, सिमर व निबंध लेखन में रिद्धिमा सक्सेना, हीरा कश्यप, हर्षित कुमार क्रमशः पहले, दूसरे, तीसरे स्थान पर रहे। विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अध्यक्षता राप्रावि खरमासा प्रधानाध्यापक अमित शर्मा व संचालन समिति अध्यक्ष सरोज सिंह ठाकुर ने किया। सरोज ठाकुर ने बताया कि 26 मई से 4 जून तक नुक्कड़ नाटक, चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध लेखन, गोष्ठी, स्वच्छता आदि ने जन जागरूकता अभियान चलाया गया।

टेंट में तपिश से बेहाल हुए तो पेड़ के नीचे ली शरण

देहरादून, एजेंसी। सुबह से ही खिली धूप से टैंट में कर्मचारियों को गर्मी ने बेहाल किया। राजपत्रित अधिकारियों के टैंट में तो कूलर था, लेकिन अन्य टैंटों में तैनात कार्मिकों को गर्मी ने परेशान कर दिया। मजबूरीवश कार्मिक टैंट छोड़ पेड़ की छाया में कुर्सियां डालकर बैठ गए। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में मतगणना में तैनात कर्मचारियों के लिए टैंट लगाया गया था। इसमें झुलसा देने वाली धूप के कारण लोगों का बैठना मुश्किल हो गया। कार्मिक पसीने में तरबतर हो गए। इसके बाद उन्होंने पास में ही खड़े पेड़ का सहारा लिया। स्पोर्ट्स कॉलेज में राजपत्रित अधिकारियों के लिए अलग से टैंट लगाया गया था। इसमें कूलर की व्यवस्था भी की गई थी। कई आईपीएस अधिकारी वहां बैठे थे, दोपहर में कूलर का पानी खत्म हो गया। इस दौरान एक पुलिसकर्मी ने कुछ दूरी पर खड़े किए गए ट्रैक्टर को चालू किया और इसके पीछे लगे टैंकर से कूलर में पानी भरा। गर्मी से हर कोई परेशान रहा। इस बीच मतगणना कक्ष में मौजूद एडीएम के समक्ष लगे कूलर में पानी खत्म हो गया। आस-पास कर्मचारियों को तलाश किया गया कोई नहीं मिला। बाद में माइक पर अनाउंसमेंट करना पड़ा कि एडीएम साहब बैठे हैं, कूलर नहीं चल रहा है, कोई कर्मचारी आकर उसमें पानी भर दे। बाद में कर्मचारी ने आकर कूलर में पानी भरा।

हारकर भी बढ़ा गणेश गोदियाल का कद, पूरे आत्मविश्वास के साथ लड़ी चुनावी जंग

देहरादून, एजेंसी। चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें एक पुराने मामले में महाराष्ट्र से आयकर विभाग का नोटिस भी मिला, लेकिन गोदियाल ने नोटिस की परवाह नहीं किया और प्रचार के मोर्चे पर मजबूती से डटे रहे। साथ ही भाजपा के सियासी वार का सामना किया।

पौड़ी संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी गणेश गोदियाल को भले चुनाव में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन हारकर भी पार्टी में उनका कद बढ़ा है। गोदियाल ने अकेले अपने दम पर पूरे आत्मविश्वास के साथ चुनावी जंग लड़ी। गढ़वाल क्षेत्र में स्थानीय मुद्दों को धार देकर चुनाव को मुकाबले में खड़ा किया, जबकि गढ़वाल संसदीय सीट में बदरीनाथ विधानसभा सीट से एक मात्र कांग्रेस विधायक राजेंद्र भंडारी के पार्टी छोड़कर जाने से गोदियाल के चुनाव अभियान को झटका लगा था। मनीष खंडूड़ी के कांग्रेस छोड़ने से कांग्रेस हाईकमान ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल को प्रत्याशी घोषित किया।

खामोश रहे मतदाताओं के दिल-दिमाग पर दिखा मोदी का शोर, पीएम की जनसभा का दिखा असर

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। नैनीताल लोकसभा सीट पर मोदी मैजिक के जरिए भाजपा ने जीत की हैट्रिक लगाई। पीएम मोदी की रैली से बड़े अंतर से जीत का कीर्तिमान इस बार भी रचा गया। कांग्रेस को कमजोर संगठन का खामियाजा करारी हार से भुगतना पड़ा।

पूरे चुनाव में भाजपा ने प्रत्याशी घोषित करने के साथ ही प्रचार में भी बढ़त बनाए रखी। प्रधानमंत्री मोदी की रैली से बड़े अंतर से जीत का कीर्तिमान इस बार भी रचा गया। कांग्रेस को कमजोर संगठन का खामियाजा करारी हार से भुगतना पड़ा।

भाजपा को हमेशा चुनाव के लिए तैयार रहने और मजबूत बूथ मैनेजमेंट की पार्टी के रूप में जाना जाता है। यही वजह रही है कि 2014 में लोकसभा चुनाव से शुरू हुआ भाजपा का जीत का सिलसिला लगातार तीसरी बार भी कायम रहा। भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट की जीत की सबसे बड़ी वजह रुद्रपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली रही। मोदी ने सधे अंदाज में मतदाताओं से भावनात्मक अपील की, वो मतदाताओं के दिलो दिमाग में घर कर गई थी। दूसरी वजह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की 15 से अधिक छोटी बड़ी जनसभाएं रही थी। धामी ने अपने कामों को जनता के बीच रखा था और भाजपा प्रत्याशी के लिए मजबूत माहौल तैयार करने में अहम भूमिका अदा की।

तीसरी वजह भाजपा का मजबूत बूथ प्रबंधन रहा था। बूथ कमेटियों के साथ ही पार्टी और सभी मोर्चों को कार्यक्रम और मॉनीटरिंग ने अजय भट्ट की राह को आसान बनाने का काम किया। इसके अलावा भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट की छवि के साथ ही सक्रियता भी जीत की कड़ी बनी। पांच साल सांसद रहते वे लोकसभा के हर क्षेत्र में सक्रिय रहे थे और जनता के बीच उनकी पहचान का संकट नहीं था। पार्टी ने रणनीति के तहत विधायक और पूर्व विधायकों को उनके क्षेत्र को संभालने का लक्ष्य दिया था, जो जीत में कारगर बना।

धान की सीधी बुआई हो सकती है फायदेमंद : डॉ. क्रात्रा

काशीपुर, एजेंसी। जिले में खरीफ के मौसम में विशेषतः धान बुआई के दौरान मजदूरों की समस्या आ सकती है। ऐसे किसानों के लिए धान की सीधी बुआई फायदेमंद साबित हो सकती है। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी व कृषि वैज्ञानिक डॉ. जितेंद्र क्रात्रा ने कहा जिले में मजदूरों की कमी के चलते आने वाले मौसम में धान की सीधी बुआई करना लाभप्रद सिद्ध हो सकता है। उन्होंने बताया कि धान की सीधी बुआई में नर्सरी नहीं उगाई जाती है। बल्कि अंकुरित बीज सीधे ट्रैक्टर से संचालित मशीन से खेत में ड्रिल किए जाते हैं और मशीनों की सहायता से खेत को तैयार कर धान की सीधी बुआई कर सकते हैं। कहा कि सीधी बुआई तकनीक में 25-30 फीसदी तक पानी कम लगता है जबकि रोपाई विधि में खेत में 4-5 सेमी पानी भरा होना चाहिए। इसके अलावा सीधी बुआई में समय कम लगता है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. क्रात्रा ने बताया कि यदि किसान सीधी बुआई करना चाहते हैं तो 20 जून से पहले कर लें। इसके लिए खेत की जुताई से 1 सप्ताह पूर्व खेत में पानी भरे जब खेत सूख जाए। तब इसमें मिट्टी पलटने वाले हल से जुताई करें। दो से तीन जुताई करने के बाद खेत को समतल कर दें। धान की बुआई मशीनों से करने के लिए 20-25 किलोग्राम बीज की जरूरत होती है। बासमती धान के लिए यह मात्रा कम कर सकते हैं। बीज की गहराई 2 से 3 सेंटीमीटर

के मध्य रखें तथा पौधे से पौधे की दूरी 5 से 7 सेंटीमीटर तथा पंक्ति से पंक्ति की दूरी 15 से 20 सेंटीमीटर रखें। बताया यह विधि हल्की एवं रेतीली भूमि के लिए उपयुक्त नहीं है।

सितारगंज। घर में घुसकर महिला से मारपीट के मामले में पुलिस ने चार नामजद सहित अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज किया है। ग्राम दानचौड़ा निवासी जसवीर कौर पत्नी कश्मीर सिंह ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि बीते शनिवार रात करीब 8ः30 बजे वह घर पर अकेली थी। तभी गांव के ही पप्पू सिंह, ग्राम कौंधा रतन निवासी पिंकी सिंह, बलजीत सिंह, मटिया निवासी बंटी सिंह के साथ अज्ञात लोग घर में घुसे और मारपीट करने लगे। विरोध पर उन्होंने घर में तोड़फोड़ भी की। पीड़िता ने बताया कि उसने फोन कर अपने पति और पुत्र को मौके पर बुलाया। आरोपियों ने उन्हें भी पीटा। बाद में गांव वाले पहुंचे तो आरोपी धमकी देकर भाग गए। बताया कि उसके पति और पुत्र को अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया। उनके स्वस्थ होने पर पीड़िता ने पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

खानपुर विधायक चुनाव में नहीं दिखा पाए कमाल, टूटा सपना

देहरादून, एजेंसी। पहले ही कार्यकाल में जनता के बीच लोकप्रिय हुए उमेश कुमार ने इस बार लोकसभा से भी बतौर निर्दलीय ताल ठोक दी, लेकिन इस बार वह कामयाब नहीं हो पाए।

खानपुर विधायक उमेश शर्मा का विधानसभा से लोकसभा का सफर तय करने का सपना चकनाचूर हो गया। विधानसभा चुनाव में निर्दलीय के तौर पर जीतने वाले उमेश कुमार लोकसभा चुनाव में तीसरे स्थान पर रहे। विधायक से सांसद के तौर प्रमोशन पाने के चक्कर में उनकी पोजिशन खराब हुई।

उमेश ने 2022 के विधानसभा चुनाव में 38,767 (34.18 प्रतिशत वोट शेयर) के साथ बसपा के रविंद्र पनियाला को मात दी थी। पहले ही कार्यकाल में जनता के बीच लोकप्रिय हुए उमेश कुमार ने इस बार लोकसभा से भी बतौर

निर्दलीय ताल ठोक दी, लेकिन इस बार वह कामयाब नहीं हो पाए। हरिद्वार लोकसभा के परिणाम आए तो उमेश कुमार तीसरे स्थान पर रहे।

हालांकि, उनके वोट बसपा प्रत्याशी से ज्यादा रहे, जबकि बसपा की हरिद्वार लोकसभा में दो विधानसभा सीटें हैं। उमेश ने चुनाव तो लड़ा, लेकिन साख नहीं बना पाए। बताया जा रहा कि खानपुर व आसपास की कुछ विधानसभा में उमेश को वोट मिले, लेकिन हरिद्वार लोकसभा की सभी 14 विधानसभाओं में अपना इकबाल बुलंद करने से चूक गए।

कोसी नदी के किनारे 20 हजार से ज्यादा पेड़ उखाड़ डाले, पर्यावरण पर प्रहार; जिम्मेदार कौन

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। विश्व पर्यावरण दिवस पर जागरूकता अभियान चलाने, पौधे लगाने और पर्यावरण को बचाने के संकल्प लेने की तैयारी है लेकिन तराई में कोसी नदी के आसपास पर्यावरण की आत्मा पर सीधा प्रहार किया जा रहा है।

पांच जून यानि बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाएगा। इसके लिए बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने, पौधे लगाने और पर्यावरण को बचाने के संकल्प लेने की तैयारी है लेकिन तराई में कोसी नदी के आसपास पर्यावरण की आत्मा पर सीधा प्रहार किया जा रहा है।

एक अनुमान के अनुसार पिछले दो महीने में ही खनन माफिया ने जेसीबी आदि मशीनों से गुलजारपुर और महुआडाली गांव के पास 20,000 से ज्यादा पेड़ उखाड़ डाले और खनन कर नदी के किनारे 20 फुट से भी गहरे गड्ढे कर दिए। इस गोरखधंधे से जुड़े लोगों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वन विभाग की टीम ने विरोध किया तो कई बार उन पर हमले भी कर दिए।

गुलजारपुर और आसपास के लोग इलाके की पीड़ा तो पूरी बता रहे हैं लेकिन डर के चलते चुप्पी साध जाते हैं। आरोप है कि जो भी आवाज उठाता है तो उसे धमकाकर चुप करा दिया जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि चार महीने पहने कोसी नदी जगतपुर गांव से काफी दूर थी लेकिन जिस तरह से नदी के किनारे की जमीन पर लगे सागौन के पेड़ों को काटकर मिट्टी का खनन किया जा रहा है। उससे गांव को भी खतरा बढ़ने लगा है। खनन के इस तरीके को देखकर ग्रामीण खुद भी हैरान हैं। इससे गांवों का जीवन बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। इस दोहन का सबसे प्रतिकूल असर पर्यावरण पर पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि लगातार मिट्टी उठान और पेड़ों के काटने से भूजल स्तर गिर रहा है। इसका असर ये है कि जगतपुर, महुआडाली और आसपास के कई गांवों में नल सूख गए हैं। कई स्थानों पर तो बोरिंग वाले पाइप भी सूख गए हैं। अधिकतर ग्रामीण गुरुद्वारे के गहरे बोरिंग या सरकारी नलों से पानी भरकर अपनी जरूरत के लिए पानी जुटा रहे हैं। बताया कि कुछ लोग तो गांव वालों के विरोध के स्वर दबाने के लिए अपने खर्च से भी पानी के टैंकर भेजकर उनकी पानी की जरूरत को पूरा कर रहे हैं। गुलजार पुर क्षेत्र में इस तरह की शिकायत मिल रही है। कई बार कार्रवाई भी की गई। पांच दिन पहले छापा मारा तो वनकर्मियों पर हमला भी कर दिया गया था जिसकी शिकायत पुलिस को की गई है।

हमने देश बचाने के लिए चुनाव लड़ा और इंडिया गठबंधन को जिताने के लिए पूरी जान लगा दी- डॉ. संदीप पाठक

जानकारी

- हम अपने मकसद में सफल रहे, आने वाले समय में और ज्यादा मेहनत करेंगे और अच्छे परिणाम लेकर आएंगे- डॉ. संदीप पाठक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन को उत्साह जनक बताया है। आप के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि हमने देश बचाने के लिए लड़ाई लड़ी और इंडिया गठबंधन को जिताने के लिए अपनी पूरी जान लगा दी। आम आदमी पार्टी अपने इस मकसद में सफल रही। हम आने वाले समय में और ज्यादा मेहनत करेंगे और अच्छे परिणाम लेकर आएंगे। अंतरिम जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद अरविंद केजरीवाल ने देश को महत्व देते हुए कई राज्यों में गए और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार किया। इसका परिणाम रहा कि अपनी पूरी ताकत झोंकने के बाद भी भाजपा बहुमत नहीं ला सकी और इंडिया गठबंधन ने इतने विषम हालातों में भी अच्छा प्रदर्शन किया। चुनाव परिणाम ने बता दिया कि देश किसी भी तरह की तानाशाही-गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेगा। वहीं, आप ने सबसे मुश्किल हालातों में चुनाव लड़ा, लेकिन जनता का हमें खूब आशीर्वाद मिला और पंजाब में हमारे तीन सांसद जीते। आने वाले समय

में हम और मेहनत करेंगे और अच्छे परिणाम लेकर आएंगे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) एवं राज्य सभा सदस्य डॉ. संदीप पाठक ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर लोकसभा चुनाव में आए नतीजों पर पार्टी का पक्ष रखा। डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। इन नतीजों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी तरह की तानाशाही और गुंडागर्दी को देश बर्दाश्त नहीं करेगा। यह चुनाव नरेंद्र मोदी बनाम इंडिया गठबंधन के बीच लड़ा गया। परिणाम देखें तो नरेंद्र मोदी की पार्टी को पिछली की तुलना में इस बार 63 सीटें कम मिली हैं और भाजपा को बहुमत नहीं मिला है। वहीं, इंडिया गठबंधन में शामिल घटक दलों के कई मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला गया, कई लोगों के ऊपर रेड मारी गई, इन्होंने सारी एजेंसियों को अपने कब्जे ले लिया। इतनी कठिन परिस्थितियों के बावजूद इंडिया गठबंधन ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। यह स्पष्ट करता है कि अगर कोई व्यक्ति संविधान से खिलवाड़ करेगा तो देश की जनता उसे बर्दाश्त नहीं करेगी। डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि हम पहले दिन से कह रहे थे कि आम आदमी पार्टी महत्वपूर्ण नहीं है, देश महत्वपूर्ण है। हम इसी भावना के साथ इंडिया गठबंधन में शामिल हुए और गठबंधन को जिताने के लिए हमने अपनी जी-जान लगा दी। हमारी जितनी भी क्षमता थी, उससे ज्यादा मेहनत की। भाजपा ने इस चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी को तोड़कर खत्म करने की चुनौती दी थी। भाजपा ने हमारे कई नेताओं को जेल में डाल दिया। हमारे सबसे बड़े नेता अरविंद केजरीवाल को भी जेल में डाला। भाजपा ने हमारे वालेंटियर्स को धमकाया, एमएलए को खरीदने की कोशिश करने समेत कई षडयंत्र किए। इन सारे षडयंत्रों का नतीजा यह निकला कि देश की जनता ने इन्हें नकार दिया और आज भी आम आदमी पार्टी पूरी तरह से एकजुट है। आम आदमी पार्टी ने पूरी ताकत से लड़ाई लड़ी और पंजाब से हमारे तीन सांसद जीते, जबकि 2-3 सीटों पर हमारा काफी करीबी मुकाबला रहा। आम आदमी पार्टी पूरी तरह से मजबूत है और संघर्ष करने के लिए तैयार है। डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि अंतरिम जमानत पर 21 दिन के लिए जेल से बाहर आते ही अरविंद केजरीवाल ने अपना पूरा समय प्रचार को दिया। कई राज्यों में जाकर इंडिया गठबंधन के सभी दलों और नेताओं के लिए प्रचार किया। यहां तक कि चंडीगढ़ में भी जाकर कांग्रेस प्रत्याशी मनीष तिवारी के लिए प्रचार किए। अरविंद केजरीवाल से पूछा गया कि क्या चंडीगढ़ में प्रचार करना जरूरी है। इस पर उन्होंने जवाब दिया कि मेरे लिए आम आदमी पार्टी से ज्यादा देश महत्त्वपूर्ण है। मैं आम आदमी पार्टी के सभी स्वयंसेवक को धन्यवाद करना चाहता हूं। इतनी गर्मी में और इतनी कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने संघर्ष किया वो काफी अध्भुत है। दिल्ली का एक निश्चित प्रक्रिया है वो लोकसभा के चुनाव में भाजपा को वोट करती है और विधान सभा के चुनाव में अरविंद केजरीवाल को और बाकी दलों को वोट करती है। वो अपने प्रक्रिया पर इस बार भी अड़े रहे लेकिन उनकी जीत की जो मार्जिन लाखों में होती थी वो इस बार काफी कम रह गई है। ये स्पष्ट था कि जनता पूरी तरीके से इनको बदले के लिए तैयार थी। डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि 2019 में पंजाब में हमें लगभग 7 फीसद वोट मिला था और एक सीट पर हमारी जीत हुई थी। बाकी सीटों पर हम चौथे-पांचवें नंबर पर थे। लेकिन इस बार हम 3 सीटें जीते हैं, जबकि 2 सीटों पर काफी करीब मुकाबला रहा। इसके अलावा अन्य सीटों पर भी हमने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। 2019 में आप का वोट शेयर 7 फीसद था, जबकि इस बार 26 फीसद है। हमें उम्मीद ज्यादा की रखनी चाहिए। पंजाब में हमें उम्मीद से कम सीटें मिली हैं। लेकिन हमें ये भी मानना होगा कि लोकसभा का चुनाव अलग नैरेटिव पर लड़ा जाता है। इस चुनाव ने ये साबित कर दिया है कि आम आदमी पार्टी पंजाब में भी अच्छी तरह से स्थापित पार्टी है। कुरुक्षेत्र में थोड़े से मार्जिन में सुशील गुप्ता पीछे रह गए। वहां वे आखिरी समय तक मुकाबले में रहे। भरूच में भी काफी अच्छा मुकाबला रहा। अरविंद केजरीवाल ने चंडीगढ़ में प्रचार किया और वहां जीत कर आए हैं। असम में एक -डेढ़ लाख वोट हमें मिला है। आम आदमी पार्टी के लिए ये चुनाव देश का चुनाव था। इंडिया गठबंधन के साथ हम गए और गठबंधन धर्म का हमने पूरी ईमानदारी से पालन किया। जनता ने हमें इतना आशीर्वाद दिया। इसके लिए हम जनता का धन्यवाद करते हैं।

दिल्ली देहात गांव ग्रामीणों से आवाह्न वृक्षारोपण करें:पंचायत संघ

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

गांव नांगलोई सईदान पश्चिम विहार के साथ डीडीए के सुंदर विहार डिस्ट्रिक्ट पार्क में विश्व पर्यावरण दिवस पर डीडीए उद्यान खंड 3 जनकपुरी द्वारा वृक्षारोपण शुरू किया।

इसमें मुख्य रूप से दिल्ली 360 गांव पंचायत की दिल्ली पंचायत संघ के प्रमुख थान सिंह यादव, डीडीए के आर के मीणा उपनिदेशक, एसपी सिंह सहायक उपनिदेशक,एस.ओ. मनोज रोनालिया और पार्क विकास समिति के चौधरी भगवान सिंह, दयानंद, ओम प्रकाश राजोरिया, टेकराम शर्मा आदि प्रमुख उपस्थित रहे।

इस मौके पर पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि दिल्ली को प्रदूषण,गर्मी, दिल्ली को गैस चैंबर बनने से बचाना है। तो वृक्षारोपण करना जरूरी है। और इसमें भी ऐसे पौधे रोपे जो

वातावरण को ज्यादा शुद्ध व ऑक्सीजन देने का काम करें। उन्होंने दिल्ली देहात, गांव ग्रामीणों से भी आवाह्न किया कि इस ऋतु में ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करें। इस मौके पर उपनिदेशक आर के मीणा ने कहा कि हमारा सबसे ज्यादा ध्यान हमारे पार्कों में अच्छे व सुंदर वर्षों का रोपण हो और पार्क सुंदर बने। जिसमें बेजुबान पक्षियों को भी रहने का स्थान मिलें। जिससे हमारा वातावरण शुद्ध रहे। चौधरी भगवान सिंह ने कहा कि हमने वर्षों से इस पार्क को विकसित करने में डीडीए अधिकारियों के साथ मिलकर पार्क को विकसित व सुंदर बनाने में लगातार सहयोग किया है। और हम सब मिलकर इस पर काम करते हैं।

दिल्ली में हल्की बारिश, आंधी की संभावना

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि बुधवार को दिल्ली के कुछ हिस्सों में बहुत हल्की बारिश होने और आंधी आने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर लू की स्थिति बनी रहेगी। राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक है। इसमें कहा गया है कि अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। सुबह 10 बजे हवा में नमी का स्तर 33 फीसदी दर्ज किया गया आईएमडी ने दिन के दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहने और तेज हवाओं के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। इसमें कहा गया है कि अलग-अलग स्थानों पर बादलों की गरज के साथ छींटे पड़ने, बिजली गिरने और धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। आने वाले दिनों में और बारिश होने की उम्मीद है

बढ़ती गर्मियों को लेकर रहे सजग: डॉ. अंकित कालरा

नई दिल्ली। कालरा अस्पताल में आज मौसमी बीमारियों और बढ़ती हर रोज गर्मी (तापमान)पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें हार्ट रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस अवसर पर कालरा अस्पताल के हार्ट रोग विशेषज्ञ डॉ अंकित कालरा ने कहा कि इस साल अप्रेल के महीने में ही गर्मी से लोगों का बुरा हाल है उन्होंने मौसम विशेषज्ञों का हवाला देते हुए कहा कि अगर अप्रेल से जून तक गर्मी का भयंकर सितम रहेगा। ऐसे में हम सब लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहना चाहिए। तेज धूप से बचना चाहिए। पानी का सेवन अधिक से अधिक करना चाहिए। मोटापा और हाई ब्लड प्रेशर मरीजों का तलीय पदार्थों का सेवन कम से कम करना चाहिए। डॉ अंकित कालरा ने कहा कि नियमित रूप से योग करना चाहिए सुबह-सुबह कम से कम 40 का प्रतिदिन व्यायाम करें खान पान पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि गर्मी में डायरिया जैसी बीमारी फेलती है। ऐसे में हम सब को तरल पदार्थ का सेवन अधिक से अधिक करना चाहिए।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना के तहत स्टॉल स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं।

क) **स्टॉल:** गुड़गांव, पानीपत, दिल्ली कैंट, करनाल, पटौदी रोड, मेरठ सिटी और मेरठ कैंट स्टेशनों पर।

ख) **ट्राली :** आनंद विहार टर्मिनल, पालम, दिल्ली सफदरजंग, शिवाजी ब्रिज, तिलक ब्रिज, मुरादनगर, परतापुर, देवबंद, खतौली, फरीदाबाद, फरीदाबाद न्यू टाउन, बागपत रोड, बल्लभगढ़ बड़ौत खेकड़ा, नोली, तुगलकाबाद, शकूरबस्ती, नरेला, नांगलोई, दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली किशन गंज, सांपला, सकौती टांडा और मोदीनगर स्टेशनों पर।

- गुड़गांव, मुजफ्फरनगर और मेरठ कैंट स्टेशनों पर स्टॉल स्थापित करने की अवधि प्रति चरण में 90 दिन होगी।
- उपरोक्त (ख) समूह के अंतर्गत दिए गए स्टेशनों पर ट्राली स्थापित करने की अवधि 30 दिन होगी।
- NSG 1,2 और 3 स्टेशनों पर रजिस्ट्रेशन शुल्क 2000 रु. की दर से प्रत्येक तीस दिनों की अवधि के लिए हर बार अलग से लिया जाएगा और NSG 4 (पानीपत, करनाल, पटौदी रोड, पालम, बल्लभगढ़, बड़ौत, फरीदाबाद न्यू टाउन, नोली, तुगलकाबाद, शकूरबस्ती, नांगलोई, नरेला और मोदीनगर), NSG 5 (बागपत रोड, खेकड़ा, दिल्ली किशनगंज, सांपला, मेरठ कैंट, खतौली, शिवाली ब्रिज, तिलक ब्रिज, मुरादनगर, देवबंद और दिल्ली सफदरजंग)) & NSG 6 (परतापुर और सकौती टांडा) स्टेशनों के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क 1000 रु. की दर से प्रत्येक तीस दिनों की अवधि के लिए हर बार अलग से लिया जाएगा।
- प्रतिभागी के लिए पात्रता मानदंड निम्नलिखित है:-

क) विकास आयुक्त हस्तशिल्प, विकास आयुक्त हथकरघा, या अपेक्षित राज्य /केंद्र सरकार प्राधिकरण द्वारा जारी कारीगरों/बुनकर आईडी कार्ड धारक।

ख) भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (ट्राइफेड) /राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम (एनएचडीसी)/खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी)/गैर सरकारी संगठन और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर सूक्ष्म उद्यमों के साथ पंजीकृत और सामाजिक संगठनों, राज्य सरकार के साथ निकायों आदि के साथ नामांकित /पंजीकृत व्यक्तिगत कारीगर/बुनकर/शिल्पकार।

ग) पीएमईजीपी (प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) के साथ पंजीकृत स्वयं सहायता समूह।

घ) समाज के हाशिए पर या कमजोर वर्ग।

ड़.) किसी भी अलग प्रतीक चिन्ह की अनुमति प्रदान नही की जाएगी।

- आवेदक को स्टेशन अधीक्षक को एक वचन पत्र प्रस्तुत करना होगा जिसमें यह संकेत दिया जाएगा कि ट्रेन संचालन, यात्री सुरक्षा और रेलवे की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए कोई गतिविधि नहीं की जाएगी।
- आवेदक द्वारा का आवेदन इस अधिसूचना के जारी होने के बाद 12.06.2024, 15:00 बजे तक स्टेशन अधीक्षक को संबोधित व जमा किया जा सकता है व उसी दिन खोला जाएगा।
- सभी अनुमोदित प्रतिभागियों का प्राथमिकता रोस्टर बनाने के लिए एसएस और स्टेशन प्रबंधक/अनुभागीय सीएमआई और नामांकित वित्त प्रतिनिधि द्वारा सभी अनुमोदित आवेदकों की उपस्थिति में स्टेशन पर आयोजित ड्रा के माध्यम से प्राथमिकता निर्धारित की जाएगी।
- एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना रेलवे बोर्ड वाणिज्यिक परिपत्र संख्या: 12/2022 एवं 09/2023 के तहत/अधीन मान्य होगी, उपरोक्त परिपत्र वेबसाइट www.indianrailways.gov.in & URL: https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/traffic_comm/Comm_Cir_2022/OSOP%20Policy.pdf और https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/traffic_comm/Comm_Cir_2023/CC%20%2009%20of%202023. पर उपलब्ध है।
- इस से सम्बंधित किसी भी जानकारी के लिए आवेदक संबंधित स्टेशनों के स्टेशन अधीक्षक या सीएमआई से संपर्क कर सकता है। 1683/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अदालत ने केंद्र को आप कार्यालय के लिए जमीन आवंटित करने पर छह सप्ताह में फैसला लेने को कहा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) को अन्य राजनीतिक दलों की तरह यहां पार्टी के कार्यालय के लिए जगह लेने का अधिकार है। साथ ही उच्च न्यायालय ने केंद्र से इस मुद्दे पर छह सप्ताह के भीतर फैसला लेने को कहा। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि जनरल पूल (आवासीय आवंटन प्रणाली) में किसी आवास की अनुपलब्धता इस अनुरोध को खारिज करने की वजह नहीं हो सकती।

अदालत ने कहा, उन्हें जनरल पूल से एक मकान मिलने का अधिकार है। महज दबाव या अनुपलब्धता इसे खारिज करने की वजह नहीं है क्योंकि दबाव हमेशा होता है और राजनीतिक दलों को हमेशा मकान आवंटित किए जाते रहे हैं। आप एक राष्ट्रीय दल के तौर पर मान्यता प्राप्त होने के आधार पर केंद्र द्वारा उसके कार्यालय के लिए जगह आवंटित करने की मांग कर रही है। पार्टी के वकील ने कहा कि आप को 15 जून तक राउज एवेन्यू

में अपने मौजूदा कार्यालय को खाली करना पड़ेगा। उन्होंने दलील दी कि दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) मार्ग पर एक मकान उसे अस्थायी रूप से आवंटित किया जाना चाहिए जो अभी उसके एक मंत्री के पास है।

बहरहाल, न्यायमूर्ति प्रसाद ने कहा कि पार्टी डीडीयू मार्ग पर स्थित संपत्ति पर अधिकार नहीं जता सकती। न्यायमूर्ति प्रसाद ने कहा कि अगर केंद्र आप के प्रतिवेदन को खारिज कर देता है तो पार्टी उचित कदम उठा सकती है। आप ने एक राष्ट्रीय दल के तौर पर मान्यता प्राप्त होने के आधार पर उसके कार्यालय के निर्माण के लिए राष्ट्रीय राजधानी में जमीन का एक टुकड़ा देने या कुछ समय के लिए लाइसेंस आधार पर एक आवास के आवंटन का अनुरोध करते हुए पिछले साल अदालत का रुख किया था। जमीन के आवंटन का अनुरोध करने वाली आप की याचिका अभी उच्च न्यायालय में विचाराधीन है।

उच्चतम न्यायालय ने मार्च में आप को यहां राउज एवेन्यू स्थित उसके कार्यालयों को खाली करने के लिए 15 जून तक का समय दिया था। अदालत ने पाया कि इस भूमि को न्यायिक अवसंरचना के विस्तार के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय को आवंटित किया गया था।

अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली पार्टी ने अदालत में कहा कि चूंकि प्राधिकारियों ने नई दिल्ली में प्रमुख स्थानों पर सभी अन्य राष्ट्रीय दलों को कार्यालय परिसरों के निर्माण के लिए जमीन आवंटित की है इसलिए यह सुनिश्चित करना भी उनकी जिम्मेदारी है कि केंद्र की नीति के अनुसार उसे भी ऐसा ही आवंटन किया जाए।

दिल्ली में बहुजन समाजवादी पार्टी की सभी सीटों पर जमानत जप्त

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

साल 2024 के आम चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के हाथ बड़ी असफलता आई है। उत्तर प्रदेश ( ) में पार्टी का प्रदर्शन बहद शर्मनाक रहा है। वहीं दिल्ली में बीएसपी के सभी सातों उम्मीदवार अपनी जमानत गंवा चुके हैं। आम आदमी पार्टी (आप) की सदस्यता और मंत्री पद छोड़कर बीएसपी में शामिल हुए राजकुमार आनंद भी ह्यआनंदद्ब प्राप्त करने से कोसों दूर रहे हैं। पार्टी के हालात इस कदर खराब हैं कि उनकी जमानत तो जब्त हुई ही है, बल्कि वह दूसरे कई उम्मीदवारों से बहुत कम वोट हासिल कर सके हैं। राजकुमार आनंद ने लोकसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी नेतृत्व के ऊपर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए पार्टी छोड़.दी थी। उन्होंने नई दिल्ली सीट से बीएसपी के टिकट पर चुनाव लड़ा था। परंतु उन्हें महज 5629 वोट ही हासिल हुए हैं। जबकि उनसे ज्यादा तो कई दूसरे उम्मीवार वोट हासिल करने में कामयाब रहे हैं, जिनकी ना तो कोई पहचान थी और नाही उनके पास चुनाव में खर्च करने के लिए पैसा था। बीएसपी के उम्मीदवार भले ही कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके हों और कोई भी उम्मीदवार 13 हजार का आंकड़ा भले ही न छू सका हो। परंतु खास बात है कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के हाथ मिलाकर चुनाव लड़ने की वजह से बीएसपी दिल्ली की सभी सातों सीटों पर तीसरे स्थान पर रही है। बीएसपी को सबसे ज्यादा वोट उत्तर-पूर्वी दिल्ली सीट पर हासिल हुए हैं। इस सीट से बीएसपी के अशोक कुमार ने 12053 वोट हासिल किये हैं। वहीं नॉर्थ वेस्ट सीट से बीएसपी के विजय कुमार बौद्ध ने कुल 11997 वोट हासिल किये हैं। दक्षिणी दिल्ली सीट से बीएसपपी के अब्दुल बासित ने कुल 9861 वोट हासिल किये हैं। चांदनी चौक सीट से बीएसपी ने अब्दुल कलाम आजाद को मैदान में उतारा था परंतु वह केवल 5829 वोट ही हासिल कर सके। पूर्वी दिल्ली सीट से बीएसपी उम्मीदवार वकार चौधरी 9197 और पश्चिमी दिल्ली से उम्मीदवार विशाखा 7964 वोट ही हासिल

सफदरजंग अस्पताल ने पौधा रोपण अभियान के साथ मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल ने पौधा रोपण के लिए मधुरिम जनसहयोग फाउंडेशन के साथ साझेदारी की। इस साझेदारी का लक्ष्य आने वाले महीनों में अस्पताल के मैदान और आसपास के क्षेत्रों में 500 नए पेड़ लगाने का है। बुधवार को इस कार्यक्रम की शुरूआत चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वंदना तलवार और मधुरिम जनसहयोग फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने पौधा रोपण के साथ की। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आर.पी. अरोड़ा और अस्पताल स्टाफ के कई सदस्यों ने भी भाग लिया। इस मौके पर डॉ. वंदना तलवार ने कहा कि एक स्वास्थ्य सेवा संस्थान के रूप में पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना हमारी जिम्मेदारी है। यह पौधा रोपण अभियान हवा की गुणवत्ता को बढ़ाने के साथ छाया प्रदान करेगा और अधिक उपचारात्मक वातावरण तैयार करेगा। मधुरिम जनसहयोग फाउंडेशन ने भूमि तैयार करने, पौधे रोपने और नए पेड़ों को उनके महत्वपूर्ण प्रारंभिक चरण के दौरान बनाए रखने में मदद करने के लिए स्वयंसेवकों और संसाधनों को प्रतिबद्ध किया है।

दिल्ली में भाजपा की हैट्रिक पर पीएम मोदी को दी बधाई

नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिए दी अग्रिम बधाई

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राजधानी दिल्ली की सातों लोकसभा सीट पर भाजपा की हैट्रिक लगाने के बाद दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. वेद टंडन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। इसके साथ ही उन्होंने नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनने के लिए अग्रिम बधाई भी दी है। इस मौके पर डॉ. वेद टंडन ने कहा कि लगातार तीसरी बार दिल्ली में सातों लोकसभा सीटें भाजपा की झोली में आने से कार्यकर्ता अत्यधिक उत्साहित हैं। वहीं प्रधानमंत्री मोदी इस बार जीत की हैट्रिक लगाकर लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं भाजपा के एक सच्चे कार्यकर्ता के लिए इससे बढ़कर और क्या हो सकता है। बता दें कि मंगलवार को दिल्ली बीजेपी के लिए सब कुछ मंगलमय रहा। दिल्ली में बीजेपी अपना गढ़ बचाने में सफल रही है। एक समय था जब दिल्ली को कांग्रेस का गढ़ माना जाता था। लेकिन पिछले दो लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने दिल्ली में जोरदार प्रदर्शन कर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को कड़ी शिकस्त दी है। वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में दिल्ली में बीजेपी ने एक तरफा जीत दर्ज की थी। इस बार दिल्ली में लगातार तीसरी बार जीत दर्ज कर हैट्रिक लगा पाने में सफल साबित हुई।

राजधानी में क्लीन स्वीप के बाद भाजपा सांसदों ने बताया कैसे करेंगे दिल्ली का विकास

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की सभी सात सीटों पर भाजपा ने क्लीन स्वीप करते हुए जीत दर्ज की है। चुनाव जीतने के बाद दिल्ली के सभी सातों सांसदों की प्रतिक्रिया सामने आई है। इन सांसदों ने जीत के लिए जनता और पार्टी नेतृत्व का आभार जताया है।

चांदनी चौक से निर्वाचित सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि इंडिया एलायंस को दिल्ली की जनता ने पूरी तरह से रिजेक्ट कर दिया है। दिल्ली की जनता ने दिल्ली की सभी सातों सीटों पर भाजपा को चुना है, हमारे ऊपर बहुत जिम्मेदारी है और मैं सभी जिम्मेदारी को पूरा करूंगा। मैंने बहुत सारे संकल्प लिए हैं, कई सारे वचन दिए हैं, कई वादे किए हैं, एक-एक वादे और संकल्प को पूरा करूंगा। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को अब आत्ममंथन करना चाहिए।

पूर्वी दिल्ली से निर्वाचित सांसद हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि पूर्वी दिल्ली की जनता और पूर्वी दिल्ली के हमारे दोनों जिलों के पार्टी कार्यकताओं, शीर्ष नेतृत्व का बहुत-बहुत आभार। भगवान की कृपा, पीएम मोदी की नीतियों के कारण जनता ने हमें आपार समर्थन दिया है। जहां झुग्गी वहां मकान, कलंदर कॉलोनी में हम अगले दो से तीन महीने में चार हजार झुग्गी की जगह पर चार हजार मकान बनाने का काम शुरू करेंगे। नई दिल्ली से निर्वाचित सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि दिल्ली की सभी सातों लोकसभा

सीट पर भाजपा के सांसदों का चयन करने के लिए मैं सभी देवतुल्य मतदाताओं का शुक्रिया अदा करती हूं। मैं भाजपा के उन सभी कार्यकताओं का धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने पार्टी को मजबूत करने की दिशा में काम किया। इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं और उनकी लोकप्रियता को जाता है। मैं भाजपा के उन सभी शीर्ष नेताओं का धन्यवाद करती हूं, जिनके मार्गदर्शन में यह चुनाव लड़ा गया। मैं नई दिल्ली क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि तक ले जाने में पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं। मैं हमेशा ही दिल्ली की जनता की आवाज उठाती रहूंगी।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली से निर्वाचित सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि टुकड़े-टुकड़े वालों के होश उड़ाएंगे। बता दें कि मनोज तिवारी ने जेएनयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कन्हैया कुमार को 1, 38, 778 मतों से चुनाव हराया है। उत्तर-पश्चिम दिल्ली से निर्वाचित सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा कि ये जीत दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व की है, ये पीएम मोदी की जीत है। रिठाला से मेट्रो, मेरे क्षेत्र में 91 गांव हैं उनका विकास करना, बंद पड़े स्कूल को खुलवाना मेरी प्राथमिकता है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को चोर-चोर मौसेरे भाई बताते हुए उन्होंने कहा कि सभी को पता था कि ये लोग जीतने वाले नहीं हैं। दक्षिण दिल्ली से निर्वाचित सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली की सातों की सातों सीटें भाजपा ने जीती है। पीएम मोदी का आशीर्वाद हम सब पर रहा है, उनकी जनकल्याणकारी योजनाएं और ऐतिहासिक विकास के तोहफे के कारण ये जीत हुई है। वहीं, अरविंद केजरीवाल को उन्होंने दुनिया के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया।

पश्चिमी दिल्ली से निर्वाचित सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि पश्चिमी दिल्ली के देवतुल्य मतदाताओं का हृदय से आभार! इस अभूतपूर्व समर्थन हेतु मैं आप सभी की सदैव आभारी रहूंगी एवं आप सभी की सेवा में सदैव तत्पर रहूंगी, यह मेरी नहीं पश्चिमी दिल्ली की जनता की जीत है। एक बार पुनः पश्चिमी दिल्ली की देवतुल्य जनता का हृदय से आभार।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई-निविदा (ई-प्रोक्यूमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल मे ई-निविदा आमंत्रण।

1	**कार्य का नाम :** सहायक मंडल अभियंता नई दिल्ली के अधीनस्थ में सीनियर सेक्शन इंजीनियर पी. वे के अंतर्गत लाइन नंबर 19,19-ए, 19-बी, 19-सी, एल-1, टीओ एल-5 में एनडीएलएस यार्ड की "सिक लाइन" और लेथ साइडिंग और "लाइन नंबर में एएनवीटी यार्ड की सिक लाइन। सिक लाइन 1, 2 और 3 एल-1 और एल-2 पार्सल लाइन 1,2 और 3 के सुदृढीकरण कार्य।	
2	**कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)**	Rs. 1,69,65,762.27/- (एक करोड़ उनहत्तर लाख पैंसठ हजार सात सौ बासठ रुपये और सत्ताईस पैसे मात्र)
3	**बयाना राशि (रुपये)**	Rs. 2,34,800/- (दो लाख चौंतीस हजार आठ सौ रुपये)
4	**निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)**	Rs. 0.00
5	**निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय**	28.06.2024 को 15:00 तक।
6	**वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है**	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध।
7	**आवंटन**	04-200-32

- ठेकेदारो को ई-टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तो के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं :128-W/280/इ-निविदा सूचना/19/2024-25/W-3 दिनांक: 05.06.2024 1676/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

JOTINDRA STEEL AND TUBES LIMITED

(Formerly Known as JOTINDRA STEEL AND TUBES LIMITED)
Registered Office : 14/3, MATHURA ROAD, FARIDABAD-121003
Ph.: 0129-24477806, Fax: 0129-2477898; Email Id: jotindrasteelandtubes@gmail.com;
Web-site:www.jstltd.com | CIN: L27104HR1970PLC005240

Extract of Audited Consolidated Financial Results for the Quarter ended and year ended March 31, 2024

Rs. In Lakhs

S. No.	PARTICULARS	Quarter Ended		Year Ended	
		31.03.2024	31.12.2023	31.03.2024	31.03.2023
		audited	Un-audited	audited	Audited
1	Total income from operations	6910.55	2132.55	12534.36	16198.62
2	Net Profit/ (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	4394.97	570.76	5080.44	3296.02
3	Net Profit/ (Loss) for the period (after Exceptional and/or Extraordinary items)	4395.15	570.36	5078.45	3295.89
4	Net Profit/ (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	4423.65	557.88	5075.12	2496.24
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit/ (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)	4425.49	557.88	5076.96	2505.62
6	Equity Share Capital	487.46	487.46	487.46	487.46
7	Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (for continuing and discontinued operations) - (a) Basic (b) Diluted	90.82 90.82	11.45 11.45	104.19 104.19	51.42 51.42

Notes:

1. The above is an extract of the detailed format of Consolidated Audited Financial Results for the quarter/ Year ended on March 31, 2024, filed with the Mertopolitan Stock Exchange of India under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Un-audited Financial Results for the quarter/ Year ended on March 31, 2024 is available on the Stock Exchange website viz. www.msei.in and on Company's website viz. https://www.jstltd.com/
2. The above audited financial results for the quarter/ Year ended on March 31, 2024 have been reviewed by the Audit Committee and have been approved by the Board of Directors in its meeting held on 01-06-2024.
3. The Standalone Financial Results of the Company-

S. No.	PARTICULARS	Quarter Ended		Year ended
		(31/03/2024)	(30/12/2023)	31-03-2024
		audited	Un-audited	Audited
1.	Total Income from operations	6893.38	2132.48	12517.12
2.	Profit before Tax	4380.49	572.03	5074.35
3.	Profit after Tax	4409.91	559.41	5071.5
4.	Total Comprehensive Income	4411.75	559.41	5073.34

For jotindra Infrastructure Limited
Formerly Known as JOTINDRA STEEL AND TUBES LIMITED
Sd/-
(Akhil Kumar Sureka)
Managing Director
DIN: 00060206

Place: Faridabad
Date: 01-06-2024

दिल्ली की सभी 7 सीटों पर भाजपा ने फिर फहराया विजय का परचम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी और कांग्रेस द्वारा दिल्ली की सभी 7 सीटों पर गठबंधन करने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा जेल से बाहर आने के बाद एक के बाद एक गठबंधन प्रत्याशियों के पक्ष में रोड शो करने कांग्रेस के बड़े नेताओं द्वारा सभा करने राहुल गांधी द्वारा प्रचार करने के बावजूद दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी का विजय रथ रोकने में गठबंधन असफल रहा

भारतीय जनता पार्टी (भजपा) ने लोकसभा चुनाव में राजधानी दिल्ली की सभी सातों सीटों पर लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है। परंतु इस जीत में 2014 और 2019 जैसी वह चमक शामिल नहीं है। बीजेपी उम्मीदवार योगेंद्र चंदोलिया ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली सीट पर सातों सीटों में सबसे ज्यादा मार्जिन हासिल करते हुए अपनी जीत का झंडा फहराया है। जीत के मार्जिन के मामले में सबसे ज्यादा चर्चित रही उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट पर मनोज तिवारी दूसरे स्थान पर रहे हैं। केवल मनोज तिवारी ही दिल्ली के सात में से एक सांसद हैं जिनके ऊपर बीजेपी ने तीसरी बार अपना भरोसा जताया था। हालांकि दिल्ली बीजेपी के मामले में इस बार एक रिकॉर्ड जुड़ गया है कि उसके तीनों पूर्व मेयर और तीनों वर्तमान प्रदेश महामंत्री योगेंद्र चंदोलिया, कमलजीत सहरावत और हर्ष मलहोत्रा चुनाव जीतकर संसद पहुंच गये हैं।

लोकसभा में जीत के अंतर की बात करें तो खबर लिखे जाने तक उत्तर पश्चिमी दिल्ली सीट से बीजेपी उम्मीदवार योगेंद्र चंदोलिया ने सबसे ज्यादा 2,90,849 वोट के अंतर से जीत हासिल की है। उन्होंने कुल 866483 वोट हासिल किये हैं। जबकि उनके प्रतिद्वंदी उम्मीदवार कांग्रेस के उदित राज को 575634 वोट मिले हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार हंसराज हंस ने यह सीट 553897 वोट के अंतर से यह सीट जीती थी और उन्हें कुल 848663 वोट हासिल हुए थे। वहीं 2019 के चुनाव में आम आदमी पार्टी के गुगन सिंह 294766 वोट हासिल करते हुए दूसरे और कांग्रेस के राजेश लिलोठिया 238882 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे। इस बार ज्यादा मतों के अंतर से जीत हासिल करने वाले बीजेपी के दूसरे उम्मीवार मनोज तिवारी रहे हैं। मनोज तिवारी ने कांग्रेस के कन्हैया कुमार को 138778 वोटों से हराया है। मनोज तिवारी को कुल 824451 और कन्हैया कुमार को कुल 685673 वोट हासिल हुए हैं। खास बात है कि यह सीट कन्हैया कुमार की वजह से सबसे ज्यादा चर्चा में रही। मनोज तिवारी ने 2019 के लोकसभा चुनाव मे कांग्रेस की उम्मीदवार शीला दीक्षित को 366102 वोट के अंतर से हराया था। तिवारी ने तब 787799 वोटट हासिल किये थे। आम आदमी पार्टी के दिलीप पांडे 2019 में 190856 वोट पाकर तीसरे स्थान पर रहे थे। पश्चिमी दिल्ली सीट पर बीजेपी की कमलजीत सहरावत ने 2024 के चुनाव में यह सीट 199013 वोट के अंतर से जीती है। आम आदमी पार्टी के महाबल मिश्रा को कुल 643645 वोट हासिल हुए हैं। वहीं कमलजीत सहरावत को कुल 842658 वोट हासिल हुए हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के प्रवेश वर्मा ने इस सीट पर सबसे ज्यादा मतों के अंतर से जीत हासिल की थी। उन्हें कुल 865648 वोट हासिल हुए थे और उन्होंने तब कांग्रेस उम्मीदवार महाबल मिश्रा को 578486 वोट से हराया था। महाबल मिश्रा को तब कुल 287162 वोट प्राप्त हुए थे। आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार बलबीर जाखड़ 251873 वोट हासिल करते हुए तीसरे स्थान पर रहे थे। इस बार वह ठीक चुनाव से पहले बीजेपी में शामिल हो गये थे, फिर भी वह बीजेपी उम्मीदवार की जीत का मार्जिन नहीं बढ़वा सके।

दक्षिणी दिल्ली सीट से बीजेपी उम्मीदवार रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार सहराम पहलवान को 124333 वोट से हराया है। रामवीर बिधूड़ी को कुल 692832 वोट हासिल हुए हैं जबकि आप उम्मीदवार सहीराम को कुल 568499 मतों पर संतोष करना पड़ा। रामवीर सिंह बिधूड़ी भी पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी का जीत के अंतर का रिकॉर्ड नहीं तोड़ सके। 2019 के लाकसभा चुनाव में रमेश बिधूड़ी ने आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा को 367043 वोट से हराया था। रमेश बिधूड़ी को कुल 687041 और राघव चड्ढा को 319971 वोट हासिल हुए थे। वहीं कांग्रेस के विजेंद्र सिंह (मुक्केबाज) को कुल 164613 वोट मिले थे और उन्हें अपनी जमानत गंवानी पड़ी थी। दिल्ली की चांदनी चौक सीट पर बीजेपी के प्रवीण खंडेलवाल ने जीत हासिल की है। उन्होंने कांग्रेस के जय प्रकाश अग्रवाल को कुल 89325 वोट से हराया है। प्रवीण खंडेलवाल को कुल 516496 और जेपी अग्रवाल को 427171 वोट हासिल हुए हैं। चुनाव आयोग ने दिल्ली में सबसे पहले प्रवीण खंडेलवाल को ही विनिंग केंडिडेट घोषित किया। वहीं 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के डॉ हर्षवर्धन ने करीब 2.2 लाख के अंतर से कांग्रेस के जेपी अग्रवाल को हराया था। 2019 के लोकसभा चुनाव में डॉ हर्षवर्धन को कुल 519055 और जेपी अग्रवाल को कुल 290910 वोट हासिल हुए थे। आम आदमी पार्टी के पंकज गुप्ता 144551 वोट प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहे थे। पूर्वी दिल्ली सीट पर बीजेपी के हर्ष मलहोत्रा ने 93663 मतो के अंतर से जीत हासिल की है। उन्होंने आम आदमी पार्टी के कुलदीप कुमार को हराया है। हर्ष मलहोत्रा को कुल 664819 वोट और कुलदीप कुमार को कुल 571156 वोट हासिल हुए हैं। वहीं 2019 के लोकसभा चुनाव में इस सीट पपर बीजेपी के क्रिकेटर गौतम गंभीर ने कांग्रेस के अरविंदर सिंह लवली को 391222 वोट से हराया था। तब गंभीर को कुल 696156 और लवली को 304934 वोट हासिल हुए थे। आम आादमी पार्टी की आतिशी तब 219328 वोट प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहीं थीं। इस बार अरविंदर सिंह लवली ने कांग्रेस को छोड़ बीजेपी का दामन थाम लिया था। बीजेपी के लिए नई दिल्ली सीट को सबसे सुरक्षित माना जा रहा था। परंतु पार्टी ने यह सीट सात में से सबसे कम अंतर से जीती है। बीजेपी की बांसुरी स्वराज ने आम आदमी पार्टी ( ) के सोमनाथ भारती को 78370 वोट से हराया है। बांसुरी को कुल 453185 और भारती को कुल 374815 वोट हासिल हुए हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार मीनाक्षी लेखी ने इस सीट पर कांग्रेस के अजय माकन को 2.5 लाख वोट ससे हराया था। तब लेखी को कुल 504206 और माकन को 247702 वोट हासिल हुए थे। आम आदमी पार्टी के ब्रिजेश गोयल को कुल 150342 वोट हासिल हुए थे और वह अपनी जमानत नहीं बचा सके थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर श्री वेंकटेश्वरा मे वृहद वृक्षारोपण, पर्यावरण संगोष्ठी एवं जागरूकता अभियान

- बढ़ती हुई ग्लोबल वार्मिंग एवं वैश्विक प्रदूषण से मुक्त होने का वृहद वृक्षारोपण एकमात्र प्रभावी उपाय: डा. राजीव त्यागी

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा/गजरौला। श्री वेंकटेश्वरा संस्थान वी.जी.आई. मेरठ एवं वन विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृहद वृक्षारोपण संगोष्ठी एवं पर्यावरण जागरूकता रैली का शानदार आयोजन किया गया। जिसमे वक्ताओं ने अधिक से अधिक वृक्षारोपण के साथ पालीथीन मुक्त भारत बनाने में सभी से अपना प्रभावी योगदान देने की अपील की। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि ने कहा कि आज ये एक सुखद संयोग है कि आज ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिवस है इस अवसर पर हम सब मिलकर शपथ लेते है कि सभी सामाजिक आयोजन जैसे जन्मदिन शादी की सालगिरह, नामकरण संस्कार आदि शुभ अवसरों पर एक दूसरे को उपहार के रूप में पौधे भेंटकर आदरणीय प्रधानमंत्री जी क्लीन इंडिया - ग्रीन इंडिया के सपने को साकार करने में अपना प्रभावी योगदान देकर राष्ट्र विकास में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर कनेक्ट पीपल्स विद नेचर विषय पर आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ वन अधिकारी श्री नरेश कुमार ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग एवं तेजी से जलवायु परिवर्तन का एकमात्र कारण यह है कि आज पढ़े- लिखे समृद्ध लोग भी प्रकृति से दूर होते जा रहे है। हम सभी को मिलकर संरक्षण एवं संवर्धन के लिए काम करना होगा तभी विनाश के बिना विकास संभव है।वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी आई. एफ. एस. श्री एस.पी. सिंह ने कहा कि उत्कृष्ट शिक्षा के साथ- साथ वैंकटेश्वरा अपने सामाजिक सरोकारों के लिए भी पूरे देश में जाना जाता हैं आज इसी पहल के साथ मेरठ एवं मुरादाबाद प्रभाग में वैंकटेश्वरा एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में इक्कीस सौ पौधों को रोपित किया जा रहा है। श्री वैंकटेश्वरा विश्वविद्यालय /संस्थान के अब्दुल कलाम सभागार में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित वृहद वृक्षारोपण संगोष्ठी एवं जागरूकता रैलीह का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, वरिष्ठ आई. एफ. एस. श्री एस.पी. सिंह, वन विभाग के वरिष्ठ डिप्टी रेंजर अधिकारी सुमित राठी आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके किया।इस अवसर पर ग्रुप एडवाइजर श्री आर.एस. शर्मा, कुलसचिव डा.पीयूष पाडेंय, डा. सी.पी. सिंह, डा. राजेश सिंह, डा. दिव्या गिरधर, डा.एना ब्राउन, डा. मंजरी राणा, अनुपा कर्णवाल, सुमनदीप कौर, जनसंपर्क से प्रशांत दहिया, सौमिक बनर्जी फोटोग्राफर सुमित घोष के साथ कैंपस प्रबंधक श्री एस. एस. बघेल, अरुण गोस्वामी, मारूफ चौधरी, विशाल शर्मा, नवनीत सैनी, रिंकी शर्मा, संजीव पाल मेरठ परिसर से डा. प्रताप सिंह मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

पालिका ने राहगीरों की प्यास बुझाने को लगाएं पियाऊ, डीएम ने की प्रशंसा

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। नगर पालिका द्वारा आम जनमानस की सुविधा एवं उमस भरी गर्मी मे राहगीरो की प्यास बुझाने के लिए शीतल जल के वाटर कूलर (आर0ओ0 सहित) की स्थापना नगर के विभिन्न स्थानो पर की गयीं है, इसके अतिरिक्त गत कुछ दिवसो मे पड़ रही भीषण गर्मी के दृष्टिगत पालिका अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी द्वारा नगर के टी0पी0 चौराहा व लकड़ा चौराहा पर मिट्टी के घड़ो मे शीतल जल के प्याऊ लगवा कर अभिनव प्रयोग किया गया। जिसकी प्रशंसा इन स्थानों से गुजरने वाले राहगीरो द्वारा की जा रही है, आज इन मिट्टी के घड़ो के शीतल जल प्याऊ का अवलोकन जिलाधिकारी द्वारा किया गया, जिलाधिकारी पालिका के टी0. पी0 नगर चौराहे पर लगे पालिका प्याऊ पर रुके व स्टाल मे रखे हुए मटको के शीतल जल का सेवन किया तथा पालिका के अभिनव प्रयोग की प्रशंसा की, जिलाधिकारी ने कहाँ की इस प्रकार से भारतीय माटी कला को जीवित रखने के साथ राहगीरो को इस उमस भरी गर्मी मे शीतल जल से प्यास बुझाने का पालिका द्वारा किया जा रहा कार्य प्रशंसनीय है इस अवसर पर पालिका अधिशासी अधिकारी डॉ0 बृजेश कुमार,जलकल अभियंता तपेश कुमार, अवर अभियंता निर्माण अरविन्द कुमार सहित जावेद कमाल व जलकल अनुभाग के कार्मिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

भारत की आत्मा है संस्कृत : प्रो वरखेड़ी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी ने हिमालयन चन्द्रखानी पास ट्रेक, कुल्लू, हिमालय के छात्र-छात्राओं का अभिनन्दन करते कहा कि हिमालय देवतात्मा है तथा संस्कृत भारत की आत्मा। उन्होंने आगे यह भी कहा कि जिस तरह हिमालय प्राचीन काल से ही भारत की रक्षा करता आया है। उसी प्रकार संस्कृत भी भारतीय संस्कृति की रक्षा करती आयी है। कुलपति का मानना था कि यह गौरवमय, शौर्य से भरे तथा साहसिक पर्वतारोहन मात्र कुछ छात्र छात्राओं की यात्रा ही नहीं रही, बल्कि यह इसके एक एक प्रतिभागी के परिवार, संबंधी, मित्र तथा परिजनों की सहभागिता का प्रतीक है। उन्होंने इस उपलक्य में आयोजित उत्साह भरे वातावरण में यह भी संदेह दिया कि जिस प्रार हमारा दिव्य तथा भव्य हिमालय नदियों, प्रकृति तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करता है, उसका संदेश संस्कृत के छात्र छात्राएं को विशेष रुप से अपने अपने परिसरों, महाविद्यालयों, समाजों तथा दोस्तों के बीच पहुंचाया जाना चाहिए, ताकि पर्यावरण संतुलन की बात तथा उसका महत्त्व जन जन तक पहुंच सके।

कुलपति प्रो वरखेड़ी ने इस अभियान गण के प्रमुख ए.एन. विजेन्द्र राव, मैसूर तथा प्रो मदन मोहन झा, डीन, छात्र कल्याण तथा इस कार्यक्रम से जुड़े अधिकारी तथा कर्मयोगियों का भी धन्यवाद किया। डीन अकादमी, प्रो बनमाली बिश्वाल ने चन्द्रखानी पास की ऐतिहासिक महत्त्व पर प्रकाश डाला और इसे केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के लिए एक एतिहासिक उपल्बिध बताया। प्रो झा ने कहा कि सामान्य कुलपति जी के मार्गदर्शन से ही यह संभव हो सका और आने वाले समय में कैलाश पर्वत आदि अभियान को लेकर कुलपति जी ने जो उत्साह बढ़ाया है, उस दिशा में हम मिलजूल आगे बढ़ेंगे। इस अभियान के एक विशेष प्रतिभागी के रुप में सौफ्टवेयर इन्जिनियर, कृष्ण कुमार, मैसूर ने कहा कि किसी भाषा को लेकर आयोजित किया गया यह अभियान अपने आप में ऐतिहासिक तथा अनूठा माना जाना चाहिए। इससे संस्कृत का महत्त्व स्पष्ट होता है। विजेन्द्र राव ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन से संस्कृत की लोकप्रियता दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंच सकेगी। अनेक प्रतिभागियों ने अपने मनोरम अनुभवों को साझा किया। दो. पवन व्यास ने अतिथियों का वाचिक स्वागत किया तथा डा सुनीता ने मंच संचालन और डा विजय दाधीच ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

चोरी की स्कूटी - बाईक डिस्मेंटल करने वाली फैक्ट्री पकड़ी

- 9 बाईक, 130 टायर, चेचिस, इंजन, फ्यूल का टैंक बरामद

पार्ट पार्ट करके बेचकर करता अच्छी कमाई, हुआ गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

स्पेशल स्टाफ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की पुलिस टीम ने मादीपुर के एक बड़े स्क्रैप डीलर को गिरफ्तार किया है। जो चोरी की मोटर साइकिल और स्कूटी खरीदकर उसको डिस्मेंटल करके पार्ट पार्ट में बेचता था। डीसीपी विचित्र वीर के अनुसार गिरफ्तार स्क्रैप डीलर की पहचान जसवंत सिंह के रूप में हुई है। इसका मादीपुर में फैक्ट्री है और यह लगातार मोटरसाइकिल और स्कूटी चोरी का खरीद करके उसको डिस्मेंटल करवाता था। फिर उसके पार्ट्स को बेचता था। इसकी फैक्ट्री से चोरी की 09 मोटरसाइकिल, काफी नंबर प्लेट, 130 से ज्यादा चेचिस, इंजन, टायर, शौकर इत्यादि बरामद किया गया है। पुलिस ने इसकी गिरफ्तारी से 15 मामलों का खुलासा करने का दावा भी किया है।

पुलिस के अनुसार इस स्क्रैप डीलर के बारे में एक इनफॉरमेशन पुलिस को मिली थी। यह मादीपुर इलाके में इस तरह का फैक्ट्री खोल करके वहां पर यह गोरख धंधा कर रहा है। उस सूचना का पुलिस ने बारीकी से छानबीन किया। उसके बाद एसीपी ऑपरेशन अरविंद कुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर अजमेर सिंह, सब इंस्पेक्टर संदीप पुनिया की टीम ने वहां पर छापा मारा। फिर मादीपुर गांव की फैक्ट्री से इस गोरख धंधे का खुलासा किया।

पूछताछ में पुलिस को आरोपी ने बताया कि वह स्कूटी और मोटरसाइकिल चुराने वाले ऑटो लिफ्टर विक्की और गोलू से खरीदता था। फिर इसको पार्ट पार्ट करके आगे बेचता था। पुलिस विक्की और गोलू की तलाश कर रही है। जिन मामले का खुलासा पुलिस ने किया है। वह राजौरी गार्डन, पंजाबी बाग, विकासपुरी, मोती नगर, देशबंधु गुप्ता रोड, पश्चिम विहार वेस्ट, पश्चिम विहार ईस्ट और निहाल विहार थाना इलाके के हैं। पूछताछ में पता चला कि जसवंत सिंह मूल जेजे कॉलोनी मादीपुर का रहने वाला है। पिछले 6-7 सालों से स्क्रैप का बिजनेस कर रहा है। अच्छी कमाई के लिए इसने गोरखधंधा शुरू कर दिया।

1000 जरूरतमंदों को भोजन और वस्त्र वितरित

- नर सेवा ही नारायण सेवा है। वहां मौजूद साधकों ने कहा कि हर महीने जरूरतमंदों को अन्नदानम वस्त्रदानम सेवा के माध्यम से वस्त्र और भोजन का वितरण किया जाता है।

दिल्ली। श्रीमद् राजचंद्र मिशन के तत्वावधान में दिल्ली के अशोक विहार में साधकों द्वारा पारंपरिक अन्नदान और वस्त्रदान किया गया। इस मौके पर 1000 से अधिक जरूरतमंदों को भोजन और वस्त्र प्रसाद के रूप में प्राप्त हुए। वहां मौजूद साधकों ने कहा कि श्री गुरु रत्ना प्रभु ने हमसब को आत्मकल्याण के लिए सेवा का मार्ग दिखाया है। साधकों ने कहा कि गरीबों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य का काम है। किसी जरूरतमंद को भोजन, वस्त्र मिल जाए तो इससे बड़ा धर्म कोई नहीं हो सकता। नर सेवा ही नारायण सेवा है। वहां मौजूद साधकों ने कहा कि हर महीने जरूरतमंदों को अन्नदानम वस्त्रदानम सेवा के माध्यम से वस्त्र और भोजन का वितरण किया जाता है। इस अवसर पर श्री गुरु रत्ना प्रभु ने कहा कि अन्नदान या वस्त्रदान की पवित्र भेंट हमेशा भारतीय आध्यात्मिक परंपरा और लोकाचार का हिस्सा रहा है। श्रीमद राजचंद्र मिशन के सभी साधकों को जरूरतमंदों के लिए अन्नदान और वस्त्रदान में सहयोग देने में सक्षम होने का सौभाग्य मिला है। इन सभी उत्साही साधकों ने मानव चेतना को विकसित करने के लिए अथक समर्पण और लगन के साथ सभी की खुशहाली में योगदान देने के लिए अपना जीवन अर्पित किया है।

संपूर्ण मानवता का अस्तित्व प्रकृति पर निर्भर है : सुजैन आनंद

प्रात: किरण संवाददाता

पर्यावरण रक्षा और नदी संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी रूप से कार्यरत सामाजिक संस्था नमामि नर्मदा (संघ) नमामि गंगा नमामि यमुना की ओर से आज पांच जून पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिल्ली में विभिन्न स्थानों वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर भारत रक्षा मंच उत्तर क्षेत्र की प्रमुख सुजैन आनंद विशेष अतिथि थी।

इस मौके पर अपने आतिथ्य संबोधन में सुजैन आनंद ने पर्यावरण दिवस की समस्त देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि हर साल 5 जून का दिन दुनिया भर में विश्व पर्यावरण दिवस के तौर पर मनाया जाता है। इसका मकसद है- लोगों को पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति जागरूक और सचेत करना। प्रकृति के बिना मानव जीवन संभव नहीं। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि हम पेड़-पौधों, जंगलों, नदियों, झीलों, भूमि, पहाड़ सबके महत्व को समझें।

श्रीमती आनंद ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई और बढ़ते प्रदूषण के चलते पर्यावरण दूषित होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग बढ़ती जा रही है। खराब हवा लोगों का दम घोंट रही है। शहरों में बहुत से लोगों को बदतर आबोहवा के चलते लोगों को सांस, हृदय, फेफड़ों की बीमारियों हो रही हैं। उन्होंने कहा, हमें यह समझना चाहिए कि संपूर्ण मानवता का अस्तित्व प्रकृति पर निर्भर है। इसलिए एक स्वस्थ एवं सुरक्षित पर्यावरण के बिना मानव समाज की कल्पना अधूरी है। पृथ्वी ग्रह पर ही मानव जीवन संभव है इसलिए इसे जीने लायक बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। ये बातें सिर्फ जुबानी या किताबों में न रह जाएं बल्कि हमें जीवन में उतारनी होंगी। प्रदूषण से पर्यावरण को बचाना है। पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अपनानी होगी। पर्यावरण के संतुलन कायम रखने से ही जीव और मानव का विकास संभव है। सोलर ऊर्जा का प्रयोग बढ़ना होगा। ऊर्जा का अनावश्यक खर्च न करने की आदत डालनी होगी। जल संसाधनों की बचत करनी होगी। हमें याद रखना चाहिए कि प्रकृति ने इंसान को पैदा किया और अपने आस्तित्व के लिए इंसान को उसकी जरूरत है। प्रकृति से हम हैं, हमसे प्रकृति नहीं।

दिल्ली पुलिस एकेडमी में आयोजित पासिंग आउट परेड

- गोवा पुलिस के 1, चंडीगढ़ पुलिस के अरक, 9 टळर शामिल

संवाददाता

बुनियादी प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, 11 पीएसआई (06 गोवा पुलिस, 03 महिला सहित) और चंडीगढ़ पुलिस के 05 पीएएसआई) और एक महिला सहित 09 एमटीएस पुलिसकर्मियों की पासिंग आउट परेड आई दिल्ली पुलिस एकेडमी, झरोदा कलां में आयोजित की गई। जिसमें डिप्टी डायरेक्टर - 2 उमा शंकर ने प्रशिक्षुओं की मार्चिंग टुकड़ियों की सलामी ली। उन्होंने प्रशिक्षुओं को बुनियादी ट्रेनिंग पूरा करने पर बधाई दी और उन्हें फील्ड वर्किंग सीखने के लिए प्रेरित किया। इनमें से 3 पीएसआई बीए, 3- बी.एससी, 2-बी.कॉम, 1-बी.ई, 01 एमए और 01-बी.टेक हैं। जबकि एमटीएस में 03 बीए, 02 बी.एससी और 01 एमए हैं। एकेडमी में बेसिक टैनिंग के दौरान इन्हें लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन करने और पुलिस प्रक्रियाओं जैसे विभिन्न क्षेत्रों में ट्रेंड किया गया है। उन्हें फायरिंग, ड्रिल, योग और खेल जैसे इनडोर और आउटडोर में भी प्रशिक्षित किया गया है। इसके अलावा, एमटीएस नागरिकों को विशेष ट्रैड में प्रशिक्षण के अलावा पुलिस प्रशासन, कामकाज और व्यवहार के ज्ञान से भी लैस किया गया है। इस समारोह के पुरस्कार विजेता पीएएसआई दीपांशु (चंडीगढ़ पुलिस) को आउटडोर में सर्वश्रेष्ठ, इनडोर में सर्वश्रेष्ठ और ऑल-राउंड सर्वश्रेष्ठ के लिए ट्रॉफी दी गई। पीएएसआई दीपक मलिक (चंडीगढ़ पुलिस) को सर्वश्रेष्ठ फायरिंग के लिए ट्रॉफी दी गई। कंप्यूटर विज्ञान में पीएसआई अंजलि होनू धुलापकर (गोवा पुलिस) को और

कुक सोनिया को ऑल राउंड बेस्ट और बेस्ट इनडोर के साथ स्वीपर मुकेश कुमार को बेस्ट इन आउटर के लिए हौसला अफजाई की गई।

कन्हैया कुमार ने दी मनोज तिवारी को जीत की बधाई

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र से इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी डॉ.कन्हैया कुमार ने चुनाव में विजयी मनोज तिवारी को लगातार तीसरी बार जीतने पर बधाई दी। कन्हैया कुमार अपने ट्वीट में कहा मैं उत्तर-पूर्वी दिल्ली की जनता, कांग्रेस पार्टी और हमारे चुनाव में अपना योगदान देने वाले समस्त कार्यकताओं, साथियों और इंडिया समूह के सभी सहयोगी दलों का दिल से धन्यवाद अदा करता हूँ। इस भीषण गर्मी में चुनाव करवाना एक कठिन ज़िम्मेदारी थी। इस ज़िम्मेदारी के सफल निर्वहन के लिए चुनाव आयोग, पुलिस, सुरक्षाकर्मी एवं नगरीय प्रशासन भी बधाई के पात्र हैं। अंत में मेरे विपक्षी उम्मीदवार मनोज तिवारी को तीसरी बार सांसद चुने जाने पर बहुत बधाई एवं शुभकामनाएँ। आशा करता हूँ कि वो जनता की आकांक्षाओं पर खड़े उतरेंगे। इंडिया समूह को उत्तर पूर्वी दिल्ली की जनता ने विपक्ष की भूमिका निभाने का आदेश दिया है। उनका हुक्म सर - आँखों पर ! हम इस क्षेत्र की जनता के लिए एक सक्रिय एवं सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएँगे और उनकी मांगों और मुद्दों के लिए निरंतर आवाज उठाते रहेंगे।

रोहतक में मर्डर कर लूटी बाईक, फिर दिल्ली में फायरिंग

- लगातार दो दिन गोली चलाकर मांगी 1 करोड़ की रंगदारी

काला जठेड़ी के नाम पर रंगदारी, पूछताछ में हुआ खुलासा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

द्वारका जिला के एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने शूटआउट में हरियाणा के जिन दो बदमाशों को गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ में बड़ा खुलासा हुआ है। जिस मोटरसाइकिल से इन्होंने मोहन गार्डन में आकर टोनी प्रॉपर्टी के बाहर लगातार दो दिन फायरिंग करके एक करोड़ की रंगदारी जॉनी भाई और काला जठेड़ी के नाम से मांगी थी। उस बाइक को इन्होंने रोहतक में मर्डर करके लूटी थी। बाइक के ओनर की गोली मारकर हत्या कर दी और उसकी बाइक लूटकर वहां से फरार हो गए थे। फिर उसी बाइक से यह दिल्ली आए थे और यहां पर लगातार 2 दिन इन्होंने प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस के बाहर फायरिंग की। रोहतक पुलिस को इस मामले में बदमाशों की तलाश थी।

31 मई और 1 जून को की गई ऑफिसर पर फायरिंग

डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि पहले फायरिंग की वारदात 31 मई को हुई थी। जिसमें दोपहर 3:30 बजे के आसपास हवा में फायरिंग की गई थी। दूसरी फायरिंग की वारदात अगले दिन एक मई को उसी ऑफिस के बाहर फिर से की गई थी। साथ ही एक करोड़ की रंगदारी की पर्ची भी उस प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस पर फेंकी गई थी। उस मामले की छानबीन में एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम को भी लगाया गया था।

सीसीटीवी फुटेज की मदद से पता लगाना शुरू किया

जांच में पता चला कि बाइक पर दो बदमाश आए थे। जो पीछे बैठा हुआ था उसने गोली चलाई और वहां से फरार हो गए थे। उस मामले की पुलिस टीम ने छानबीन शुरू की और सीसीटीवी फुटेज की मदद से बदमाशों के बारे में पता लगाना शुरू किया। बाइक पर सवार बदमाशों ने जो कपड़े पहना था उसकी भी पहचान की गई। इस मामले में छानबीन करती हुई इंस्पेक्टर सुभाष चंद की देखरेख में पुलिस की टीम झरोदा कला स्थित पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज झरोदा तक पहुंची।

वारदात और शूट आउट के दिन सेम कपड़ा पहना था

उसी रोड से वही बदमाश वही कपड़ा पहने हुए जा रहे थे। उनकी बाइक पर नंबर प्लेट नहीं था। पुलिस को कुछ शक हुआ, लेकिन इसी बीच हेड कांस्टेबल दिनेश की नजर उनके कपड़ों पर पड़ी, जो उन्होंने पहन रखा था। जिस प्रॉपर्टी डीलर की यहां फायरिंग हुई थी। उसको अंजाम देने वाले बदमाशों ने भी वही कपड़ा पहना हुआ था। पुलिस टीम ने बदमाशों का पीछा करना शुरू किया। जहां पर रास्ता सकरा हुआ, पुलिस टीम ने बाइक के पीछे जिप्सी लगा दी जिससे उनकी मोटरसाइकिल स्लीप होकर गिर गई।

बदमाश की गोली से बाल बाल बचा हेडकांस्टेबल जब तक पुलिस उनके पास पहुंचती, उन्होंने अचानक पुलिस टीम पर गोली चला दी। इस फायरिंग में हेड कांस्टेबल दिनेश बाल बाल बच गया। उसके कान के बगल से होती ही गोली निकली। जवाबी कार्रवाई में हेड कांस्टेबल दिनेश ने भी सेल्फ डिफेंस में गोली चलाई। जिसमें एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। मौका देखते ही पुलिस टीम ने उसको वहीं पर दबोच लिया। उसकी पहचान वीरपाल उर्फ छोटा उर्फ लाल के रूप में हुई। दोनो बदमाश हरियाणा के रोहतक के रहने वाले हैं

उसी बीच दूसरा बदमाश भागने लगा तो हेड कांस्टेबल कुलदीप ने दूसरे पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर उसे चेज करके दबोच लिया। जिसकी पहचान विक्की उर्फ भंडार के रूप में हुई है। पूछताछ में पता चला की यह दोनों रोहतक, हरियाणा के रहने वाले निकले। इनके पास से दो कंट्री मेड पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस भी बरामद किया गया। रोहतक पुलिस को भी इन बदमाशों के बारे में सूचना दे दी गई। क्योंकि वहीं बाइक के ओनर की हत्या करके लूटी थी।

दिल्ली: हार के बावजूद आप का मत प्रतिशत बढ़ा, भाजपा का दो अंक गिरा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली में एक भी लोकसभा सीट जीतने में विफल रही सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के लिए राहत की बात यह रही कि इस बार के चुनाव में उसके मत प्रतिशत में 2019 के चुनावों की तुलना में लगभग छह फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि सातों सीटों पर विजयी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का यह आंकड़ा पिछले चुनावों की तुलना में दो प्रतिशत गिर गया।

कांग्रेस ने दिल्ली में तीन सीट पर चुनाव लड़ा था लेकिन वह एक भी सीट नहीं जीत पाई और 2019 के चुनाव की तुलना में उसका मत प्रतिशत तीन अंक से अधिक घट गया। भाजपा को 54.35 प्रतिशत मत मिले और उसने लगातार तीसरी बार दिल्ली की सभी सातों लोकसभा सीट कब्जा जमाया। वर्ष 2019 में यह आंकड़ा 56.7 प्रतिशत और 2014 में 46.6 प्रतिशत था।

पूर्वी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली और दक्षिण दिल्ली सीट पर चुनाव लड़ने वाली आप एक भी सीट नहीं जीत सकी। हालांकि, 2019 के चुनावों में 18.2 की तुलना में उसने 24.17 प्रतिशत मत हासिल किए। वर्ष 2014 के आम चुनावों में आप का मत प्रतिशत 33.1 था, लेकिन वह सभी सात सीट हार गई थी।

इस बार विपक्षी गठबंधन ह्यइंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के सहयोगी आप और कांग्रेस ने सीट बंटवारे के तहत भाजपा को सीधी टक्कर दी। कांग्रेस ने उत्तर पूर्वी दिल्ली, उत्तर पश्चिमी दिल्ली और चांदनी चौक सीट पर चुनाव लड़ा और तीनों सीटों पर हार गई।

कांग्रेस को 18.94 प्रतिशत वोट मिले, जबकि 2019 के चुनावों में यह आंकड़ा 22.6 प्रतिशत था। हालांकि, यह 2014 के चुनावों में पार्टी के मत प्रतिशत 15.2 से अधिक था।

संक्षिप्त खबरें

चाचा ने भतीजा के साथ मारपीट करते हुए सिर फोंडा

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र के सलगा गांव में खेत पर पूजा करने गई एक महिला को पूजा करने से मना करते हुए उसके दो देवर ने महिला के बेटे के साथ मारपीट करते हुए उसे घायल कर दिया जिसका इलाज झाझा रेफरल अस्पताल में परिजनों की मदद से करवाया गया। जहां डॉक्टर ने घायल लड़के को इलाज करने के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया। घायल लड़के की मां रोहनी देवी ने बताया कि मै खेत पर पूजा करने के लिए गई तो देवर खोखो यादव और दीपक कुमार ने पूजा करने से मना करते हुए भगाने लगा जिसपर मैने दोनो देवर से कहा कि मेरी जमीन है तो पूजा क्यो नही करूंगी तो इसी बात पर वे लोग उलझ गया जिसपर मेरा बेटा विरोध किया तो दोनो ने मेरे बेटे के साथ मारपीट करते सिर पर ईट से प्रहार कर घायल कर दिया। महिला ने बताया कि पूर्व में भी जमीन को लेकर वे लोग विवाद किया था।

नीतीश एवं नायडू से देश, संविधान, लोकतंत्र बचाने हेतु किया इंडिया गठबंधन के साथ आने को अपील : किरण

देश व जनहित में सोचें समझें जल्द फैसला करें नीतीश : चंद्रबाबू नायडू

प्रात : किरण, संवाददाता

खगड़िया। बड़े बरगद पीपल के वृक्ष के तले छोटे नए पौधों का विकास नहीं होता है। छोटे-छोटे पौधों का अस्तित्व समाप्त हो जाता है। वैसे ही स्थिति आज देश में भाजपा नेतृत्व एनडीए गठबंधन के घटक दलों के साथ हो रही है। छोटे-छोटे पार्टी के सांसदों का खरीद फरोख्त कर भाजपा में शामिल कर लेने की संभावनाएं है। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडु को एक डर जरूर होगा कि अगर कहीं उन्होंने मोदी को अपनी-अपनी पार्टी का समर्थन दे दिया तो साल भर के अंदर उन्हें वह दिन देखना पड़ेगा, जब एक दिन सुबह वह उठेंगे तो उनके सारे सांसद मय पार्टी के भाजपा में शामिल हो चुके होंगे और वे निपट अकेले खड़े होंगे। शरद पवार और उद्धव ठाकरे यह दर्द झेल चुके हैं। कई वर्ष तक पर्दे के पीछे से बार बार भाजपा की मदद करने वाले नवीन पटनायक आज अपने राज्य से बेदखल हो चुके हैं। न जाने किस अज्ञात दबाव में भाजपा से डरने वाली मायावती जी भारत की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी से शून्य पर पहुँच चुकी है। कभी पंजाब में दबदबा रखने वाले भाजपा के लंबे समय से गठबंधन सहयोगी रहे अकाली आज एक सीट पर सिमट गए हैं। भाजपा की सोहबत में रह कर कभी तमिलनाडु की बहुत बड़ी शक्ति होने वाली जयललिता की पार्टी आज मृतप्राय हो चुकी है। हरियाणा में कुछ साल पहले नई शक्ति के तौर पर उभरी जजपा एक ही बार भाजपा के मोहपाश में फँसी और राजनीतिक रसातल में पहुँच गई। भाजपा के साथ कश्मीर में सरकार चलाने वाली महबूबा मुफ़्ती की पार्टी का आज कुछ पता नहीं है। और खुद नीतीश कुमार जी बिहार की सबसे बड़ी शक्ति से घटकर विधानसभा चुनाव में तीसरे नंबर की पार्टी बन गए थे। भाजपा से पुराने रिश्तों के कारण ही चंद्रबाबू नायडू एक जमाने में आँध्र प्रदेश के सर्वोच्च नेता से घटते घटते गायब हो गए थे और फिर कि स्मत से वापस आए हैं। ममता बनर्जी ने समय रहते भाजपा से अपना संबंध खत्म कर दिया था और वे आज भी शान से बंगाल की मुख्यमंत्री है। नीतीश जी भी 12 पर सिमट गए हैं। आने वाले समय में अस्तित्व पर खतरा मन रह रहा है। इसलिए हे पार्थ, सावधानी हटी, दुर्घटना घटी।

अतः नीतीश कुमार एवं चंद्रबाबू नायडू को धर्मनिरपेक्ष गठबंधन इंडिया महागठबंधन के साथ आकर गैर भाजपाई सरकार बनाने की जरूरत है। सोचे समझे फैसला करें।

पप्पू यादव की जीत पर समर्थकों ने मनाई खुशी, बांटा मिठाई

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] लोकसभा चुनाव में पूर्णिया से 23847 से मतो से अपनी जीत करने वाले पप्पू यादव के जीत पर झाझा में भी उनके समर्थकों में काफी उत्साह देखने को मिला। झाझा में पप्पू यादव के समर्थक विनय यादव, सुबोध कुमार यादव, घनश्याम गुप्ता, मुकेश यादव, सोपनील सिंह, राजेश कुमार आदि ने लोगों के बीच अबीर गुलाल लगाते हुए लोगों के बीच मिठाई वितरण किया। पप्पू यादव के समर्थकों ने कहा कि जब महागठबंधन से बेटिक हुए तो पप्पू यादव ने निर्दलीय ही चुनाव मैदान में उतरकर लोगों के बीच अपनी जीत दर्ज की। समर्थकों ने बताया कि चाहे लॉकडाउन हो या अन्य परिस्थिति हो पप्पू यादव हमेशा लोगों की मदद करने का काम किया। वे गरीबों के नेता है जो गरीबों के दर्द को समझता है। इस बार जनता ने उन्हे फिर से अपना सांसद चुना है जो बड़े ही गौरव की बात है।

परमानपुर में आजादी से अब तक पक्की सड़क नसीब नहीं

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा घैलाढ़ः प्रखंड क्षेत्र में एक ऐसा गांव है जहां आजादी से अब तक अपने गांव से मुख्य सड़क पर जाने के लिए पक्की सड़क नसीब नहीं हो पाया है। मिली जानकारी अनुसार प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत भतरंधा परमानपुर पंचायत के परमानपुर गांव वार्ड नंबर 15 के लोगों को आजादी से अब तक मुख्य सड़क तक आने जाने के लिए पक्की सड़क नसीब नहीं हो पाई है ' बरसात के मौसम में तो इस गांव के लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है ' इस गांव के अधिकतर लोग मजदूरी कर अपना जीवन यापन करते हैं ' हालांकि आजादी के बाद 20 वर्ष पूर्व प्रथम जिला परिषद सदस्या गीता यादव के द्वारा नरकीय स्थिति में बनी सड़क पर मिट्टी और सोलिंग का कार्य करवाया गया था। जिसके बाद पुनः 10 वर्षों के बाद सड़क की वही स्थिति बन गई। फिर वर्तमान मुखिया रेणु देवी के द्वारा पांच माह पहले सड़क पर पुराने सोलिंग को उखाड़ कर फिर से मिट्टी डालकर सोलिंग का कार्य करवाया गया था ' लेकिन सड़क में गांव के पानी बहाव के लिए नाला का निर्माण नहीं कराया गया है जिसके बदौलत सड़क पर पानी जमा होने से सड़क की फिर से नरकीय स्थिति बन गई है सड़क की स्थित काफी दयनीय है. बता दे की आज के दौड़ में अगर यह कहें की एक गांव के लिए आने जाने को पक्की सड़क तक नहीं है तो सुनकर अजीब ही लगेगा ' वह भी तब, जब इस दौड़ में इंसान अंतरिक्ष में भी प्लॉट की रजिस्ट्री कराने को तैयार बैठा है ' लेकिन इस देश को आजाद हुए 77 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन अभी तक परमानपुर गांव वासियो को पक्की सड़क नसीब नहीं हो पाया है ' इतना ही नहीं चुनाव आते ही विधायक, सांसद, गांव के सड़क को पक्की सड़क बनवाने को लेकर कई तरह के वादे कर जाते हैं लेकिन वह वादा धरातल तक नहीं पहुंच कर सिर्फ किताब के पन्नों तक सीमत कर रह जाती है कई बार विधायक व सांसद इतना तक वादा कर जाते हैं की सड़क का सारा काम फाइनल हो गया है बहुत जल्द धरातल पर काम की शुरूआत हो जाएगी। गांव के लोग विधायक और सांसद के बातों को अपने मन में बैठाए रहते हैं की बहुत जल्द मेरे गांव में भी पक्की सड़क होगी, लेकिन कई बार चुनाव बितते गया । लेकिन परमानपुर गांव में पक्की सड़क ग्रामीणों को नसीब नहीं हुआ। वही ग्रामीण भूपेंद्र यादव (पूर्व राजद प्रखंड अध्यक्ष), समिति प्र0 सुमन कुमार, सुभाष चंद्र, उमेश यादव, दीपक प्रकाश रंजन ने बताया कि सड़क को पक्की सड़क बनवाने को लेकर विधायक प्रोफेसर चंद्रशेखर एवं सांसद दिनेश चंद्र यादव से कई बार मुलाकात किया। पक्की सड़क बनवाने को लेकर आश्वासन के रूप में भरपूर आश्वासन मिला। जल्द सड़क बनवाने का वादा किया गया। लेकिन धरातल पर सब बिफल साबित हुआ। जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है। जानकारी के लिए बता दे की परमानपुर गांव में राज्य स्तरीय पुरुष एवं महिला बॉल बैडमिंटन एवं हैंडबॉल खेल का कई बार आयोजन किया गया है बिहार के सभी जिले से पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया है इस खेल के उद्घाटन में जिला से कई वरीय अधिकारी एवं नेतागण उपस्थित हुए। भाषण के तौर पर सिर्फ भाषण के समय ही रोड बनवाने का भरोसा दिलाते गए लेकिन पक्की रोड नसीब नहीं हुआ।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पेड़ बचाने का लिया गया संकल्प

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई/गिद्धौर प्रखंड के अंतर्गत परिवार विकास चंद्रशेखर नगर मैं स्वयं सेवी संस्था में मेरी बहन बालिका विद्यालय की बच्चियों ने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया और पेड़ को बचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्था के सचिव भावानंद जी ने कहा पेड़ प्रकृति का धरोहर होता है ।इसे बचाए रखना मानो मानव जीवन की रक्षा करने के बराबर है। उन्होंने बताया कि अभी जितने भी प्रकार के प्रदूषण हो रहे हैं चाहे जल प्रदूषण हो, वायु प्रदर्शन हो,मिट्टी प्रदूषण हो इन सभी प्रश्नों से यदि कोई रक्षा कर सकता है तो वह है पेड़। पेड़ हमें प्रार्थी दोहन से बचाती है इसलिए यदि हमें अपनी जान की रक्षा करनी है तो हमें पेड़ को बचाना होगा। आने वाले समय में हम लोग जल के बिना त्राहिमाम होंगे। उस विकट परिस्थिति से निपटने के लिए हमें पूर्व से सजग रहना जरूरी है। इस अवसर पर मेरी बहन बालिका विद्यालय के बच्चियों एवं परिवार विकास के सभी सदस्य ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक-एक पेड़ लगाने एवं उसे बचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मेरी बहन बालिका विद्यालय के प्रबंधक अभिषेक आनंद ने बताया हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी परिवार विकास की ओर से पेड़ लगाने व बचाने का प्रयास किया जा रहा है। वह सराहनीय है यह काम निरंतर होते रहना चाहिए पेड़ लगाने वाले इच्छुक व्यक्ति को पौधा उपलब्ध कराने के प्रयास भी हमारी संस्था की और से की जा रही है।इस अवसर पर मेरी बहन बालिका विद्यालय परियोजना प्रबंधक के सभी कर्मी उपस्थित थे।

2024 के चुनाव में बहुमत मोदी 3.0 योजना विकसित भारत 2047 की सफलता की सीढ़ी : प्रो. गौरी शंकर

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुईः-18 वीं लोकसभा चुनाव के बाद एग्जिट पोल के रुझान के अनुसार एनडीए को 300 से 400 पार सीटें प्राप्त होते दिखाया गया था.4 जून 2024 के मतगणना समापन के बाद अधिकांस एग्जिट पोल का अनुमान सच में परिवर्तित नहीं हो सका, परंतु नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) बहुमत रुपी लक्ष्मण रेखा (272) पार कर जीत हासिल किया। जीत की घोषणा होते ही पूरे देश के साथ-साथ, विदेशों में भी जश्न मनाया जा रहा है। एनडीए की जीत पर केकेएम कॉलेज के वरिष्ठ प्राचार्य डॉ.गौरी शंकर पासवान ने कहा कि 2024 के चुनाव में एनडीए का बहुमत मोदी 3.0 योजना विकसित भारत 2047 की सफलता का सीढ़ी और सोपान है। लोकसभा चुनाव 2024 में एनडीए का लगातार तीसरी बार विजेता बनना ही बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह भारतीय जनता की इच्छा और दुनिया के अधिकतर देशों की आशा और आकांक्षाओं का प्रतीक है। प्रो.पासवान ने कहा कि एनडीए की जीत की रेसिपी एवं हैट्रिक ने पीएम श्री नरेंद्र मोदी को बहुमत की लक्ष्मण रेखा के पार पहुंचा पंडित नेहरू के बाद लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाला पहले व्यक्ति बना दिया है।वैसे भी मोदी सफलता के अनमोल रत्न हैं। मोदी का नजरिया ही उनकी सफलता के विस्तार का पैमाना है। देश दुनिया में आज भी उनका क्रेज बरकरार है। नेहरू जी के बाद मोदी लगातार यह भारतीय इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि देशवासियों को खुशी होगी कि भारत में मजबूत अर्थतंत्र,सशक्त और सुरक्षित लोकतंत्र के लिए केंद्र में एनडीए गठबंधन की स्थाई सरकार बन रही है, जिसमें बिहार की अहम भूमिका होगी। बिहार में शत प्रतिशत सफलता के लिए चिराग पासवान को बधाई और अरुण भारती को शुभकामनाए। भारी जीत के लिए नीतीश कुमार व सम्राट चौधरी को शुभकामनाएं। सबसे बड़ी पार्टी बनने के लिए उन्होने बीजेपी को बधाई दी है। देश भर में इंडिया गठबंधन द्वारा अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उन्हें भी बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं। देश को पूरी उम्मीद है कि गठबंधन की सरकार चलाने में भी एनडीए सफल होगी। गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व वाजपेई जी ने तो 24 दलों की सरकार सफलता पूर्वक पांच वर्षों तक चलाई। नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, चिराग पासवान जैसे सभी घटक दल मोदी सरकार को सकारात्मक सहयोग कर देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता व लोकतंत्र को सशक्त बनाएंगे। हमें तो यह भी विश्वास है कि नीतीश कुमार किंग मेकर की भूमिका निभाते हुए बिहार को विशेष राज की दर्जा अवश्य दिलाने की कोशिश करेंगे। क्योंकि यही मौका है, सही मौका है। इस मौके पर कई प्रबुद्ध लोगों ने जीत के लिए एनडीए के उम्मीदवार अरुण भारती के साथ साथ चिराग पासवान, नीतीश कुमार बा तथा इंडिया के विजेताओं को भी बधाई दी।

डीएओ ने चौसा कृषि कार्यालय का किया औचक निरीक्षण, किसानों के बीच किया बीज वितरण

प्रात : किरण, संवाददाता

मधेपुरा चौसा प्रखण्ड अंतर्गत विगत दिनों जिला कृषि पदाधिकारी पूनम कुमारी के द्वारा प्रखंड कृषि कार्यालय का निरिक्षण किया गया। प्रथम तल से लेकर ऊपर तल तक घूम कर साफ सफाई का निरीक्षण करते हुए प्रखंड कृषि पदाधिकारी ओम प्रकाश यादव को विशेष निर्देश देते हुए कहा कि किसानों के बैठने के लिए कुर्सी लगाकर रखें तथा उन्हें इस भीषण में गर्मी में स्वच्छ पानी पीने का भी प्रबंध करें ।आवश्यक निर्देश देते हुए कहा की सभी कर्मी ससमय कार्यालय को खोलें एवं किसानों के कार्यों का निष्पादन करेंगे ताकि कोई भी किसान अपनी समस्या लेकर कार्यालय पहुंचे तो उन्हें त्वरित निष्पादन किया जा सके। मौके पर अनुमंडल कृषि पदाधिकारी मुकेश कुमार भी साथ रहे। श्री कुमार ने कहा कि अभी बीज वितरण का समय है इसलिए समय पर किसानों के बीच बीज वितरण कराया जा सके। इसके लिए रजिस्टर संधारण करते हुए किसानों का किसान पंजीकरण अंकित कर उन्हें बिहार बिज निगम लिमिटेड साइट पर ऑनलाइन कराया जा सके।

इस मौके पर किसानों के बीच धान का बीज भी वितरण किया गया । किसान घनश्याम कुमार शर्मा, स्वीटी यादव ,मीरा देवी ,खुशबू कुमारी, राहुल कुमार शर्मा,बिभाष शर्मा दिनेश शर्मा आदि के बीच बिज वितरण किया गया। इस मौके पर प्रखंड के सभी किसान सलाहकार, सरकारी बीज वितरक मुरारीलाल पटवारिका कृषि कर्मी उपस्थित रहे।

शिकायत को सुनने के लिए शिक्षा विभाग ने किया पोर्टल का निर्माण

जमुई/गिद्धौर।जिले के सरकारी विद्यालयों में कराए जा रहे आधारभूत संरचना का निर्माण की गुणवत्ता की शिकायत आम जनता भी शिकायत या सुझाव विभाग से कर सकते हैं। जिसके लिए शिक्षा विभाग ने पोर्टल का निर्माण कराया है। बता दें कि राज्य सरकारी विद्यालयों में कराये जा रहे इंफ्रास्ट्रक्चर कार्य एवं आपूर्ति किए जा रहे बेंच-डेस्क से संबंधित शिकायत के लिए विभाग द्वारा पोर्टल विकसित किया गया है।जिसके तहत पक्के कमरों का निर्माण, फ्री -फैब कमरों का निर्माण, शौचालय का निर्माण,चहारदीवारी एवं किचन शेड का निर्माण,भवनों एवं कमरों का जीर्णोद्धार,बोरिंग,विद्यालयों का सौंदर्यीकरण शामिल है। इसके साथ ही बच्चों के बैठने के लिए बड़ी संख्या में बेंच-डेस्क का खरीदारी भी हुआ है। हालांकि गुणवत्तापूर्ण खरीदारी व भवन का निर्माण कार्य हुआ है या नहीं इसको लेकर लोग शिकायत या सुझाव दर्ज करा सकते हैं। यह पोर्टल 24 घंटे काम करेगा। जिस पर संवेदक,ठेकेदार,आम नागरिक, सरकारी कर्मी व पदाधिकारी भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौधारोपण

संत योगेश ज्ञान स्वरूप तपस्वी ने कहा हमें मिलकर ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने चाहिए ताकि वातावरण शुद्ध हो

प्रात : किरण, संवाददाता

मधेपुरा संत मुक्त स्वरूप सेवा आश्रम मुक्त नगर,ढोलबज्जा में सामाजिक शैक्षणिक कल्याण संघ द्वारा पौधारोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।मौके पर विभिन्न प्रकार के छायादार फलदार पौधे जैसे जामुन, आंवला, कटहल आदि के पौधे लगाए। मौके पर संत योगेश ज्ञान स्वरूप तपस्वी ने कहा कि वायुमंडल में कॉर्बन डाइऑक्साइड को शुद्ध करने के लिए ऑक्सीजन बहुत जरूरी है, इसलिए हमें मिलकर ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने चाहिए ताकि वातावरण शुद्ध हो सके और बीमारियां भी कम हों। पौधारोपण करना बहुत जरूरी है। जिस तरह हम हवन में आहुति डालते हैं पौधारोपण करना भी उसी के समान है। पर्यावरण को सुरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है, इसलिए हम सभी को पौधारोपण करना चाहिए।

संघ के सचिव सह साहित्यकार संजय कुमार सुमन ने कहा कि पेड़-पौधों के कारण आज मनुष्य जीवित है। यदि पेड़-पौधे नहीं होंगे तो मनुष्य का जीवन संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आज जो पौधारोपण किया है, वह हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए तोहफा होगा, क्योंकि ये पेड़ पौधे बड़े होकर सदियों तक सभी को जीवन के रूप में ऑक्सीजन देते रहेंगे। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे हर माह में एक पौधा जरूर लगाएं। उन्होंने कहा कि आज विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न स्थानों पर पचास से ज्यादा पौधारोपण करने का लक्ष्य है।

अधिवक्ता विनोद आजाद ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पौधारोपण आवश्यक है। यदि पृथ्वी से वृक्षों का अस्तित्व समाप्त हो गया तो जीवन नष्ट हो जाएगा। पेड़ पौधे हमारे जीवन के लिए काफी उपयोगी हैं। यह हमे छाया, फल, फूल के साथ प्राणवायु आक्सीजन भी प्रदान करते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम अधिकाधिक संख्या में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें। समाजसेवी जवाहर चौधरी ने कहा कि कि पेड़ पौधे जीवन के अभिन्न अंग हैं। पर्यावरण के बगैर जीवन सुरक्षित नहीं है। वैसे में लोगों को बेवजह जंगल से पेड़ पौधे नहीं काटना चाहिए। यहां तक की एक एक व्यक्ति को कम से कम पांच पांच पौधे अवश्य लगानी चाहिए। पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तभी धरती पर जीव-जंतु भी सुरक्षित रहेंगे।मौके पर संजीत कुमार,मुकेश कुमार,पिंटू कुमार,ज्योतिष कुमार समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे ।

तेज धूप एवं लू के कारण घर-घर ओआरएस का किया गया वितरण

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई/गिद्धौर। प्रचंड गर्मी और लू की समस्याओं के मद्देनजर गिद्धौर चिकित्सा पदाधिकारी अजिमा निशांत के दिशा-निर्देश पर उपस्वास्थ्य केंद्र कुमारडीह के सौजन्य से कोल्हुआ पंचायत के कुमारडीह गांव में हर घर-घर जाकर ओआरएस का वितरण किया गया। वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्वास्थ्य केंद्र हेल्थ कम्युनिटी ऑफिसर महावीर प्रसाद यादव ने कहा कि बढ़ती गर्मी और लू से शरीर को पानी की कमी से बचने के लिए ओआरएस लेना बहुत जरूरी है।उन्होंने बताया कि गर्मी में शरीर में पानी की कमी और तेज धूप में लू लगने वाले बुखार से निजात पाने के लिए छोटे बच्चों व घर के सभी सदस्यों को ओआरएस लेना चाहिए। इस दौरान कुमारडीह गांव में लगभग सभी घरों में ओआरएस का वितरण किया गया। इस दौरान उपस्वास्थ्य केंद्र कुमारडीह के सीएचओ महावीर प्रसाद यादव ,एएनएम अनसुईया कुमारी,आशा पुष्पा झा,बेबी कुमारी,मीना देवी,रीता कुमारी के अलावे कुमारडीह गांव के युवा समाजसेवी विमल मिश्रा सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

जमुई से अरुण कुमार भारती ने बड़ी जीत दर्ज की, चिराग पासवान भी रहे उपस्थित

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई 40 जमुई सुरक्षित लोकसभा क्षेत्र से एनडीए उम्मीदवार एवं लोजपा आर के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बहनोई अरुण कुमार भारती लोजपा बड़ी जीत हासिल की। इस जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह मेरी जीत नहीं जनता की जीत है। जनता ने पूर्व सांसद चिराग कुमार पासवान द्वारा क्षेत्र में किये गये विकास कार्यों तथा पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व व विकास को सराहा है।

केंद्र सरकार ने उज्वला योजना के तहत जिस तरह से गरीबों को गैस कनेक्शन दिया, उन्होंने राजद प्रत्याशी अर्चना कुमारी को 1 लाख 12 हजार 482 मतों से पराजित किया है। इस सीट पर अरुण कुमार भारती का सीधा मुकाबला इंडिया गठबंधन के राजद प्रत्याशी अर्चना कुमारी से था। शहर स्थिति केकेएम कॉलेज में सुबह आठ बजे से ही मतगणना प्रारंभ हो गयी थी। मतगणना के लिए 1100 से अधिक मतगणना कर्मियों को लगाया गया था। सबसे पहले पोस्टल बैलेट गिनती की गयी। पहले राउंड से ही अरुण कुमार भारती ने बढ़त बनानी शुरू कर दी थी और अरुण कुमार भारती को 1616 वोटों से अर्चना कुमारी से आगे हो गये। यह आंकड़ा एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में बढ़ता गया और उन्होंने 1 लाख 12 हजार 482 मतों से जीत हासिल की।कुल 27 राउंड की गिनती के बाद अरुण कुमार भारती को 5 लाख 9 हजार 46 मत मिले जबकि अर्चना कुमारी को 3 लाख 96 हजार 564 मत प्राप्त हुए, तीसरा स्थान पाने वाले नोटा के पक्ष में 26182 वोट पड़े. जबकि चौथे स्थान पर निर्दलीय उम्मीदवार सुभाष पासवान को 13825, बसपा के उपेंद्र रविदास को 12366, जगदीश प्रसाद को 6542 श्रवण कुमार को 8625 तथा संतोष कुमार दास को 6035 मत प्राप्त हुए। जमुई लोकसभा सुरक्षित क्षेत्र से कुल सात प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। एनडीए प्रत्याशी अरुण कुमार भारती की बढ़त जमुई लोकसभा के सभी छह विधानसभा क्षेत्र जमुई, चकाई, झाझा, सिकंदरा, शेखपुरा तथा तारापुर में प्रत्येक राउंड में देखने को मिली।

14 टेबल पर हुई गिनती:

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच डीएम राकेश कुमार और एसपी डॉ शौर्य सुमन सहित पदाधिकारियों व प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के निवार्चीं पदाधिकारियों की मौजूदगी में इवीएम के वोटों की गिनती प्रारंभ हुई. गिनती के लिए 14 टेबल बनाये गये थे. स्ट्रांग रूम से इवीएम लाकर प्रत्येक राउंड के बाद गिनती का रिकार्ड जारी किया जा रहा था. इस लोकसभा क्षेत्र अन्तर्गत छह विधानसभा हैं. इसमें जमुई जिले के चार जमुई, चकाई, सिकंदरा और झाझा तथा मुंगेर जिला के तारापुर एवं शेखपुरा जिला के शेखपुरा विधानसभा भी आते हैं।

मंच द्वारा एक वर्ष, एक पौधा एक जीवन कार्यक्रम की शुभारंभ

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कहीं पौधारोपण की धूम रही तो कही पौधे लगा के सेल्फी लेकर प्रतियोगिता में भाग लेने की स्पर्धा दिखाई दी गई। साईकिल यात्रा एक विचार, जमुई द्वारा पर्यावरण जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम के तहत आज लोगों को अधिक से अधिक पौधा रोपण करने की अपील की गई। मंच द्वारा इस मौके पर एक वर्ष एक पौधा एक जीवन कार्यक्रम का भी शुरूवात की गई। इस अवसर पर मंच के सदस्यो द्वारा सिकंदरा रोड में एक निजी विधालय परिसर एवं अन्य ग्रामीण के निजी जमीन पर पौधा रोपण किया गया। मंच के संस्थापक सदस्य विवेक कुमार ने बताया की लोगो को पर्यावरण के प्रति सजग होना आज के दौर में बहुत ही आवश्यक है यदि हम एक मात्र पौधे की संरक्षण की जिम्मेदारी हर वर्ष लें तो बढ़ते पर्यावरणीय आपदा से छुटकारा पा सकते है। इसी को लेकर आज से मंच द्वारा अभियान शुरू की है जिसका नाम एक वर्ष एक पौधा एक जीवन रखा गया है। जिससे लोगो में कम से कम एक पौधे का संरक्षण की जिम्मेदारी होगी जो की आसानी से लोगो द्वारा किया जा सकता है। यह पर्यावरण संरक्षण अभियान के लिए लाभदायक होगा। सदस्य गोलू कुमार ने बताया की मंच द्वारा आयोजित पर्यावरण जागरूकता सप्ताह के क्रम में आज सेल्फी विथ ट्री का आयोजन किया जा रहा है जिससे लोगो में पौधारोपण करने में उत्साह देखा गया लोगो द्वारा पौधा रोपण कर सेल्फी ली गई और उसे मंच के साइट में दर्ज कर प्रतियोगिता में भाग लेते दिखे समाचार लिखे जाने तक कुल 10 लोगों ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

मुरलीगंज में दिनदहाड़े गल्ला व्यवसाई से 44 हजार की हुई लूट

प्रात : किरण, संवाददाता

मधेपुरा में बेखौफ बाइक पर सवार अपराधियों ने दिन दहाड़े गल्ला व्यवसाई से की 44 हजार की लूट, हथियार के बट से मारकर किया घायल, मुरलीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है पीड़ित व्यवसाई का इलाज। मामला मुरलीगंज बिहारीगंज एसएच 91 मुख्य मार्ग पर रतनपट्टी मोड़ के समीप का है जहां हथियार लेस तीन बदमाशो ने दिनदहाड़े गल्ला व्यवसायी प्रमोद दस से 44 हजार रुपए लूट लिये। रुपए लूटने के दौरान बदमाशो ने पहले गोली चलाई। गोली चलने की डर से व्यवसायी भागने लगा वहीं गोली से बचने के बाद बदमाशो ने व्यवासीयो को खदेड़ कर पकड़ते हुए हथियार के बट से सर पर वार कर दिया और रुपए से भरा बैग लेकर फायरिंग करते हुए फरार हो गया। घटना मे घायल प्रमोद दास को स्थानीय लोगो ने सीएचसी पहुंचाया। जहां पीड़ित व्यवसाई का इलाज चल रहा है । वहीं आक्रोशित नाराज ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के विरुद्ध मुरलीगंज/बिहारीगंज एसएच 91 मुख्य मार्ग को जमकर कर जमकर प्रदर्शन की । इस मौके पर ग्रामीणों ने स्थानीय महिला थानेदार पर कई गंभीर आरोप लगाया कहा कि पुलिस के मिली भगत से लगातार लूट और छिनतई की घटना में इजाफा हो रहा है पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। वहीं एएसपी प्रवेंद्र भारती ने कहा कि इस मामले को लेकर पुलिस मामले की तफ्ती66श कर रही है बहुत जल्द मामले का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सम्पादकीय

अप्रत्याशित जनादेश

आम चुनाव का जनादेश बेहद अप्रत्याशित रहा। बेशक भाजपा-एनडीए के पक्ष में स्पष्ट बहुमत लगता है, लेकिन भाजपा अपने बूते बहुमत के जादुई आंकड़े को छूती नहीं लगती। भाजपा अभी तक 243 सीटों पर विजयी रही है, जबकि मतगणना जारी थी। बहुमत के लिए कमोबेश 272 का आंकड़ा अपेक्षित है। दूसरी ओर कांग्रेस 97 सीटें जीती थी। यह आंकड़ा 2019 की 52 सीटों से लगभग दोगुना है। यह आलेख लिखने तक इंडिया गठबंधन ने 228 सीटें जीत कर देश को चौंका दिया है। भाजपा को सबसे बड़ा झटका उप्र में लगा, जहां वह 70 से अधिक सीटें जीतने की रणनीति पर काम कर रही थी, लेकिन अब आंकड़ा 35 के करीब थमता लगता है। सपा और कांग्रेस 40 सीटों से भी आगे थीं। उप्र ने भाजपा की स्पष्ट जीत के तमाम समीकरण उलट दिए हैं। पार्टी नेतृत्व समझ ही नहीं पा रहा है कि आखिर उप्र में ऐसा झटका क्यों लगा? उप्र के अलावा पश्चिम बंगाल में दीदी का करिश्मा एक बार फिर चला और भाजपा सबसे शानदार जीत हासिल करने में नाकाम रही है। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस कुल 42 सीटों में से 32 सीट पर निर्णायक तौर पर आगे थी। राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब आदि राज्यों में भी, भाजपा के लिए, खूब उलटफेर हुए। तमिलनाडु और पंजाब में तो भाजपा शून्य रही है। दक्षिण भारत की पहली उम्मीद केरल साबित होता लगता है, जहां भाजपा 2 सीटों पर आगे थी। अब की बार आंध्रप्रदेश, केरल में भाजपा का खाता खुलता लग रहा है। हालांकि तेलंगाना में भाजपा बेहतर प्रदर्शन करती लग रही है, लेकिन कर्नाटक का प्रदर्शन वैसा नहीं रहा, जिसकी अपेक्षा थी। आंध्रप्रदेश में तेलुगूदेशम पार्टी-भाजपा गठबंधन को विधानसभा में प्रचंड बहुमत मिला है, लिहाजा नए मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू होंगे। बेशक गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड आदि राज्यों में भाजपा ने लगभग क्लीन स्वीप किया है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा पहली बार बहुमत हासिल करने में नाकाम रही है। अब भाजपा आत्ममंथन करेगी कि अयोध्या वाली संसदीय सीट पर उसका प्रत्याशी क्यों पराजित हो गया? क्या राम मंदिर से अधिक प्रभाव अन्य जातियों और मुद्दों का रहा? बहरहाल अकेली भाजपा न तो 370 का लक्ष्य हासिल कर पाई और 400 पार तो बहुत दूर की कौड़ी है। हम अपने आलेखों में जिक्र करते रहे हैं कि संविधान बदलने और लोकतंत्र खत्म होने सरीखे मुद्दों ने उप्र, राजस्थान, हरियाणा जैसे राज्यों के ग्रामीण अंचलों में लोगों को सोचने पर विवश किया था, लिहाजा वोट भाजपा के पक्ष में नहीं डाले जाएंगे। ऐसा ही कुछ हुआ है कि भाजपा पराजित हुई है। इनसे आरक्षण का मुद्दा भी शंकित हुआ। उसके मद्देनजर भी वोट बदले गए। बेशक नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लें, क्योंकि भाजपा-एनडीए के पक्ष में फिलहाल 298 सीटों का समर्थन है। इनमें करीब 240 सीटें भाजपा की हैं और 227 सीटें कांग्रेस नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन के पक्ष में हैं। गौरतलब यह है कि टीडीपी की 16 और जद-यू की 14 सीटें एनडीए और मोदी सरकार के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने चंद्रबाबू नायडू से फोन पर बात की है। शरद पवार भी नायडू और नीतीश के संपर्क में बताए जाते हैं। क्या तोडफोड़ का खेल शुरू हो गया है? क्या यह अनिश्चितता केंद्र सरकार की स्थिरता पर सवाल साबित हो सकती है? 2024 के जनादेश ने साबित किया है कि कांग्रेस इस देश से कभी भी खत्म नहीं की जा सकती।

अभी समाप्त नहीं हुआ है अंधा-युग

राकेश अचल

अगर आप भाजपा की करारी हार से मुतमईन हैं और अच्छे दिन आने का ख्वाब देख रहे हैं तो सावधान हो जाइये ! अभी भाजपा तनखीन [कमजोर] हुई है,मोदी जी को काशी ने अविनाशी मानने से इनकार जरूर किया है लेकिन अभी भी देश से अँधा युग समाप्त नहीं हुआ है। भाजपा अभी भी आम चुनाव के बाद सबसे बड़ी पार्टी है इसलिए उसे एक बार फिर देश की सत्ता सम्हलने का मौका मिलने वाला है। ऐसे में ये मान लेना कि- खतरा टल गया है,समझदारी नहीं है।

यकीनन देश की जनता ने अठारहवीं लोकसभा के लिए जनादेश कुछ इस तरह का दिया है कि न तो सत्ता बेलगाम हो सकती है और न विपक्ष निशक्त। अब नयी संसद और नई सरकार ध्वनिमत से नहीं चलेगी। मेजें थपथपाने से नहीं चलेगी। जय श्रीराम के नारों से नहीं चलेगी। मोदी ! मोदी !! के घोष से नहीं चलेगी। नयी सरकार सीना तानकर नहीं, सिर झुककर चलेगी और उन क्षेत्रीय दलों के सामने सिर झुकाकर चलेगी जिन्हें भाजपा अब तक पैर की जूती समझती आयी थी। जनता का और जनार्दन का लाख-लाख शुक्र है कि उसने भाजपा और उसके नेतृत्व वाले गठबंधन को आँखें बंद कर समर्थन नहीं दिया। अर्थात देश में अब अंधभक्तों की संख्या में भी गिरावट आयी है। जनता की आंखोंसे रतौंधी कम हुई है। काशी के चुनावी नतीजे इसका प्रमाण है।

देश में जहाँ जनता ने इंदौर से भाजपा के शंकर लालवानी को अखंड 11 लाख से ज्यादा मतों से विजयी बनाया। भाजपा के हनुमान अमित शाह को सात लाख से ज्यादा मत दिए, वहीं अविनाशी और गंगा पुत्र माननीय मोदी जी को डेढ़ लाख में निबटा दिया। जाहिर है कि न गंगा ने और न काशी वासियों ने मोदी को स्वीकार किया और न देश ने। फिर भी मोदी जी को बधाई। उनके अखंड आत्मविश्वास को नमन। उनकी निर्लज्जता का अभिनंदन, जो उन्होंने अपनी हार को विनम्रता से स्वीकार करने के बजाय अपने पुराने दम्भ के साथ ही ग्रहण किया है। बेहतर होता कि भाजपा और संघ मोदी जी के विकल्प की तलाश इसी समय कर लेता। क्योंकि अब ये साबित हो गया है कि मोदी जी जब सबको साथ लेकर सबका विकास नहीं कर पाए तो वे चंद्रबाबू नायडू और नीतीश बाबू के भरोसे देश की एक मजबूत सरकार भी नहीं दे सकते। ये दोनों कब और किस मोड़ पर मोदी जी को अकेला छोड़ दें,ये न मोदी जी जानते हैं और न भागवत जी।

मोदी जी को किसी दूसरे राज्य की आवाज सुनाई दे या न दे लेकिन उन्हें देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की आवाज को कान लगाकर/ध्यान लगाकर सुनना चाहिए। लोकसभा की 80 सीटों वाले उत्तर प्रदेश ने इस बार भाजपा यानि मोदी के नतृत्व वाले गठबंधन को केवल 36 सीटें दीं है। दो युवाओं की जोड़ी को 43 सीटें देकर ये जताने की कोशिश की है कि भविष्य के नेता राहुल गांधी और अखिलेश यादव हैं न कि मोशा। मोदी का जादू भले उत्तर प्रदेश पर नहीं चला लेकिन गुजरात समेत अनेक राज्यों पर चला। यहां तक कि आप की दिल्ली भी भाजपा ने फतह कर ली। ओडिशा में भगवान जगन्नाथ को ठेंगा दिखा दिया और बीजद के अखंड साम्राज्य को ध्वस्त कर दिया। मोदी जी शायद उत्तर प्रदेश को लेकर गफलत में रहे,इसीलिए गच्चा खा गए।

बहरहाल मोदी युग यानि राजनीति का अँधा युग अभी समाप्त नहीं हुआ है। जनता ने उसे क्षीण किया है। मोदी को अभी न भाजपा खारिज कर पायी है और न आरएसएस। मोदी अभी भी भाजपा के स्वयंभू नेता हैं। भाजपा का संसदीय दल उन्हें चुने या न चुने,वे चुने चुनाये नेता हैं। वे ही नयी सरकार के गठन के लिए आगे आएंगे। अभी विपक्ष ये गलती नहीं करेगा। विपक्ष मोदी जी को उनकी ही चालों से मात देने के लिए वक्त का इन्तजार करेगा और यही उसके हित में भी है। मोदी युग का समापन सम्भवत : चंद्र बाबू नायडू और नीतीश बाबू के हाथों से होगा ये दोनों बूढ़े लेकिन तजुबेर्कार नेता है। मोदी जी से भी ज्यादा तजुर्बा है इन दोनों के पास। राजनीति के इन दोनों ऊंटों की करवट के बारे में कोई भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। कम से कम मै तो इन दोनों के बारे में कोई भविष्यवाणी नहीं कर सकता। गालिब का एक शेर बार-बार याद आता है। वे कहते हैं -था बहुत शोर की गालिब के उड़ेंगे पुर्जे

देखने हम भी गए, पै ये तमाशा न हुआ दरअसल असली तमाशा अब शुरू होगा। भाजपा को अपने जिस्म से खून की एक बूँद टपकाये बिना अपने सहयोगियों को उनके हिस्से की सत्ता का एक-एक पौंड गोश्त काटकर देना होगा। भाजपा को नायडू और नीतीश का समर्थन इसी बिना पर मिलेगा। भाजपा अब 2019 की भाजपा नहीं है। नरेंद्र मोदी भी अब 2019 के मोदी नहीं हैं। अब उन्हें अपने आगे-पीछे,दाएं-बाएं चलने वाले कैमरों की आधी भीड़ नायडू और नीतीश बाबू को भी देना होगी। उन्होंने इसमें ना-नुकुर की तो फिर मुमकिन है कि मोदी जी का अंधायुग सचमुच समाप्त हो जाये। इस चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू ये है कि संदिग्ध ईवीएम जनता की ईमानदारी के सामने बेईमानी करने से डर गयीं। हालाँकि उन्हें जहाँ मौका मिला उन्होंने चौका मारा भी। बहरहाल मोदी जी को उनकी नयी सरकार को बहुत-बहुत बधाई,शुभकामनाएं। उम्मीद की जाना चाहिए कि माननीय मोदी जी अब समझ जायेंगे की जम्मू-कश्मीर के तीन टुकड़े करने,अयोध्या में राम मंदिर बनाने या तीन तलाक कानून बनाने से बैतरणी पार नहीं की जा सकती। वैतरणी पार करने के लिए अहंकार से मुक्ति आवश्यक है। अहनकार एक तरह का रोग है। इसका इलाज केवल जनता ही कर सकती है,और उसने इलाज करने की कोशिश कीभी है। इसलिए मोदी जी कि साथ देश की जनता को भी बधाई और शुभकामनाएं।

मोदी ब्रांड की छवि पर जो आघात हुआ है, उससे देश ही नहीं दुनिया भी हैरान है

भारत की राष्ट्रीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पहला दशक काफी बड़े और कड़े फैसलों वाला रहा और उनके निर्णयों और नेतृत्व की धमक देश में ही नहीं पूरी दुनिया में रही जिसके चलते वह समूचे विश्व में सबसे लोकप्रिय राजनेता के रूप में उभरे। लेकिन साल 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम उनके लिए आश्चर्य लेकर आये जब उनकी पार्टी भाजपा ने लोकसभा में अपना बहुमत खो दिया और सरकार बनाने के लिए दूसरे दलों पर निर्भर हो गयी। इन चुनाव परिणामों ने मोदी की अजेय रहने वाले नेता की छवि पर बहुत बड़ा असर डाला है जिसकी गूंज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुनाई दे रही है। देखा जाये तो भारत में तो विपक्ष मोदी को राजनीतिक रूप से नुकसान पहुँचाना चाहता ही था साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कई ऐसी शक्तियां थीं जोकि मोदी की ग्लोबल लीडर के रूप में पुख्ता होती छवि को नुकसान पहुँचाना चाहती थीं। कह सकते हैं कि भारत में विपक्ष को और विदेशों में भारत विरोधी शक्तियों को कहीं ना कहीं अपने मिशन में थोड़ी-बहुत कामयाबी मिल गयी है। लेकिन यह भी सत्य और एक तथ्य है कि मोदी की कार्यशैली मक्खन पर नहीं अपितु पत्थर पर लकीर खींचने की है इसलिए वह तीसरे कार्यकाल में अपने कामकाज से विरोधियों को तगड़ा जवाब अवश्य ही देंगे। चुनाव परिणाम यह भी दशार्ते हैं कि अबकी बार 400 पार के नारे की ही नहीं बल्कि मोदी है तो मुमकिन है और जो राम को लाये हैं हम उनको लाएंगे जैसे नारों की भी हवा पूरी तरह निकल गयी है। चुनाव प्रचार की बात हो या भाजपा के संकल्प पत्र में किये गये वादों की, सब कुछ ह्यमोदी की गारंटी के ही इर्दगिर्द केंद्रित था इसलिए कहा जा सकता है कि मोदी ब्रांड की छवि पर सीधा असर पड़ा है।

नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भाजपा की सीट घटने से सिर्फ पार्टी के ही नेता हैरान और परेशान नहीं हैं बल्कि कई विदेशी नेता भी इस बात से हैरान हैं कि दिन-रात अपने देश के लिए काम करते रहने वाले प्रधानमंत्री को चुनावों में जनता ने क्यों सजा दे दी है।

भारत की राष्ट्रीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पहला दशक काफी बड़े और कड़े फैसलों वाला रहा और उनके निर्णयों और नेतृत्व की धमक देश में ही नहीं पूरी दुनिया में रही जिसके चलते वह समूचे विश्व में सबसे लोकप्रिय राजनेता के रूप में उभरे। लेकिन साल 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम उनके लिए आश्चर्य लेकर आये जब उनकी पार्टी भाजपा ने लोकसभा में अपना बहुमत खो दिया और सरकार बनाने के लिए दूसरे दलों पर निर्भर हो गयी। इन चुनाव परिणामों ने मोदी की अजेय रहने वाले नेता की छवि पर बहुत बड़ा असर डाला है जिसकी गूंज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुनाई दे रही है। देखा जाये तो भारत में तो विपक्ष मोदी को राजनीतिक रूप से नुकसान पहुँचाना चाहता ही था साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कई ऐसी शक्तियां थीं जोकि मोदी की ग्लोबल लीडर के रूप में पुख्ता होती छवि को नुकसान पहुँचाना चाहती थीं। कह सकते हैं कि भारत में विपक्ष को और विदेशों में भारत विरोधी शक्तियों को कहीं ना कहीं अपने मिशन में थोड़ी-बहुत कामयाबी मिल गयी है। लेकिन यह भी सत्य और एक तथ्य है कि मोदी की कार्यशैली मक्खन पर नहीं अपितु पत्थर पर लकीर खींचने की है इसलिए वह तीसरे कार्यकाल में अपने कामकाज से विरोधियों को तगड़ा जवाब अवश्य ही देंगे।

चुनाव परिणाम यह भी दशार्ते हैं कि अबकी बार 400 पार के नारे की ही नहीं बल्कि मोदी है तो मुमकिन है और जो राम को लाये हैं हम उनको लाएंगे जैसे नारों की भी हवा पूरी तरह निकल गयी है। चुनाव प्रचार की बात हो या भाजपा के संकल्प पत्र में किये गये वादों की, सब कुछ मोदी की गारंटी के ही इर्दगिर्द केंद्रित था इसलिए कहा जा सकता है कि मोदी ब्रांड की छवि पर सीधा असर पड़ा है। इसलिए अब समय आ गया है जब भाजपा को सिर्फ मोदी नाम के सहारे रहने की बजाय और भी पहलुओं पर काम करना पड़ेगा। जबसे मोदी केंद्र की राजनीति में आये हैं तबसे यही देखने को मिलता है कि पंचायत से लेकर संसद तक के चुनाव पर भाजपा सिर्फ मोदी नाम के सहारे ही रहती है। भाजपा ने चुनाव में मोदी की गारंटी के अलावा विकास भी और विरासत भी का नारा दिया था और करोड़ों लोगों के गरीबी रेखा से बाहर निकलने तथा भारत के सांस्कृतिक गौरव की बहाली की दिशा में उठाये गये कदमों का हवाला दिया था फिर भी वह स्पष्ट बहुमत से बहुत दूर रह गयी।

दूसरी ओर, भाजपा की सीट घटने से सिर्फ पार्टी के ही नेता हैरान और परेशान नहीं हैं बल्कि कई विदेशी नेता भी इस बात से हैरान हैं कि दिन-रात अपने देश के लिए काम करते रहने वाले प्रधानमंत्री को चुनावों में जनता ने क्यों सजा दे दी है। आप दुनिया भर की समाचार वेबसाइटों को देखेंगे तो सभी ने मोदी की सीटें घटने पर हैरानी जताई है। इन चुनाव परिणामों ने मोदी के विदेशों में रुतबे को निश्चित रूप से प्रभावित किया है। दरअसल, जिस तरह का माहौल बनाया गया था उसमें ना तो देश में और ना ही दुनिया में किसी को इस तरह के चुनाव परिणामों की अपेक्षा थी। यही कारण है कि भाजपा तो अपने चुनावी प्रदर्शन पर मंथन कर ही रही है दुनिया के भी कई बड़े नेता भारत के चुनाव परिणामों को लेकर चर्चा कर रहे हैं और इसके कारणों की समीक्षा कर रहे हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि साल 2024 में दुनिया के अधिकांश देशों में चुनाव होने हैं। कई छोटे-बड़े देशों में जून महीने की शुरूआत तक चुनाव हो चुके हैं और अमेरिका सहित कई अन्य देशों में चुनाव इस साल के अंत से पहले होने हैं। एक खास बात यह है कि अब तक जितने देशों में चुनाव हुए हैं उनमें से ज्यादातर में सरकारें वापस सत्ता में नहीं लौटी हैं लेकिन मोदी दस साल राज करने के बाद भी तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में लौट आये हैं। भले उनकी सीटों की संख्या कम हो गयी है लेकिन काम करने के लिए उनके पास स्पष्ट जनादेश है। मोदी ने जब 2014 में भारत सरकार की कमान संभाली थी तबसे दुनिया के तमाम देशों के राष्ट्राध्यक्ष बदल चुके हैं लेकिन मोदी सत्ता में कायम हैं जिसका सीधा मतलब यही है कि जनता को उनके नेतृत्व और उनकी नीतियों में विश्वास है। यह विश्वास ही तो है कि विपक्ष के घोषणापत्र में की गयी फ्री की तमाम सौगातों की बजाय जनता ने मोदी के वादों को तवज्जो दी है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल की आखिरी कैबिनेट बैठक की बात करें तो उसमें उन्होंने साफ कहा है कि हार-जीत राजनीति का हिस्सा है और नंबरगेम चलता रहता है। उन्होंने कहा है कि लेकिन इस सबका असर देश के विकास पर नहीं पड़ना चाहिए। वैसे देखा जाये तो लोकतंत्र में नंबरगेम ही मायने रखता है लेकिन मोदी के लिए इसका खास महत्व नहीं है। इस बात को हम गुजरात के उदाहरण से भी समझ सकते हैं। मोदी के मुख्यमंत्री रहते हुए भाजपा ने 2002 में 127 सीटों पर जीत हासिल की थी उसके बाद पार्टी अगले चुनाव में 117 सीटों पर और उसके बाद 116 सीटों पर पहुँच गयी थी। यही नहीं, मोदी के दिल्ली आने के बाद गुजरात में जो पहला विधानसभा चुनाव हुआ था उसमें भाजपा 99 सीटों पर आ गयी थी लेकिन 2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने गुजरात में अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिये थे। नंबरगेम ऊपर नीचे होता रहा लेकिन मोदी ने गुजरात के विकास को जरा भी प्रभावित नहीं होने दिया।

बहरहाल, देखा जाये तो लोकसभा चुनाव परिणाम से पहले तक माना जाता था कि देश में मोदी के बराबर का कोई नेता नहीं है लेकिन विपक्ष के तमाम नेताओं को जनता ने जो ताकत दी है उससे मोदी के आसपास अब कई नेता खड़े हो गये हैं। नई संसद में जो दलीय स्थिति बनी है और स्पष्ट बहुमत की बजाय गठबंधन सरकार की जो नौबत आई है उसको देखते हुए मोदी की चुनौतियां तो बढ़ गयी हैं लेकिन मोदी चुनौतियों को चुनौती देकर मंजिल पर समय से पहले पहुँचने वाले नेता हैं यह बात सबको याद रखनी चाहिए।

पर्यावरण के बड़े खतरों से निपटने के लिये कोशिशें भी बड़ी हों

विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को मनाया जाता है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिए यह खास दिवस मनाया जाता है और देश एवं दुनिया में पर्यावरण संरक्षण की याद दिलाई जाती है। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इस वर्ष बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। वर्तमान समय में पर्यावरण के समक्ष तरह-तरह की चुनौतियां गंभीर चिन्ता का विषय बनी हुई हैं। ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इस बार पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है, जबकि अनेक देश युद्ध की विभीषिका के कहर से जूझ रही है और दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, बढ़ता तापमान, असंतुलित पर्यावरण जैसी चिंताओं से रू-ब-रू है। पर्यावरण को समर्पित यह खास दिन हमें प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने एवं उसके प्रति संवेदनशील होने के लिए प्रेरित करता है। विश्व पर्यावरण दिवस 1974 से ही मनाया जाता है, जब संयुक्त राष्ट्र ने पहली बार इसकी घोषणा की थी।

ललित गर्ग
लेखक शिक्षाविद है

तापमान का 50 डिग्री पार करना जटिल एवं गंभीर पर्यावरणीय घटना है। फ्रिज, एसी, कूलर और कारों की बिक्री बढ़ने से बिजली की खपत बढेगी। यह स्थिति कोयले, पेट्रोल, डीजल के इस्तेमाल को बढ़ायेगी। ऐसे में लगातार ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रही धरती और गर्म हो जाएगी। विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को मनाया जाता है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिए यह खास दिवस मनाया जाता है और देश एवं दुनिया में पर्यावरण संरक्षण की याद दिलाई जाती है। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इस वर्ष बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। वर्तमान समय में पर्यावरण के समक्ष तरह-तरह की चुनौतियां गंभीर चिन्ता का विषय बनी हुई हैं।

ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इस बार पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है, जबकि अनेक देश युद्ध की विभीषिका के कहर से जूझ रही है और दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, बढ़ता तापमान, असंतुलित पर्यावरण जैसी चिंताओं से रू-ब-रू है। पर्यावरण को समर्पित यह खास दिन हमें प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने एवं उसके प्रति संवेदनशील होने के लिए प्रेरित करता है। विश्व पर्यावरण दिवस 1974 से ही मनाया जाता है, जब संयुक्त राष्ट्र ने पहली बार इसकी घोषणा की थी। सऊदी अरब 2024 में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह की मेजबानी करेगा, जिसका थीम होगी ह्यहमारी भूमि, हमारा भविष्य। यह थीम भूमि और इकोसिस्टम को बहाल करने, जैव विविधता की रक्षा करने और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक सामूहिक प्रयास पर जोर देती है। इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस का विषय है भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता। मानवता भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। इस वर्ष का विषय का फोकस हमारी भूमि नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित है। ग्लोबल वार्मिंग का खतरनाक प्रभाव अब साफतौर पर दिखने लगा है। देखा जा सकता है कि गर्मियां आग उगलने लगी हैं और सर्दियों में गर्मी का अहसास होने लगा है। असंतुलित पर्यावरण विनाश का कारण बन रहा है। आजकल जब उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्से रेकार्ड गर्मी से तप रहे हैं तब पश्चिम बंगाल और केरल में भयानक बारिश हो रही है। इस तरह एक साथ इतनी तेज बारिश से नुकसान होता है। बढ़ते शहरीकरण विकास योजनाओं और जिंदगी से जुड़े हर क्षेत्र में पानी की जरूरतें बढ़ रही है। दूसरी तरफ पानी के कुदरती स्रोत कम होते जा रहे हैं। हमें पानी के इस्तेमाल के तौर-तरीकों में तुरंत बदलाव करते हुए संयम बरतने की जरूरत है। खेती में पानी के इस्तेमाल, पानी को इकट्ठा करने और उन्हें भूगर्भीय स्रोतों तक पहुंचाने के तौर-तरीकों और पानी के आम इस्तेमाल को बदलना होगा। नई सरकार को इस पर ज्यादा ध्यान देना होगा क्योंकि पानी की उपलब्धता के सारे समीकरण बदल गए हैं।

तापमान का 50 डिग्री पार करना जटिल एवं गंभीर पर्यावरणीय घटना है। फ्रिज, एसी, कूलर और कारों की बिक्री बढ़ने से बिजली की खपत बढेगी। यह स्थिति कोयले, पेट्रोल, डीजल के इस्तेमाल को बढ़ायेगी। ऐसे में लगातार ग्लोबल वार्मिंग से जूझ रही धरती और गर्म हो जाएगी। देश-दुनिया में गर्मी के नए रेकार्ड बनेंगे। इन दिनों कई शहरों का तापमान रेकार्ड तोड़ चुका है। इससे दिहाड़ी मजदूर, किसान और मेहनतकश लोगों को जूझना पड़ रहा है। वहीं ज्यादा बारिश वाले क्षेत्रों में पानी की कमी हो रही है तो सूखी जगहों पर बेतहाशा बारिश। इन घटनाओं की वजह को समझना होगा, उसे गंभीरता से लेना होगा। नई बनने वाली सरकार को पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान देना होगा। जलवायु परिवर्तन के अलावा कई समस्याएं मानव निर्मित भी है। माना कि बादल फटने, जंगलों में आग जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन अपेक्षाकृत नए माने जाने वाले हिमालय एवं पहाड़ी क्षेत्रों में नए बांध और सड़क बनाए जाने से होने वाले नुकसान ज्यादा सामने आ रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन ऐसा मसला है जिसमें पर्यावरण से होने वाला खतरा किसी देश की सीमा या उसकी हैसियत नहीं देखता। सबको बराबर नुकसान होता है। इसलिए विश्व के सभी देशों एवं विशेषतः विकसित एवं शक्तिसम्पन्न देशों को उदार एवं दूरगामी नजरिया अपनाना होगा। अपने-अपने स्वार्थों को नजरअंदाज करते हुए विश्व मानवता को केन्द्र में रखना जरूरी है। कई बिंदुओं पर दुनिया पीछे जा रही हैं। दुनियाभर में जो युद्ध चल रहे हैं, उनकी वजह से भी सारे समीकरण बदल गये हैं। पहले कोविड ने नुकसान पहुंचाया, उसके बाद रूस-युक्रेन युद्ध और इस्राइल-गाजा का मामला चल रहा है। युद्धों का पर्यावरण पर सबसे घातक असर पड़ता है और यही जलवायु परिवर्तन का बड़ा कारण भी बनते हैं। पर्यावरण का अर्थ संपूर्ण प्राकृतिक परिवेश से है जिसमें हम रहते हैं। इसमें हमारे चारों ओर के सभी जीवित और निर्जीव तत्व शामिल होते हैं, जैसे कि हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे, जानवर और अन्य जीव-जंतु। पर्यावरण के घटक परस्पर एक-दूसरे के साथ जुड़कर एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं। हालांकि प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और मानव जीवनशैली के लिए इनके गलत उपयोग से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। दूषित पर्यावरण उन घटकों को प्रभावित करता है, जो जीवन जीने के लिए आवश्यक हैं। ऐसे में पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने, प्रकृति और पर्यावरण का महत्व समझाने की आज बड़ी आवश्यकता है, इस दृष्टि से विश्व पर्यावरण दिवस मनाना केवल आयोजनात्मक न होकर प्रयोजनात्मक बने, यह अपेक्षित है। बदलते मौसम का ग्लेशियर पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। सदियों से ग्लेशियर पिघलकर नदियों के रूप में लोगों को जीवन देते रहे हैं। लेकिन पिछले दो-तीन दशकों में पर्यावरण के बढ़ रहे दुष्परिणामों के कारण इनके पिघलने की गति में जो तेजी आई है, वह चिंताजनक है। ऐसे में मुंबई समेत दुनिया के कई हिस्सों एवं महानगरों-नगरों के डूबने की आशंका तेजी से बढ़ चुकी है। इसका खुलासा अमरीकन नेशनल अकादमी ऑफ साइंस ने किया है। औद्योगिक गैसों के लगातार बढ़ते उत्सर्जन और वन आवरण में तेजी से हो रही कमी के कारण ओजोन गैस की परत का क्षरण हो रहा है। इस अस्वाभाविक बदलाव का प्रभाव वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तनों के रूप में दिखलाई पड़ता है। सार्वभौमिक तापमान में लगातार होती इस वृद्धि के कारण विश्व के ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं। ग्लेशियर के तेजी से पिघलने के कारण महासागर में जलस्तर में ऐसी ही बढ़ोतरी होती रही तो महासागरों का बढ़ता हुआ क्षेत्रफल और जलस्तर एक दिन तटवर्ती स्थल, भागों और द्वीपों को जलमग्न कर देगा।

चौंकाने वाले रहे लोकसभा के चुनाव परिणाम

प्रमोद भार्गव

18वीं लोकसभा चुनाव के आए परिणामों ने तय कर दिया है कि ये परिणाम चौंकाने वाले हैं। 64 करोड़ 2 लाख मतदाताओं ने इस चुनाव में अपने मत का उपयोग कर अपने प्रतिनिधि को चुन लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लगाया गया 400 पार का नारा साकार नहीं हुआ लेकिन राजग गठबंधन को जो 295 के करीब सीटें मिल रही हैं, वे नरेंद्र मोदी के प्रचार अभियान और लोक-कल्याणकारी योजनाओं को जमीन पर उतारने के चलते ही मिली हैं। यही नहीं भारतीय जनता पार्टी अपने सहयोगी दलों के साथ ओडिषा, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल और सिक्किम में विधानसभा चुनाव जीतकर सरकार बनाने जा रही है। धारा-370 और 35-ए के खात्मे के बाद जम्मू-कश्मीर में पहली बार लोकसभा के चुनाव हुए हैं। इस चुनाव में कश्मीर में आजादी के बाद से ही सत्तारूढ़ रहे परिवारवादी दल पीडीपी और नेशनल कांफ्रेंस के प्रमुख महबूबा मुफ्ती अनंतनाग से और फारूख अब्दुल्ला के बेटे उमर अब्दुल्ला बारामुला से चुनाव हार गए हैं। उमर अब्दुल्ला को हराने वाले इंजीनियर राशिद शेख ने जेल में रहकर चुनाव लड़ा और जीत भी गए। फिलहाल वे टेरर फंडिग मामले में तिहाड़ जेल में बंद है।

जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की बहाली और महबूबा एवं उमर की हार ने तय कर दिया है कि नरेंद्र मोदी के परिवारवाद से मुक्ति के नारे ने घाटी में अपना काम कर दिया है। मुफ्ती को चुनाव में करारी शिकस्त नेकां के नेता मियां अल्ताफ अहमद ने दी है। अलताफ करीब ढाई लाख मतों से जीते हैं। दूसरी तरफ जम्मू-संवाद की दो सीटों उधमपुर और जम्मू पर भाजपा ने अपनी जीत दर्ज कराई है। उधमपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार डॉ जितेंद्र सिंह ने लगातार तीसरी बार जीत दर्ज कराई है। लद्दाख में आजाद उम्मीदवार मोहम्मद हनीफा जीते हैं। उन्होंने इस सीट पर कांग्रेस के सेरिंग नामग्याल और भाजपा के ताशा ग्यालसन को हरा दिया है। जम्मू संसदीय सीट से भाजपा उम्मीदवार जुगल किशोर शर्मा की जीत कांग्रेस के रमन भल्ला के मुकाबले में तय मानी जा रही है। बहरहाल जम्मू-कष्मीर में लोकतंत्र की बहाली ने तय कर दिया है कि धारा-370 खत्म होने के बाद वहां की जनता सुकून महसूस कर रही है। पर्यटकों की बड़ी आमद ने भी घाटी में जनता की आर्थिक बद्हाली दूर करने का काम किया है। महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला को हराकर जनता ने जता दिया है कि स्वतंत्रता के बाद से ही इन परिवारों ने जनता के साथ अच्छा नहीं किया। दो विधान, दो निषान और दो प्रधान को बनाए रखा। अपने हितों के लिए जम्मू-कष्मीर में विषेश दर्जे के विधानों की पैरवी करते रहे और स्थानीय जनता को भ्रम में रखकर सत्तारूढ़ भी बने रहे। अब जनता इनकी चालाकियों को समझ गई है, नतीजतन उसने इन दोनों परिवारों को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

संक्षिप्त खबरें

इसुआपुर में आद्रभूमि विकास के लिए हुई बैठक

इसुआपुर। पंचायत भवन आतानगर के प्रांगण में बुधवार को वन प्रमंडल छपरा के वन प्रमंडल पदाधिकारी सारण राम सुंदर एम के आ निदेर्शानुसार वनपाल मदन कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में आद्रभूमि मित्र, ग्रामीण जनता तथा जनप्रतिनिधियों को आद्रभूमि के विकास के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी दी गई। वहीं बताया गया कि जल के सही उपयोग से पशु पक्षियों को पानी पीने में सहूलियत होगी। साथ ही बताया गया कि आद्र भूमि पर जल मीनार, सामुदायिक भवन तथा पार्क का निर्माण किया जाएगा। वहीं इसके विकास के साथ सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा। हरियाली मिशन के तहत पेड़ पौधे लगाए जाएंगे तथा इस आद्रभूमि का विकास किया जाएगा । उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि आता नगर में कुछ निजी भूमि भी बेकार पड़ा हुआ है। अगर विभाग को जरूरत पड़े तो अच्छे कामों के लिए उसे भी दिया जाएगा। बैठक में पूर्व प्रमुख सह मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र सिंह, अनिल सिंह, वनरक्षी भानु प्रताप, फरहान खान, कृष्णा कुमार, सुशील सिंह समेत दर्जनों ग्रामीण थे।

हत्या मामले में दोषी करार

छपरा कोर्ट ।विशेष न्यायाधीश अनुसूचित जाति अत्याचार निवारण अधिनियम सह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रघुवंश नारायण ने मांझी थाना कांड संख्या 10 / 21 के एससी एसटी विचारण संख्या 81/ 21 में मांझी थाना के डुमरी निवासी गणेश यादव राजेश यादव सुभाष यादव को अंदर दफा 302 307 324 325 / 34 भा द वी में दोषी करार दिया है तथा सजा की बिंदु पर सुनवाई हेतु 13 जून की तिथि मुकर्रर की है। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम चंद्रमा प्रसाद साह तथा बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता वीरेश चौबे ने न्यायालय में अपना अपना पक्ष रखा। अभियोजन की ओर से डॉक्टर तथा अनुसंधान कर्ता सहित गवाहों की गवाही न्यायालय में कराई गई।

नहीं रहे समाजसेवी सच्चिदानंद पांडेय

जलालपुरेप्रखंड के विशुनपुरा निवासी प्रसिद्ध समाजसेवी सच्चिदानंद पांडेय अब नहीं रहे95 वर्ष की अवस्था में उनका पटना मे इलाज के दौरान बुधवार की सुबह निधन हो गयोवे उत्क्रमित मध्य विद्यालय खोरोडीह के प्रधानाध्यापक मणीन्द्र कुमार पांडेय के पिता जी थेवे प्रसिद्ध समाजसेवी थे `उनकी व्यवहारिकता और मृदुभाषिता से सभी प्रभावित थे उनके अचानक हुए निधन से सभी मर्माहत हुऐ उनके निधन पर एच एम प्रशांत कुमार पांडेय, पूर्व वी सी जनक पांडेय,ललन पांडेय ,नंदकिशोर पांडेय ,एच एम उमेश कुमार सिंह कन्हैया महतो, अविनाश तिवारी, कुन्नू दुबे, अरविंद दुबे,शैलेंद्र कुमार सिंह, संजय कुमार यादव अखिलेश्वर कुमार पांडेय, राजेश कुमार, गोलू सिंह, वरुण कुमार पांडेय सहित क ई अन्य ने संवेदना व्यक्ति की है

जदयू कार्यकताओं ने नव निर्वाचित दोनो सांसदों को दी बधाई

छपरा कार्यालय। सारण लोकसभा से राजीव प्रताप रूडी और महाराजगंज लोकसभा से जनार्दन सिंह सिग्रीवाल को तीसरी बार चुनाव जीतने पर जदयू जिला अध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किए गए जनकल्याणकारी योजनाए एवम सारण, महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र के जनता जनार्दन मालिक की जीत है विधान पार्षद वीरेंद्र नारायण यादव, पूर्व मंत्री मुनेश्वर चौधरी, पूर्व मंत्री गौतम सिंह, पूर्व विधायक धूमल सिंह ,पूर्व विधान परिषद उपसभापति सलीम परवेज, पूर्व विधायक रणधीर सिंह, बैजनाथ प्रसाद सिंह विकल ,दिनेश सिंह, आनंद किशोर सिंह, मुरारी सिंह, जयप्रकाश यादव, राजेश त्यागी, सत्यप्रकाश यादव आदि , ने बधाई दी है।

महराजगंज की जीत जनता की जीत है : सिग्रीवाल

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही केंद्र में बनेगी तीसरी बार एनडीए की सरकार

- नवनिर्वाचित सांसद ने दिल्ली जाने से पूर्व की प्रेस वार्ता

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। महाराजगंज संसदीय क्षेत्र में भाजपा की जीत जनता जनार्दन की जीत है ।आम मतदाताओं के प्यार,स्नेह व आशीर्वाद का है जिनके प्रति आभारी है। उक्त बातें महाराजगंज संसदीय क्षेत्र के नवनिर्वाचित भाजपा सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने प्रेस वार्ता के दौरान कही। स्थानीय जगदम कॉलेज के समीप भरत सिंह के आवासीय परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए श्री सिंह ने कहा कि देश मे तीसरी बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने जा रही है जो सबका विश्वास,सबका साथ एवं सबका विकास के संकल्प को धरातल पर उतारेगी।उन्होंने इस बात पर बल दिया कि मोदी के प्रति जिन लोगो ने विश्वास जताया है उनके प्रति खड़ा उतरने का अवश्य प्रयास करूंगा।

जनता के प्रति सदैव समर्पिय रहने वाले सांसद ने नई दिल्ली रवाना होने के पूर्व कहा कि महाराजगंज की विकास के साथ प्रान्त व देश का विकास तेजी के साथ होगा तभी ही हम विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पूरा कर सकते है इस क्षेत्र को देश के मानचित्र पर लाना मेरे लिए एक संकल्प है जिसके लिए समर्पित होकर कार्य करना है।

पार्टी सहित घटक दलों के कार्यकताओं व समर्थकों के प्रति आभार जताते हुए श्री सिग्रीवाल ने कहा कि 18 वीं लोक सभा के चुनाव में लगातार तीन बार की जीत जो हैट्रिक बना वह अपने आप मे एक मिसाल है जो एक इतिहास बन गया। एक साधारण कार्यकर्ता व सेवक के रूप में काम करने का यह प्रतिफल है ।वैसे,यह जनता की अदालत में सांतवी जीत है।उन्होंने कहा कि इस बार भी जनता ने धनबल,एवं जातीय समीकरण को नकारा है ।उन्होंने कहा कि केंद्र की सरकार में उचित स्थान यदि इस बार मिलता है तो सबसे अच्छी बात होगी मगर यह पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा तय होती है।उन्होंने कहा कि एनडीए के सभी घटक दल के नेता एवं सांसद संसर्पित होकर कार्य करेंगे ऐसा पूर्ण विश्वास है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की भूमिका पर पूछे गए सवाल पर श्री सिग्रीवाल ने कोई टिप्पणी नही दिया बल्कि ये कहा कि सभी मिलजुलकर काम करेंगे। मौके पर सीपीएस के निदेशक डॉ हरेंद्र सिंह,जदयू नेता कामेश्वर सिंह,मुरारी सिंह,अवध किशोर मिश्र,अजीत कुमार सिंह भाजपा नेता,हेम नारायण सिंह,विवेक कुमार सिंह,शान्तनु कुमार सिंह बलवंत सिंह ,श्याम बिहारी अग्रवाल,बीरेंद्र सिंह,मेयर लक्ष्मी नारायण गुप्ता, शत्रुध्न भगत आदि दर्जनों कार्यकर्त व समर्थक मौजुत थे।इसके पूर्व कई बुद्धिजीवियों एवं नागरिकों ने सांसद श्री सिग्रीवाल को ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई दी।

चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज ने रक्सौल अनुमंडलीय अस्पताल में किया वृक्षारोपण

प्रात: किरण, संवाददाता

रक्सौल। विश्व पर्यावरण दिवस पर व्यवसायियों की हितैषी संस्था रक्सौल चैम्बर के बैनर तले कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद निजामुद्दीन के संयोजन में अनुमंडलीय अस्पताल रक्सौल परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसकी जानकारी देते हुए चेम्बर के अध्यक्ष अरूण कुमार गुप्ता एवं महासचिव आलोक कुमार श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से कहा कि चेम्बर द्वारा संपादित इस कार्यक्रम में अनुमंडलीय अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. राजीव रंजन ने विशेष अभिरुचि लेकर अपने सहकर्मी डॉ. अजय कुमार एवं डॉ. अमित जायसवाल के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए, साथ ही उन्होंने चैम्बर के पर्यावरण संरक्षण निमित्त कार्यक्रम की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि समय -समय पर चेम्बर द्वारा आयोजित ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों में अपना भरपूर सहयोग देते रहेंगे। डॉ. राजीव रंजन ने पर्यावरण दिवस की महत्ता को लेकर इस बात को रेखांकित किया कि पुरातन काल से पौधों एवं मनुष्य के बीच संबंध बहुत ही करीबी रहा है। मानव जाति का अस्तित्व पौधों के कारण है तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। सृष्टि की आरंभिक रचना से लेकर अब तक मानव सभ्यता और संस्कृति में जो गुणात्मक विकास हुए उसके मूल में पेड़-पौधों का छिपा हुआ योगदान है। वहीं चेम्बर के अध्यक्ष अरुण कुमार गुप्ता ने कहा मानव जाति के संपूर्ण विकास में वृक्षों का योगदान अतुलनीय है जिससे इंकार नहीं किया जा सकता। वहीं चेंबर के महासचिव आलोक कुमार श्रीवास्तव एवं सचिव राज कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से यह बताया कि हम सबने कोरोना काल में ऑक्सीजन की किल्लत एवं वर्तमान में गहराते जल संकट से जुझ रहे हैं। देश में तकरीबन 400 करोड़ पेड़ो की तत्काल आवश्यकता है इसलिए वृक्षारोपण इस वक्त की सबसे बड़ी जरूरत एवं हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। इसलिए हमारी सबसे अपील है कि सभी संकल्प लें कि हर एक अवसर पर परिवार के प्रत्येक सदस्य कम से दो पौधे जरूर लगायें, जिससे आने वाली पीढी.का सेहत एवं भविष्य संवारने को शुद्ध ऑक्सीजन एवं जल धरोहर के रूप में सौंप कर जाएं ! मौके पर डॉ. राजीव रंजन ,डॉ. अजय कुमार ,डॉ. अमित जायसवाल के साथ तथा चैंबर के अध्यक्ष अरूण कुमार गुप्ता ,महासचिव आलोक कुमार श्रीवास्तव ,सचिव राजकुमार रौनियार ,कार्यकारिणी सदस्य म.निजामुद्दीन ,दिनेश प्रसाद ,दिलीप शाह एवं रजनीश प्रियदर्शी समेत नगर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ब्रह्मकुमारी आश्रम में विश्व पर्यावरण दिवस मना कर दिया गया संदेश

प्रात: किरण, संवाददाता

रक्सौल। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रकृति के हमारे जीवन में महत्व को बताते हुए, ब्रह्मकुमारी आश्रम, उप शाखा-सुख शांति भवन, नागा रोड, रक्सौल के प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन ज्ञानू दीदी के द्वारा किया गया। जिसमे जन-जन को संदेश देते हुए ज्ञानू दीदी ने पर्यावरण के संरक्षण के महत्व को समझाया और कहा कि हमारी धरती 5 महाभूतो से बनी है, जिसमे हवा स्वास देता है, आकाश उड़ान देता है, जल प्राण देता है, भूमि अन्न से पालना करती है, अतः वायु, जल, भूमि, अग्नि, आकाश ना हो तो जीवन नहीं चल सकता, लेकिन आज मानव अपने सुविधा के लिए प्रकृति, जो हमारी मां है, उसका हनन कर रहा है, जिससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है, जो प्रकृति हमारी इतनी सेवा करती है तो उसके संरक्षण का दायित्व भी हम सब का है, ताकि हमारा आज और आने वाला भविष्य सुखद, सरल हो और सभी के लिए ये पर्यावरण सुखदाई, आनंदमई हो जाए। फिर ममता बहन ने मानव के कृत्यों का एहसास कराते हुए कहा की ह्रबचाना है, हवा को धुआं हो जाने से, नदियों को नाला हो जाने से और खाने को जहर हो जाने सेह्व। उसके बाद गोकुल भाई जी भी अपने प्रेरणादाई शब्दों से सब की आंखे खोली और कहा कि आज मनुष्य बरगद, नीम, आम, इमली, पीपल, जैसे बड़े पेड़ काट के नया घर बनवा रहा है और घर में छोटे पौधे लगा रहा है, फिर सोच रहा है की इतनी गर्मी क्यों लग रही है, अगर ऐसा ही चलता रहा तो प्रकृति के प्रकोप को मनुष्य नही सह पायेगा। इसी शुभ संकल्प के साथ सभी ने पौधारोपण बड़े ही उमंग उत्साह से किया और कहा कि हर एक व्यक्ति को एक पेड़ लगाना चाहिए और उसका संरक्षण करना चाहिए ।

चार छात्रों ने नीट की परीक्षा में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन, लोगो ने दि बधाई

प्रात: किरण, संवाददाता

मशरक नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित नीट (मेडिकल)की परीक्षा में मशरक एवम आसपास के चार होनहार छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते बेहतर रिजल्ट प्राप्त किया है। उच्च विद्यालय मशरक के प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार के पुत्र अमृतेश श्री ने 694 अंक लेकर सामान्य कोटि में 1867 रैंक प्राप्त किया है वही मशरक महाविद्यालय मशरक के व्याख्याता जयकिशोर सिंह के पुत्र आदित्य सिंह ने 655 अंक प्राप्त कर 3067 रैंक प्राप्त किया है। मशरक तख्त गांव निवासी शिव शंकर प्रसाद रस्तोगी के पुत्र एवम व्यवसाई शंभू प्रसाद रस्तोगी के भतीजा मुरारी रस्तोगी ने 667 अंक पाकर 6917 रैंक जबकि रसौली के देवभूषण सिंह के पुत्र नवीन कुमार ने 675 अंक पाकर 1301 रैंक हासिल किया है। सभी छात्रों का नीट परीक्षा परिणाम आने के बाद घर परिवार सहित परिजनों में खुशी का माहौल है। मेडिकल की पढ़ाई को लेकर इंट्रेंस परीक्षा पास करते ही घर में इन्हे मिठाई खिलाकर बधाई दी गई। वही मशरक महाविद्यालय के सचिव विधायक केदारनाथ सिंह , प्रखंड प्रमुख रविरंजन सिंह मंटू मुखिया संघ के अध्यक्ष अजीत सिंह , मशरक नगर पंचायत के चेयरमैन सोहन महतो , संजय कुमार सिंह , डा सचिन , रोहित कश्यप, पंकज कुमार सिंह सहित अन्य ने सफल छात्रों को बधाई दी है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आर्द्र भूमि के संरक्षण हेतु चलाया गया जागरूकता अभियान

प्रात: किरण, संवाददाता

माँझी। बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सारण वन प्रमंडल की मांझी इकाई द्वारा माँझी प्रखंड के कौरुधौरु पँचायत स्थित दह पूरैना की 151 एकड़ आर्द्र भूमि के संरक्षण हेतु शिविर आयोजित की गई। गुदाहाँ कला पँचायत भवन के सभागार में आयोजित जागरूकता शिविर में पशु पक्षी एवम जलीय जन्तुओं के संरक्षण हेतु विभिन्न टिप्स दिए गए। शिविर में पशु पक्षी व जलीय जन्तुओं के संरक्षण हेतु चँवर मित्र का चयन किया गया। शिविर में आम लोगों के लिए आर्द्रभूमि की आवश्यकता तथा इसके संरक्षण हेतु सरकार के योजनाओं के अलावा चँवर मित्र की भूमिका से लोगों को अवगत कराया गया। साथ ही अन्य कई गंभीर मुद्दों पर विशेष चर्चा की गई। शिविर में स्थानीय मुखिया पति उदय शंकर सिंह,एकमा वन परिसर पदाधिकारी अखिलेश्वर सिंह,प्रतीक्षा सिंह,पंकज कुमार,वैंकटेश कुमार तथा धनञ्जय कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण आदि मौजूद थे। 151 एकड़ के बड़े भूभाग में फैले तथा रिविलगंज प्रखण्ड से सटे माँझी के कौरुधौरु पँचायत स्थित दह पुरैना को भूमि को आर्द्रभूमि के रूप में विकसित करना वन विभाग की योजना है। आर्द्रभूमि परिदृश्य में महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं जो लोगों और मछली और वन्य जीवन के लिए कई लाभकारी सेवाएं प्रदान करती हैं। इनमें से कुछ सेवाओं या कार्यों में पानी की गुणवत्ता की रक्षा और सुधार करना, मछली और वन्यजीवों को आवास प्रदान करना, बाढ़ के पानी का भंडारण करना और शुष्क अवधि के दौरान सतही जल प्रवाह को बनाए रखना शामिल है। वनपाल अकिलेश्वर सिंह ने कहा कि वन विभाग वेटलैंड मित्र के रूप में स्थानीय समुदाय की मदद से वेटलैंड के संरक्षण की प्रक्रिया में है. इस पर्यावरण दिवस पर हमने वेटलैंड मित्रों का पंजीकरण और उन्मुखीकरण शुरू किया है जो सारण जिले के जल निकायों के संरक्षण में सहायक होगा।

सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी की दवाएं उपलब्ध, मरीजों को मिल रहीं हैं नि:शुल्क

पोषण राशि की सहायता से संतुलित आहार का सेवन कर स्वस्थ हो सकेंगे जिले के मरीज

- जिले में 5 हजार 489 टीबी मरीजों का चल रहा है इलाज
- अब पहचान होते ही 1500 रुपये और 84 दिनों के उपचार के बाद पुनः 1500 रुपए की राशि भेजी जायेगी

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम) ।पश्चिमी चम्पारण जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी मरीजों की जाँच और इलाज के साथ ही कई प्रकार की दवाए निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रहीं है। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ रमेश चंद्रा ने बताया कि कुछ महीने पहले तक टीबी मरीजों के इलाज में कुछ परेशानियां थीं, क्योंकि स्वास्थ्य विभाग से दवाओं की सप्लाई में कमी आ गयी थी। परन्तु अब जिले में सभी टीबी मरीजों के लिए दवाएँ उपलब्ध हैं। बेतिया जिला यक्ष्मा केंद्र में प्रतिदिन 40-45 लोगों की टीबी की जाँच की जा रही है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के संशोधित गाइडलाइन के मुताबिक, अब टीबी मरीज के नोटिफाइड होते पर मरीजों के बैंक खाते में 1500 रुपये की राशि भेजी जायेगी, एवं 84 दिनों के उपचार के बाद मरीजों को पुनः 1500 रुपए की राशि भेजी जायेगी ताकि टीबी मरीज अपने बेहतर स्वास्थ्य हेतु पोषण की जरूरतों को पूरा कर सकें। पहले टीबी के मरीजों का उपचार सामान्यतः 6 महीने तक चलता था जिसमें उन्हें 500 रुपये की राशि प्रति माह उनके खाते में भेजी जाती थी। इसके अतिरिक्त, टीबी चैंपियन को स्पुटम कैरियर के रूप में मरीज का बलगम जांच के लिए नजदीकी प्राथमिक अथवा अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचाने पर उन्हें 200 रुपये की प्रोत्साहन राशि अलग से दी जाएगी। प्राथमिक अथवा अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला टीबी सेंटर तक बलगम पहुंचाने पर 400 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत निजी चिकित्सक, अस्पताल एवं क्लिनिक द्वारा यक्ष्मा रोगियों का नोटिफिकेशन एवं उपचार कर सक्सेसफुल आउटकम रिपोर्ट देने पर उन्हें नोटिफिकेशन के लिए 500 रुपये एवं उपचार के अंत में आउटकम रिपोर्ट देने पर 500 रुपये प्रति मरीज की दर से भुगतान होगा।

- 18 प्रखंडों में 5489 निर्बंधित टीबी मरीजः

भितहा प्रखंड में 127, नौतन-84, मझौलिया-93, योगापट्टी-159, बगहा-1 में 428, बैरिया- 79, नरकटियागंज-540, लौरिया-64, मैनाटांड-99, बेतिया डीटीसी-2576, सिकटा-138, ठाकराहा-53, मधुबनी-61, पिपरासी-37, बगहां 2-428, चनपटिया-112, रामनगर-292, गौनाहा-119।

विश्व पर्यावरण दिवस पर स्कूली बच्चों ने पौधारोपण कर पर्यावरण बचाने की ली शपथ

प्रात: किरण, संवाददाता

मशरक। विश्व पर्यावरण दिवस पर मशरक के उच्च विद्यालय मशरक , पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय समेत अन्य विद्यालयों में इको क्लब , वन विभाग एवम ग्रामीणों द्वारा वृक्षारोपण , साइकिल रैली निकाली गई। कार्यक्रम में पेड़ लगाने और उनके महत्व के बारे में जागरूक किया गया। उच्च विद्यालय मशरक में प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार की अध्यक्षता में पौधा लगा पर्यावरण को बचाने की शपथ ली गई। आयोजित कार्यक्रम में इको क्लब प्रभारी संजय कुमार सिंह के साथ सदस्य छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। वही पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में छात्र छात्राओं ने साइकिल रैली निकाल पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण किया। प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश मंटू ने पचरूखवा में पेड़ लाया। बहरौली में मुखिया संघ अध्यक्ष अजीत सिंह ने वृक्षारोपण कार्य किया और पेड़ से होने वाले महत्व की जानकारी दी ।वन उप परिसर पदाधिकारी फरहान अमीर ने पेड़ के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में अधिक से अधिक पेड़ लगाकर ग्रीन विधालय बनाने पर विचार-विमर्श किया गया इस दौरान बताया गया है कि रोजाना पेड़ काटे जा रहे हैं जिससे आने वाला समय भयानक नजर आ रहा है। वहीं वन विभाग की तरफ से सरकारी विद्यालयों में पौधारोपण किया गया । मौके पर शिक्षक अरुण कुमार बरनवाल , डा मनोज कुमार सिंह , विनय कुमार सिंह , राम परवेश पंडित , विजय कृष्ण त्रिपाठी , महेश पोदार , दुर्गा प्रसाद , श्वेता कुमारी , राजकुमार प्रसाद सहित अन्य थे ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर 7000 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में 47वीं वाहिनी का अभिनव प्रयास

प्रात: किरण, संवाददाता

रक्सौल। विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर, 47वीं वाहिनी के परिसर एवं कार्यक्षेत्र की समवायों, सीमा चौकियों में एक प्रेरणादायक और महत्वपूर्ण वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के महत्व को उजागर करना और प्रत्येक व्यक्ति को इस दिशा में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रेरित करना था। कमांडेंट विकास कुमार ने इस अवसर पर सभी वाहिनी के बल कर्मियों से पर्यावरण संरक्षण के महत्व को गंभीरता से समझने और इस दिशा में ठोस कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने वृक्षारोपण के विशेष महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को इस महत्वपूर्ण कार्य में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में वाहिनी के अन्य अधिकारी श्री दीपक कृष्ण, उप कमांडेंट, आगले प्रियदर्शन अरुण, उप कमांडेंट, समस्त समवाय प्रभारी, अधीनस्थ अधिकारी और बल कर्मी सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सामूहिक रूप से पौधारोपण किया। इस प्रकार यह कार्यक्रम एक ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया, जिसने पर्यावरण संरक्षण के प्रति सशक्त योगदान को प्रेरित किया।

जश्न में डूबा विजयी काफिला लेकर पहुंचे नव निर्वाचित सांसद वाल्मीकिनगर

प्रात: किरण, संवाददाता

वाल्मीकिनगर ।वाल्मिकिनगर लोकसभा नव निर्वाचित सांसद सुनिल कुमार जीत के जश्न में डूबा काफिला लेकर तमाम जगहों से होते हुए वाल्मीकिनगर पहुंचे। जहां समर्थकों ने इनका जोरदार स्वागत किया। सांसद सुनील कुमार ने भी लोगो का अभिवादन करते हुए अभिनंदन स्वीकार किया। बतादें की वाल्मीकिनगर संसदीय क्षेत्र की जनता से आशीर्वाद लेने,उन्हें जीत की बधाई व धन्यवाद देने के लिए बुधवार की सुबह 9 बजे नरकटियागंज स्थित अपने आवास से विजयी जुलूस लेकर निकले ।उनका काफिला लौरिया, इंग्लिसिया,परसौनी,चौतरवा, बगहा बाजार,बगहा 2, रामपुर, मदनपुर,नौरंगिया, भेड़िहारी होते हुए वाल्मीकिनगर पहुंचा ।तदुपरांत चम्पापुर, लौकरिया होते हुए हरनाटांड की तरफ इनका विजयी काफिला निकल गया ।इस दौरान सांसद ने लोगों का अभिवादन व आभार व्यक्त किया और लोगों का अभिनंदन स्वीकार किया।

सुरक्षा की ली शपथ:अमृत सरोवर में पर्यावरण दिवस पर किया पौधरोपण

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम) ।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जागरूकता अभियान के तहत चनपटिया प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत राज उतरी घोघा में पौधारोपण किया गया। गांव के अमृत सरोवर में मनरेगा डीपीओ,पीओ,पीआरएस एवं पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा वृक्षारोपण किए। साथ ही जल संरक्षण, पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए शपथ ली ।इस दौरान मनरेगा डीपीओ राजीव कुमार ने बताया कि जिले के सभी पंचायत में लोगों को जल एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए जगह-जगह नारा किया जा रहा है। साथ ही मुनादी कर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है ।वही मनरेगा पीओ देवकांत कुमार ने कहा कि आज पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है ।पीआरएस आलोक कुमार पांडेय,रंजीत कुमार, बाली कुमार, मुखिया विनोद प्रसाद,वनपोषक सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर वन विभाग ने स्कूली बच्चों संग जागरूकता अभियान चलाया

प्रात: किरण, संवाददाता

वाल्मीकिनगर ।बगहा के विभिन्न क्षेत्रों में पर्यावरण दिवस कार्यक्रम किए गए। इसी क्रम में वन विभाग और डब्ल्यूटीआई ने स्कूली बच्चों के साथ मिलकर पर्यावरण संरक्षण से सम्बंधित कई कार्यक्रम किए। साथ ही जागरूकता अभियान चलाते हुए लोगों को जागरूक किया ।वन प्रमंडल 2 के रेंजर राजकुमार पासवान ने बताया कि पर्यावरण का हमारे जीवन मे सीधा असर पड़ता है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने आगे बताया कि इसी क्रम में गोनौली,हरैयाकोर्ट,कोतराहां सहित वाल्मीकिनगर में कई कार्यक्रम किए गए है। सनजेवीयर के एमडी अमरनाथ गुप्ता ने बताया कि इस मौके पर बच्चों के बीच पर्यावरण से सम्बंधित निबंध और भाषण प्रतियोगिता की गई ।साथ ही वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर रेंजर राजकुमार पासवान,एमडी अमरनाथ गुप्ता,सहायक शिक्षक अंकित गुप्ता,फरान खान,विक्की गुप्ता समेत अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

जीत के बाद जलालपुर के हरपुर शिवालय पहुंचने पर सांसद सीग्रीवाल का हुआ भव्य स्वागत

प्रात: किरण, संवाददाता

जलालपुरे महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र से तीसरी बार सांसद बनने के बाद जलालपुर के हरपुर शिवालय पहुंचने पर सांसद जनार्दन सिंह सीग्रीवाल का भव्य स्वागत किया गयोप्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष तारकेश्वर सिंह के नेतृत्व में उत्साही भाजपा कार्यकताओं ने सांसद सीग्रीवाल का जयकारे के साथ स्वागत कियो सभी ने उन्हें माला पहनाकर व मिठाईयां खिलाकर बधाई दीउन्होंने हरपुर शिवालय में भगवान भोलेनाथ की भी पूजा अर्चना की वेद वेदांग विद्यालय के बटुकों ने भी उनका स्वागत कियो मौके पर बोलते हुए प्रखंड मुखिया संघ प्रतिनिधि तारकेश्वर सिंह ने कहा कि सांसद ने अपराजित रहते हुए तीसरी बार सांसद बनकर महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र को गौरवान्वित किया हैउन्होंने सभी का मान बढ़ाया हैसांसद सीग्रीवाल ने अपनी मिली जीत पर इसे जनता का जीत बताया है मौके पर संत दामोदर दास, हेमनारायण सिंह ,दीपू चतुर्वेदी,बंटी सिंह मुकेश सिंह नीलेश सिंह, भाजपा के जिला प्रवक्ता गुड्डू चौधरी सहित दर्जनो अन्य भी उपस्थित रहे

राम कथा वाचक संत मोरारी बापू ने एसएसबी कैम्प में वृक्षारोपण किया

प्रात: किरण, संवाददाता

वाल्मीकिनगर ।संत मोरारी बापू राम कथा वाचन के बाद करीब डेढ़ बजे इंडो नेपाल सीमा अंतर्गत एसएसबी बी समवाय गंडक बराज कैम्प परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण किया। इस मौके पर श्री बापू ने पर्यावरण के संरक्षण पर लोगो से पौधे लगाने का आग्रह किया। बतादें की विश्व ख्याति प्राप्त राम कथा वाचक संत मोरारी बापू के वाल्मीकिनगर में एक जून से 9 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आज कथा वाचन का 6 वां दिन है। राम कथा वाचन सुनने के लिए भारत नेपाल से श्रोता श्रद्धालुओं की भीड़ पंडाल में उमड़ रही है ।एसएसबी सूत्रों के अनुसार कैम्प के बगल के फाइव स्टार होटल ग्राउंड में संत मोरारी बापू का 9 दिवसीय कार्यक्रम चल रहा है। जो सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक निर्बाध गति से चल रहा है। इसी कथा वाचन के समाप्ति के पश्चयात एसएसबी कैम्प पहुंचकर संत श्री बापू ने सभी प्रकार के फलदार फूलदार और इमारती लकड़ी के पौधों का रोपण किया, जिसमे स्वर्ण चंपा,स्वेत चंपा,सीता अशोक, रुद्राक्ष,आम,लीची,कामनी,हर सिंगार आदि शामिल थे ।इस मौके पर एसएसबी के अश्वनी कुमार द्वितीय कमान अधिकारी (कार्यवाहक कमांडेंट), निरीक्षक प्रदीप कुमार मंडल,सहायक उप निरीक्षक अंग्रेज सिंह,मुख्य आरक्षी अमित कुमार,बिंदर समेत अन्य जवान व एसएसबी के मीडिया प्रभारी सज्जाद अंसारी अवस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आरा व्यवहार न्यायालय में किया गया वृक्षारोपण

आरा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिनांक 05 जून को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, भोजपुर, आरा के तत्वाधान में सभी न्यायिक पदाधिकारीगण के साथ किया गया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम, ऋषि कुमार सिंह ने कहा कि पर्यावरण के संरक्षण से ही हमारा अस्तित्व सुरक्षित रह सकता है यह हमें नहीं भूलना चाहिए। दुनिया भर में आज पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है यह दिन पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए है। युवाओं व बच्चों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को जगाने की कोशिश की जा रही है। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गौतम कुमार ने बताया कि पर्यावरण दिवस के अवसर पर सभी न्यायिक पदाधिकारीगण द्वारा मिलकर वृक्ष लगाया गया। आगे सचिव ने बताया कि अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने से पर्यावरण शुद्ध रहता है एवं हमें स्वच्छ वायु प्राप्त होती है। सभी व्यक्ति को एक एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। इस अवसरपर सभी न्यायिकपदाधिकारीगण उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जागरूकता अभियान चलाया गया

गया।शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कटारी हिल गया में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया है।जिसमे डॉ पी के वर्मा अमित कुमार स्वामी स्टाफ नर्स कौशल किशोर कुमार फार्मासिस्ट अविनाश कुमार लैब टेक्नीशियन सोनी कुमारी सरोज कुमारी ए एन एम सभी उपस्थित रहे।

आज होगा लेखक डॉ विजय कुमार सिंह का सम्मान समारोह

औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले के बारुण प्रखंड के बरौली ग्राम निवासी,वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा के प्राचीन इतिहास विभाग के प्रोफेसर सह विभागध्यक्ष डॉ विजय कुमार सिंह लिखित एनसिएंट हिस्ट्री पुस्तक का पिछले दिनों बिहार के राज्यपाल महामहिम राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर द्वारा लोकार्पित किया गया था। इस विशिष्ट उपलब्धि पाने के आलोक में पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट औरंगाबाद द्वारा उन्हें 6 जून को सम्मानित करने का निर्णय लिया है।ट्रस्ट के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह, उपाध्यक्ष डॉ ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह एवं डॉ संजीव रंजन,सचिव स्वर्णजीत कुमार सिंह के आह्वान पर 6 जून को संध्या में स्मृति स्थल के प्रांगण में उन्हें सम्मानित किया जाएगा मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि उसी दिन बैठक भी रखी गई है जिसमें पिछले कार्यक्रम की समीक्षा की जाएगी एवं अगले सामाजिक कार्यों की रूपरेखा तय की जाएगी। विदित हो कि डॉ विजय कुमार सिंह लिखित पुस्तक एनसिएंट हिस्ट्री अमेरिका की प्रसिद्ध प्रकाशन संस्था मैकग्राहील द्वारा प्रकाशित की गई है।

एनडीए गठबंधन सरकार बनने पर भाजपा कार्यकर्ता ने दी बधाई

गया।एनडीए गठबंधन को पूर्ण बहुमत मिलने पर साथ ही, गया लोकसभा से एनडीए प्रत्याशी जीतन राम मांझी के विजयी होने पर गया जिला भाजपा ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस मौके पर भाजपा गया जिला अध्यक्ष प्रेम प्रकाश चिंटू नें कहा एनडीए गठबंधन का तीसरी बार विजयी होने भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए ऐतिहासिक क्षण है। देश के ओजस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत बनाने का जो संकल्प लिए हैं, उस संकल्प को मोदी के द्वारा पूरा किए जायेगा। एनडीए के विजयी होने पर देश के ओजस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी, ग्रह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा को भगवान विष्णु की गया नगरी से बधाई एवं शुभकामनाएं देते हैं।

इंडिया गठबंधन ने मोदी के होश उड़ाए,सरकार बनेगी इंडिया गठबंधन की : जिलाअध्यक्ष

गया।लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन ने बहुत ही बेहतरीन प्रदर्शन किया है।जिस तरह राहुल गांधी दोनो सीटों पर चुनाव 4 लाख से ज्यादा वोट से आगे चल रहे हैं,मोदी मात्रा डेढ़ लाख वोट से आगे चल रहे हैं,स्मृति ईरानी चुनाव एक लाख से ज्यादा वोट से हार गई हैं ये बताता हैं कि जनता ने मोदी और बीजेपी को नकार दिया है और राहुल जी के साथ कांग्रेस पार्टी पर अपना विश्वास जताया है।इंडिया एलायंस को पूरा विश्वास है कि समान विचारधारा के समाजवादी और धर्मनिरपेक्षता के पक्षधर एकसाथ आयेंगे और इंडिया गठबंधन की मजबूत सरकार बनेगी।ये सारी बातें जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ गगन कु मिश्र ने कहीं।उत्तर प्रदेश में बीजेपी की करारी हार यूके घमंड और किसानों के प्रति उनके गलत नीतियों का नतीजा है।

प्रदेश अध्यक्ष द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन कार्यालय में किया गया पौधारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

गया ।विश्व वन पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष डॉ मनीष पंकज मिश्रा के नेतृत्व में पौधा लगाया गया है। इस अवसर पर डॉ मनीष पंकज मिश्रा ने वनों और जंगलों की महत्वपूर्ण भूमिका को साझा करते हुए कहा वन पर्यावरण नहीं सिर्फ हमारे जीवन के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि पूरे प्लानेट के लिए भी।वनों का हमारे पर्यावरण में कई महत्वपूर्ण योगदान होता है। ये हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, वायुमंडल को शुद्ध करते हैं, प्राणी जीवन को आवास प्रदान करते हैं, और जल संचार को नियंत्रित करते हैं। वनों का वातावरणीय संतुलन बनाए रखें। आज हमसब संकल्प लें की प्रत्येक व्यक्ति वायुमंडल को सुरक्षित रखने किए एवं शुद्ध हवा के लिए एक पौधा अवश्य लगाए, जिससे कृतिम ऑक्सीजन की आवश्यकता ना पड़े, प्राकृतिक शुद्ध हवा लेकर स्वस्थ रहें हैं। वनों की विपणन और अवैध कटाई के कारण आजकल वन संकट का सामना कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप, जीवन के लिए आवश्यक वनों की कमी हो रही है, जो जलवायु परिवर्तन और बाढ़, सूखे, और अन्य पर्यावरणीय संकटों को बढ़ाती रही है।आज के कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता, कार्यकारी अध्यक्ष राणा रणजीत सिंह, सुनील बम्बईया, राजू मिश्रा, संतोष कुमार, डॉ अशोक सिंह, संतोष ठाकुर, दीपक पांडे, महेश यादव, मंटू कुमार व अन्य लोग उपस्थित रहे।

कुख्यात मिथलेश पासवान की गोलियां से भूनकर हत्या, इलाके में सनसनी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। सकड्डी एवं कुल्हड़िया गांव के बीच एक युवक की गोलियों से भून कर हत्या कर दी गई। इलाज के लिए सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने दम तोड़ दिया। अपराधियों द्वारा उसे काफी करीब से लगभग दस गोलियां मारी गई है। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी फैल गई है। उधर, घटना की सूचना मिलते ही सदर डीएसपी-2 रंजीत कुमार सिंह एवं कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र पुलिस बल के साथ सदर अस्पताल पहुंचे और मृतकों के परिजनों से मिल घटना की जानकारी ली। इसके पश्चात पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। जानकारी के अनुसार मृतक कोईलवर थाना क्षेत्र के धनडींहा (कुबेरचक) गांव वार्ड नंबर-2 निवासी सुरेश पासवान का 28 वर्षीय पुत्र मिथिलेश पासवान है। इधर, मृतक के परिजन ने बताया कि मंगलवार की रात वह बाइक से टाउन थाना क्षेत्र के आनंद नगर मोहल्ले में आया था। इसके बाद वापस अपने गांव लौट रहा था। उसी दरमियान सकड्डी एवं कुल्हड़िया गांव के बीच हथियारबंद अपराधियों द्वारा गोलियों से भूनकर उसकी हत्या कर दी गई। हालांकि उक्त अपराधियों ने उसकी गोली मारकर हत्या क्यों की? इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

इधर, सदर डीएसपी-2 रंजीत कुमार सिंह ने ह्लखबरें आपकीह्व को बताया की हत्या की सूचना पाकर हमलोग सदर अस्पताल पहुंचे। जहां पता चला की सुरेश पासवान के पुत्र मिथिलेश पासवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतक एक कुख्यात अपराधी है। वह आरा टाउन, कोईलवर, चांदी, गीधा एवं अरवल थाने में रंगदारी, लूट, हत्या, आर्म्स एक्ट सहित करीब एक दर्जन से अधिक मामलो में आरोपी था और वह उसी समय से फरार चल रहा था। वहीं उन्होंने बताया कि ऐसा लगता है कि उसकी कहीं दूसरी जगह गोली मारकर उसकी हत्या की गई है। हत्या करने के बाद उसे सकड्डी गांव के समीप सड़क किनारे फेंक दिया गया है। बता दे कि 29 अप्रैल 2016 में रंगदारी नहीं देने पर आरा शहर में स्थित एक शॉपिंग मॉल में बम ब्लास्ट की घटना को अंजाम दिया गया था। जिसमें मिथिलेश पासवान भी आरोपित था।

यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया भोजपुर इकाई द्वारा मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। विश्व पर्यावरण दिवस पर यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया भोजपुर इकाई द्वारा स्थानीय शांति स्मृति संभावना आवासीय उच्च विद्यालय ,मझौंवां, आरा में कार्यक्रम आयोजित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता यूथ हॉस्टल के अध्यक्ष, नेत्र सर्जन डॉक्टर एस के रूंगटा ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर/ विद्यालय परिसर में फूलदार पौधा रोपण कर किया गया।

"हमारी धरती हमारा भविष्य" पर भाषण एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। स्कूल की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत के बाद यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया भोजपुर की चेयरमैन सह प्राचार्या डॉक्टर अर्चना सिंह द्वारा अतिथियों का स्वागत किया खासकर छात्र-छात्राओं का जिन लोगों ने स्कूल बंदी के बाद इतनी संख्या में उपस्थित रहे। 5 जून प्रतिवर्ष आता है लेकिन अब केवल कहने की जरूरत नहीं बल्कि कुछ करने की जरूरत है लगातार बढ़ते तापमान ने विश्व को सकते में डाल दिया है।इससे बचने का सबसे आसान उपाय है कि हम सभी घर पर,बगीचे में, छोटे जगहों पर पौधारोपण आवश्य करें। विश्व स्तर पर पानी के लिए मारामारी चल रही है जिसका असर शहर से लेकर देहात तक दिख रहा है।अब पानी के लिए विश्व युद्ध होने की आशंका बढ़ गई है। इसीलिए भी पानी का संरक्षण जरूरी है। विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि विद्यालय प्रबंधन की जानकारी में जो पौधा रोपण कर उसे जीवंत रखेगा उसको 10 मार्क्स अतिरिक्त दिए जाएंगे।

अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉक्टर एस के रूंगटा ने विद्यालय प्रबंधन की विशेषताएं,छात्र-छात्राओं की गतिविधियां को काफी सराहा साथ ही अपने जीवन में आप कैसे सफल हो सकते हैं परामर्श और सुझाव दिए । डॉक्टर रूंगटा ने बताया कि 500 करोड़ पौधे प्रतिवर्ष लगाने की जरूरत है ।जिसे केवल सरकार पर थोपा नहीं जा सकता। इसकी लिए हर लोगों को अपनी जिम्मेदारी समझनी पड़ेगी।तब शुद्ध ऑक्सीजन और पीने के लिए पानी प्राप्त होगा। विद्यालय के निदेशक डॉ० कुमार द्विजेंद्र ने भी बताया कि जल, जंगल और जीव हमारे जीवन में कितना उपयोगी है । वही डॉक्टर विवेक राज डेंटल सर्जन ने पौधारोपण के साथ-साथ स्वयं को भी स्वस्थ रखना जरूरी है मुंह हम सभी के शरीर का प्रवेश द्वार है।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी द्वारा न्यायालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम हुआ

प्रात : किरण संवाददाता

गया ।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला व्यवहार न्यायालय गया में जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष मदन किशोर कौशिक, औरंगाबाद,जिला जज अशोक राज जहानाबाद के जिला जज बृजेश कुमार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गया आशीष कुमार अग्निहोत्री, वन प्रमंडल पदाधिकारी शशिकांत कुमार के संयुक्त नेतृत्व में न्यायालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम किया है। इसके साथ ही पौधे लगाकर एक एक पौधे लगाकर संरक्षण का संकल्प लिया गया है।

इस मौके पर जिला जज ने विश्व में हो रहे जलवायु परिवर्तन पर लोगों को आगाह करते हुए कहा कि अभी से इसका प्रभाव जनमानस पर पड़ना शुरू हो गया है ऐसे में अगर हम अभी से सतर्क नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ी तो दूर खुद हम अपने आपको माफ नहीं कर पाएंगे।उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति से प्रति वर्ष कम से कम पांच वृक्ष लगाने व उसे संरक्षित करने की अपील की गई है। इस मौके पर न्यायालय कर्मचारीयों ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लेकर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया है।इसके साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकार कार्यालय परिसर में भी सचिव आशीष कुमार अग्निहोत्री के नेतृत्व में वृक्षारोपण किया गया, और सभी पारा विधिक स्वयंसेवक को 5 पौधे लगाने का निर्देश दिया गया है। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में डालसा कर्मचारीगण भी मौजूद थें।

शानदार प्रदर्शन के साथ भाकपा माले ने आरा और काराकाट सीट पर जीत का परचम लहराया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की प्रमुख सहयोगी दल भाकपा माले का प्रदर्शन शानदार रहा। इस बार के चुनाव में भाकपा माले को इंडिया गठबंधन से सीट शेयरिंग में तीन सीटें मिली थीं। इसमें आरा, काराकाट और नालंदा सीट शामिल हैं। आरा से सुदामा प्रसाद और काराकाट से राजाराम सिंह ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। दोनों ने अपने कद्दावर प्रतिद्वंदियों को हराया है।

आरा में सुदामा प्रसाद ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री एवं पूर्व आइएएस राजकुमार सिंह के खिलाफ जीत दर्ज की है तो वहीं काराकाट में राजाराम सिंह ने पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा और भोजपुरी फिल्मों के स्टार पवन सिंह के विरुद्ध जीत का परचम लहराया है।

विकास पुरुष का नारा फेल, सीपीआई माले प्रत्याशी ने शिकस्त दी। भाकपा माले के लिए यह ऐतिहासिक जीत इसलिए भी खास है कि बीते ढाई दशक से बिहार में वामपंथी दलों को लोकसभा के किसी चुनाव में जीत नसीब नहीं हुई थी। 1999 के चुनाव में भागलपुर सीट से माकपा के उम्मीदवार सुबोध राय को आखिरी जीत मिली थी। इसके बाद से वामदल बिहार में लोकसभा चुनाव में जीत के लिए तरसते रहे। इस बार के चुनाव में भाकपा माले ने बिहार में वामपंथ की राजनीति को फिर से खड़ा करने का भी काम किया है। वैसे माले को नालंदा संसदीय सीट से भी जीत मिलने की उम्मीद थी, जहां से उसके उम्मीदवार संदीप सौरव पूरे दमखम के साथ मैदान में थे। मगर यहां सफलता नहीं मिली। नालंदा सीट पर महागठबंधन के नेताओं के बीच सामंजस्य का अभाव भी हार का एक महत्वपूर्ण कारण माना जा रहा है, नहीं तो माले ने नालंदा सीट भी जीत कर महागठबंधन की झोली में डालने में कोई कसर नहीं छोड़ रखा था। वैसे माले का उम्मीदवार नालंदा सीट पर दूसरे स्थान पर रहा है।

भगवान महावीर स्वामी जल मंदिर में 108 कुंभ कलशों से मस्तकाभिषेक सम्पन्न हुआ

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भगवान महावीर मार्ग (शिवगंज) स्थित भगवान महावीर स्वामी जल मंदिर में परम पूज्य श्रमण श्री 108 सुप्रभसागर महाराज जी एवं मुनि श्री 108 प्रणतसागर महाराज जी के मंगल सनिध्य में श्रद्धालुओं के द्वारा भव्य पंचामृत अभिषेक, ज्येष्ठ जिनवर पूजन एवं 108 कलशों से मस्तकाभिषेक, शांतिधारा सम्पन्न हुआ। मीडिया प्रभारी निलेश कुमार जैन ने बताया कि जैन धर्म के 16 वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ जी के जन्म, तप एवं मोक्ष कल्याणक दिवस एवं भगवान महावीर स्वामी के 2550 वें निर्वाण वर्ष एवं ज्येष्ठ जिनवर के उपलक्ष्य में भगवान महावीर स्वामी जल मंदिर जी में बड़े ही भक्तिपूर्वक भक्तों के द्वारा प्रातः समय में अभिषेक, पूजन एवं 108 कुंभ कलशों से मस्तकाभिषेक एवं महाराज श्री के मुखारबिंद से वृहद शांतिधारा संपन्न हुआ तत्पश्चात भगवान शांतिनाथ जी को स्मरण करते हुए निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। भक्तगण जिनेन्द्र प्रभु की अभिषेक, पूजन, भक्ति, आराधना कर अपने जीवन को धन्य किया। संयोजक मनोज कुमार जैन ने बताया की जल मंदिर में प्रथम बार 108 कुंभ कलशों से मस्तकाभिषेक संपन्न हुआ जिससे भक्तों में बहुत ही उत्साह था। उन्होंने बताया की समाज की महिलाएं अभिषेक, पूजन में सम्मिलित रही। अभिषेक के उपरांत सभी भक्तों के बीच प्रसाद स्वरूप फल का वितरण किया गया। अभिषेक के कार्यक्रम में संयोजक मनोज कुमार जैन, सह संयोजक निलेश कुमार जैन, सदस्य प्रतीक जैन, अशोक कुमार जैन, धीरेन्द्र चंद्र जैन, उमेश जैन, राजेश जैन, अनीश जैन, प्रियेश जैन, नैतिक जैन, अतिशय जैन, आयुष जैन, प्रशांत जैन, विभोर जैन, वार्ड पार्षद रेखा जैन, बिना जैन, ज्योति जैन, अंजू जैन, सीमा जैन, ऋतू जैन, जुली जैन, बिमलेश जैन, डॉ विकास चंद्र जैन, मीनू जैन, ओंकार अग्रवाल, वैभव जैन के साथ सैकड़ो की संख्या में भक्तगण शामिल रहे।

नवनिर्वाचित सांसद का सुदामा प्रसाद का जिला कांग्रेस कार्यालय में किया गया अभिनंदन समारोह

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। आरा लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र इंडिया गठबंधन (भा.क.पा. माले) के नवनिर्वाचित सांसद का० सुदामा प्रसाद की अभूतपूर्व जीत पर पार्टी कार्यालय शहीद भवन में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष अशोक राम ने किया। अभिनंदन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व विधान पार्षद डॉ अजय कुमार सिंह ने नवनिर्वाचित सांसद का. सुदामा प्रसाद को सर्वप्रथम अंग-बस्त्र के साथ-साथ बुके देकर समानित किया।

बाद में अभिनंदन समारोह को सम्बोधित करते हुए डॉ अजय कुमार सिंह ने कहा कि का. सुदामा जी ने इस लोकसभा से ऐसे नेता को शिकस्त दिया है जो अहंकार के मद में मदमस्त हो चुका था। जनता का निर्णय की जितनी भी प्रसंसा की जाय कम है। अभिनन्दन समारोह को सम्बोधित करते हुए भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अशोक राम ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष हम सबों के सर्वमान्य नेता श्री राहुल गांधी जी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि का. सुदामा प्रसाद जन-मानस के सर्वग्राह नेता है। इनके कुशल व्यक्तित्व और सौम्य व्यवहार का नतीजा रहा कि पूरे लोकसभा क्षेत्र में इन्हें हर वर्ग से अभूतपूर्व सहयोग और समर्थन प्राप्त हुआ है। आगे उन्होंने निवर्तमान सांसद का. सुदामा प्रसाद जी को पूरी तरह से आश्वस्त किया कि चाहे किसी भी तरह की चुनौती हो जिला कांग्रेस परिवार हर-सम्भव साथ के खड़ा है और सदैव रहेगा। अभिनंदन समारोह में सभी ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर और मिठाई खिलाकर खुशियों का इजहार किया। बैठक में जिला अध्यक्ष अशोक राम, पूर्व विधान पार्षद डॉ अजय कुमार सिंह, शिव कुमार सिंह, घनश्याम उपाध्याय, सत्य प्रकाश राय, डॉ अमित कुमार द्विवेदी, राजद जिला अध्यक्ष वीरबल यादव, दिलराज प्रीतम, अशोक यादव, रजी अहमद, आलोक रंजन, वरीय अधिवक्ता प्रमोद राय, श्रीधर तिवारी, सत्य नारायण लाल, घनस्याम चौधरी, राकेश त्रिपाठी, रविन्द्र कुमार रवि, डॉ शिव नाथ पासवान, आशुतोष ठाकुर सहित सैकड़ों नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बालू बचाव जीवन बचाव आंदोलन के तहत ग्रामीणों ने डोभी चतरा मुख्य मार्ग किया जाम

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी।गया जिला की डोभी प्रखंड के कोठवारा में आज दिन बुधवार को निलांजना नदी से लगातार हो रहे बालू उठाव को रोकथाम करने हेतु बालू बचाव जीवन बचाव आंदोलन के तहत ग्रामीणों ने डोभी चतरा मुख्य मार्ग एन एच 99 को घंटो रखा जाम। ग्रामीणों का कहना है की नीलाजना नदी से लगातार बालू उठाव होने के कारण आस पास के इलाकों में पानी के स्तर में कमी आ रही है। उसके बावजूद भी धड़ल्ले से बालू का उठाव जारी है। इससे आने बाले दिनों में जल संकट आने बाला है। आगे बताते चले की बालू उत्खनन से वीरान होती नदियां, घट रही जल धारण क्षमता बालू की महत्ता केवल निर्माण कार्यों तक ही सीमित नहीं बल्कि पारिस्थितिकीय दृष्टि से भी खास महत्व है। पानी के बाद बालू ही वह प्राकृतिक संसाधन है जिसका सबसे तेज दोहन हो रहा है।दुनियाभर में बालू के बेलगाम दोहन ने उसकी उपलब्धता को प्रभावित किया है। इससे गहराते संकट पर संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनइपी) ने भी गहरी चिंता जताई है। उसने चेताया है कि जिस रफ्तार से निर्माण कार्यों में बालू का इस्तेमाल किया जा रहा है, उस रफ्तार से यह प्राकृतिक संसाधन फिर से पनप नहीं रहा है, जिससे निकट भविष्य में इसकी किल्लत हो सकती है। इस कारण आधारभूत संरचना से जुड़ी परियोजनाओं और समग्र अर्थव्यवस्था को नुकसान उठाना पड़ेगा। ऐसे में इसके तार्किक उपयोग को प्रोत्साहन देना होगा। बालू को ह्यलघु खनिजह्व के रूप में वगीर्कृत किया जाता है, जो निर्माण कार्यों में एक महत्वपूर्ण अवयव होता है। हालांकि, बालू की महत्ता केवल निर्माण कार्यों तक ही सीमित नहीं, बल्कि आर्थिक समृद्धि और आजीविका प्रदान करने के साथ-साथ पारिस्थितिकीय दृष्टि से भी इसका महत्व है। बालू जल राशियों के निकट वनस्पति और जीवों के पनपने के लिए पयार्वास प्रदान करती है और जैव विविधता को पोषित करने में भी सहायक है। हालांकि, बढ़ते शहरीकरण और निर्माण कार्यों में आई तेजी के कारण उसकी मांग तेजी से बढ़ी है, जिसकी पूर्ति के लिए बालू के अवैध, अनियंत्रित और अवैज्ञानिक खनन को बढ़ावा मिला है।

पानी के बाद बालू ही वह प्राकृतिक संसाधन है, जिसका सबसे तेज दोहन किया जा रहा है। इसका दुष्परिणाम है कि देश के कई हिस्से इसकी कमी का सामना कर रहे हैं। अत्यधिक बालू उत्खनन से नदियां वीरान होती जा रही हैं और नदी के तट का स्वरूप भी बिगड़ता जा रहा है। इससे नदियों की जल धारण क्षमता कम हो रही है और नदियां समय से पहले ही सूखने लगी है। नतीजतन भू-जल स्तर में गिरावट और सूखे की मार के साथ पेयजल की कमी का सामना करना पड़ता है।

देश में बालू के अवैध उत्खनन को रोकने के लिए राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण, खनन मंत्रलय, पर्यावरण मंत्रलय और सुप्रीम कोर्ट जैसी संस्थाएं भी सजग रही हैं। 2020 में देश में बालू के अवैध खनन की निगरानी और जांच के लिए केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रलय ने दिशानिर्देश जारी किए थे। उससे पहले 2018 में ह्यबालू खनन रूपरेखाह्व अस्तित्व में आई थी। जबकि 2016 में सतत रेत खनन प्रबंधन दिशानिर्देश जारी किए गए थे, जो बालू के वैज्ञानिक खनन को बढ़ावा देने और पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन को प्रोत्साहित करने के निमित्त था।

बहरहाल बालू को सिर्फ निर्माण सामग्री के रूप में न देखा जाए, बल्कि इसका बुद्धिमतापूर्ण उपयोग करते हुए भावी पीढ़ी की उपलब्धता को भी ध्यान में रखा जाए। सतत विकास पर जोर देकर ही इस संसाधन को भविष्य के लिए संजोया जा सकता है। इस दिशा में बालू का ठोस विकल्प खोजना भी पर्यावरण और समाज के लिए हितकारी साबित होगा।

काराकाट की जनता को आभार व्यक्त किए डॉ संजय रधुवर

प्रात : किरण संवाददाता

गया।काराकाट संसदीय क्षेत्र से सीपीआईएमएल उम्मीदवार कामरेड राजा राम सिंह के विजई होने से एक बार फिर यह स्पष्ट हुआ है कि बगैर पैसा बाटे आज भी चुनाव में सफल होय जा सकता है' वर्तमान बाजार वाद के युग में प्राय सभी मुख्य धारा की राजनीतिक पार्टियों द्वारा चुनाव में प्रचार प्रसार और मतदाताओं को प्रभावित करने का काम करने में पैसे पानी की तरह बहती है, इस चुनाव में भी दो उम्मीदवारों के द्वारा पैसे बांटने का खेल खेला गया' कहां जा रहा है मेरे गांव के पंचायत प्रतिनिधि ने भी वोट दिलाने के नाम पर मोटी रकम लिया' सीपीआईएमएल ने जो प्रचार सामग्री उपलब्ध कराया और सहयोगियों शुभचिंतकों ने जो थोड़ी बहुत आर्थिक मदद की इतना ही कामरेड राजा राम सिंह के पास पूंजी थी' निश्चित तौर पर यह चुनाव आम जनता की द्वारा लड़ा गया इस चुनाव सफलता के लिए आम जनता बधाई की पात्र है' मैं उम्मीद करता हूं कि नव निर्वाचित सांसद कामरेड राजाराम सिंह क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं को जैसे सोन नहर के जीर्णोद्धार वर्षों से बंद पड़ी डालमियानगर फैक्ट्री मैं रेलवे इंजन का फैक्ट्री लगाने का काम क्षेत्र में औद्योगिक वातावरण का निर्माण के अतिरिक्त समाज में एक नई राजनीतिक पहल के निर्माण करने का काम करेंगे' आदरणीय जननायक कपूर्री ठाकुर के जमाने से डेहरी रोहतास निवासी इंजीनियर विनय चंचल जी हमारे मित्र हैं और वह राजनीतिक रूप से राष्ट्रीय जनता दल के साथ है इन्होंने चुनाव में अत्यंत पिछड़ों का समर्थन करने के लिए विभिन्न अत्यंत पिछड़ी जातियों का सम्मेलन अपने संसाधन से कराया और डेहरी डालमिया नगर के विभिन्न मतदान केदो पर पोलिंग एजेंट को आवश्यक जरूर का प्रबंध किया तथा मतदान करने के सहयोग में लगे सैकड़ो कार्यकताओं को अल्पाहार का प्रबंध किया निश्चित रूप से इंजीनियर विनय चंचल जैसे लोगों ने इस लोकतंत्र के संघर्ष में जनता का साथ दिया है जिसके लिए ऐसे लोग बधाई के पात्र हैं' इस लोकतंत्र के लड़ाई में समाचार पत्रों की भूमिका नकारात्मक रही है जो उम्मीदवार पैसे वाले रहे हैं उनके पक्ष में ही समाचार प्रकाशित होते रहे किंतु मैं बधाई देना चाहूंगा दस्तक प्रभात पटना के संपादक प्रभात वर्मा जी को औरंगाबाद नो बिहार दूध के मुख्य संवाददाता जसवंत सिंह जी को तथा शुभ भास्कर के संवाददाता गो ह रणजीत श्रीवास्तव जी एवं गया के धीरज गुप्ता जिन्होंने कामरेड राजाराम के पक्ष में मेरे वक्तव्य को प्रकाशित करने का काम किया तथा यशवंत सिंह जी ने कामरेड राजा राम जी के पक्ष में मेरे बयान को अपने यूट्यूब चैनल पर चलाए मैं इन तमाम पत्रकार साथियों को हृदय से धन्यवाद देना चाहता हूं तथा कामरेड राजाराम सिंह जी को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं और उम्मीद करता हूं की कामरेड राजाराम सिंह जनता की अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष जारी रखेंगे' कामरेड राजा राम सिंह को मेरी ढेर सारी शुभकामनाएं।

राष्ट्रीय सेवा योजना गया कॉलेज परिसर में पौधरोपण किया गया

गया।राष्ट्रीय सेवा योजना, गया कॉलेज, गया के द्वारा 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक वृक्षारोपण अभियान चलाया गया है ।गया कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ सतीश सिंह चंद्र के निर्देश पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम गया कॉलेज परिसर में विभिन्न स्थलों पर पौधों को लगाकर स्वयंसेवकों के द्वारा किया गया है। इस कार्यक्रम का संचालन गया कॉलेज गया के एनएसएस यूनिटस एक के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ राजेश कुमार मिश्र के द्वारा किया गया है।

उन्होंने स्वयंसेवकों को वृक्षारोपण से होने वाले लाभ और विश्व के बढ़ते हुए तापमान को नियंत्रित करने में पेड़ों की भूमिका के बारे में चर्चा की गई है।आज लगातार पृथ्वी का तापमान तेजी से बढ़ रहा है, भारत के विभिन्न स्थानों पर तापमान 48 से 52 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है, इससे पूरी मानवता खतरे में आ गई है। इस खतरे को दूर करने का सबसे आसान और सरल तरीका वृक्षारोपण के माध्यम से देश में हरियाली को बढ़ाना है ताकि वृक्ष ज्यादा से ज्यादा कार्बन को सोख सके और तापमान को नियंत्रित कर सके।

जलवायु परिवर्तन पर होने वाले सम्मेलनो में इस बात पर ज्यादा बल दिया जाता है कि सभी लोग ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करें ताकि मानवता की रक्षा की जा सके। वृक्षारोपण अभियान में स्वयंसेवक एवं स्वयं सेविकाओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसमें आरभ, आर्यन कुमार,सौरव कुमार,राहुल राज,हर्ष कुमार, रोशनी कुमारी, उरूज ताकिर,रोहित रंजन, दिव्या भारती, मो इश्तियाक आलम, समीक्षा राज, शुभम कुमार, प्रिंस कुमार, ज्ञानशीष कुमार ,अमित कुमार ,कुणाल कुमार ,कुंदन कुमार, मोनू कुमार,सत्यम कुमार अभिजीत सिंह, विनायक कुमार राहुल कुमार, शुभम कुमार ,राहुल कुमार ने सहभागिता की है।

सिनेमाघरों में नहीं ओटीटी पर प्रदर्शित होगी सैफ की फिल्म ज्वेल थीफ

सैफ अली खान, जयदीप अहलावत, निकिता दत्ता और कुणाल कपूर अभिनीत फिल्म ज्वेल थीफ- द रेड सन की शूटिंग पूरी हो गई है। फिल्म की शूटिंग खत्म होने के बाद मंगलवार को कुणाल कपूर ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इनमें सैफ अली खान और निकिता भी नजर आ रहे हैं। साथ ही प्रोड्यूसर ममता आहूजा भी कास्ट के साथ तस्वीरों में दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों के साथ कुणाल ने लिखा है, मैं यहां सबसे सीनियर एक्टर हूं, इसलिए मुझे लगता है कि यह एलान भी मुझे करना चाहिए कि शूटिंग पूरी हो गई है। लेकिन, मैं डायरेक्टर हूं और लेडीज फर्स्ट का क्या हुआ! ठीक है चलो सब लोग समझौता कर लें और एक ग्रुप फोटो लें! या इससे भी बेहतर, चलो पूरी यूनिट को एक साथ बुलाएं और कहें कि शूटिंग खत्म हो गई! ज्वेल थीफ- द रेड सन का निर्माण सिद्धार्थ आनंद और ममता आनंद अपने बैनर मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के तहत कर रहे हैं। सिद्धार्थ पठान और फाइटर जैसी फिल्मों के लिए मशहूर हैं। सैफ अली खान और सिद्धार्थ आनंद लंबे समय बाद एक साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले वे सलाम नमस्ते और ता रा रम पम में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म ज्वेल थीफ का निर्देशन रॉबी ग्रेवाल कर रहे हैं। फिल्म की कहानी कथित तौर पर सैफ अली खान और जयदीप अहलावत के पात्रों के बीच एक मनोरंजक लड़ाई के आसपास केंद्रित होगी। रॉबी के साथ सैफ की यह पहली फिल्म है। जानकारी के मुताबिक ज्वेल थीफ- द रेड सन चैप्टर सीधा ओटीटी पर रिलीज की जाएगी।

'चंदू चैंपियन' में भाग्यश्री बोरसे को मिला बड़ा मौका

निर्देशक जोड़ी विनय सप्रू और राधिका राव की फिल्म 'यारियां 2' में एक दमदार किरदार निभाकर चर्चा में आईं अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे को निर्देशक कबीर खान की जल्द रिलीज होने जा रही फिल्म 'चंदू चैंपियन' में बड़ा मौका मिला है। भाग्यश्री इन दिनों साउथ सिनेमा के चर्चित अभिनेता रवि तेजा के साथ फिल्म 'मिस्टर बच्चन' कर रही हैं जिसके एक शेड्यूल की शूटिंग लखनऊ में भी हुई है। फिल्म 'चंदू चैंपियन' के बारे में भाग्यश्री बोरसे ने तो अभी तक कुछ कहा नहीं है और फिल्म के हीरो कार्तिक आर्यन भी अरसे से किसी भी हीरोइन के बारे में कुछ भी कहने से बचते ही रहे हैं। लेकिन, 'अमर उजाला' से एक खास बातचीत में कार्तिक ने माना कि भाग्यश्री बोरसे बहुत ही प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं। फिल्म 'चंदू चैंपियन' में भाग्यश्री का किरदार कहानी के एक अहम मोड़ पर आता है जिसके बाद फिल्म की कहानी के सफर का रास्ता ही बदल जाता है। फिल्म के ट्रेलर में दो मिनट 26 सेकंड पर बस एक फ्रेम में दिखने वाली भाग्यश्री ने ये दृश्य अपने सोशल मीडिया पेज पर भी साझा किया है। कार्तिक की करीब दो साल चली ट्रेनिंग के बाद बनी इस फिल्म का ट्रेलर जब से आया है, लोग इस ट्रेलर में दिखी हीरोइन के बारे में खूब पूछताछ करते रहे हैं। जिन लोगों ने फिल्म 'यारियां 2' देखी है, उन्होंने तो इस फिल्म में राजलक्ष्मी बनी भाग्यश्री को तुरंत पहचान लिया। 'यारियां 2' में भी भाग्यश्री का छोटा सा कैमियो फिल्म की लीड अभिनेत्री दिव्या खोसला पर भारी पड़ा था। अब भारत-पाकिस्तान के बीच हुए 1965 के युद्ध में भारतीय सेना की तरफ से लड़े मुरलीकांत पेटकर नामक फौजी की असल कहानी पर बनी फिल्म 'चंदू चैंपियन' में भाग्यश्री बोरसे के किरदार का खुलासा जैसे जैसे हो रहा है, फिल्म के निर्माता साजिद नाडियडवाला और निर्देशक कबीर खान भी इसका आनंद ले रहे हैं।

ताहा शाह में दिखी सुशांत सिंह की झलक, अभिनेता बोले मुझे पता है आउटसाइडर का दर्द

बॉलीवुड में नाम कमाना और उस कमाए हुए नाम को बरकरार रखना बहुत बड़ी बात है। खासकर जब आप इंडस्ट्री के बाहर से आते हैं। आउटसाइडर के लिए बॉलीवुड में ब्रेक मिलना ही बहुत बड़ी बात होती हैं, लेकिन फिर भी फिल्म इंडस्ट्री के कुछ बड़े नाम इन्हीं आउटसाइडर में से आते हैं। हीरामंडी में अहम भूमिका निभा चुके ताहा शाह भी इन्हीं आउटसाइडर की लिस्ट में शामिल हैं। हाल ही में नेटिजन्स ने उन्हें एक नया नाम और टैग दिया है चलिए जानते हैं इस पर अभिनेता ने क्या कहा है। हीरामंडी स्टार ताहा शाह इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। दर्शकों को हीरामंडी में उनका काम काफी पंसद आया है। ताहा शाह ने अपने करियर की शुरुआत यशराज फिल्म्स की फिल्म लव का द एंड से किया था। इस फिल्म में वे श्रद्धा कपूर के साथ नजर आए थे, लेकिन उन्हें वह सफलता नहीं मिली जो हीरामंडी से मिली है। अब नेटिजन्स उन्हें नया सुशांत सिंह राजपूत कह रहे हैं। नेटिजन्स को लगता है कि ताहा भी सुशांत की तरह ही इंडस्ट्री के बाहर से आए हैं और अपना नाम बना रहे हैं। ताहा शाह सुशांत सिंह राजपूत से अपनी तुलना किए जाने को लेकर काफी खुश हैं। अभिनेता ने कहा, मैं निजी तौर पर सुशांत सिंह राजपूत को जानता था। मैंने उनके संघर्षों को देखा है और मैं खुश हूं कि लोगों को मुझ में उनकी झलक दिख रही है। ताहा शाह अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, मैं जानता हूं एक आउटसाइडर के लिए यहां काम कर पाना कितना कठिन होता है। मुझे लोगों ने मैसेज किया कि उन्हें मुझे देखकर सुशांत की याद आई। मैं बता नहीं सकता हूं कि मुझे कितना अच्छा लगा यह सुनकर। मैं कोशिश करूंगा कि मैं उनकी विरासत को आगे ले जा सकूं और दर्शक मुझे भी वही प्यार दें जो उन्होंने सुशांत सिंह को दिया था।

पिछले 5-6 साल से बेहद धार्मिक हो गई हूं

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने कहा है कि पिछले पांच-छह सालों से वे बेहद धार्मिक हो गई हैं। जान्हवी ने कहा कि इस साल अब तक तीन बार तिरुपति जा चुकी हैं और अपनी दिवंगत मां श्रीदेवी की बर्थ एनिवर्सरी पर वो एक बार फिर तिरुपति बालाजी के दर्शन करने जाएंगी। श्रीदेवी का बर्थ डे 13 अगस्त को आता है। इंटरव्यू में जान्हवी ने कहा, पिछले पांच-छह सालों से धर्म के प्रति मेरा काफी झुकाव हुआ है। मेरी धर्म, अध्यात्म और भगवान बालाजी में दिलचस्पी बढ़ गई है। जब बुलावा आता है तो मुझे अंदर से फीलिंग आती है कि मुझे तिरुपति जाना है और भगवान के दर्शन करने हैं। तिरुपति बालाजी में जान्हवी की आस्था की एक झलक दिखाते हुए उनके दोस्त ऑरी ने कुछ समय पहले एक वीडियो शेयर किया था जिसमें एक्ट्रेस घुटने के बल मंदिर की सीढ़ियां चढ़ते दिखाई दी थीं। दरअसल, जान्हवी मार्च में अपने जन्मदिन के मौके पर ऑरी और बॉयफ्रेंड शिखर के साथ तिरुपति गई थीं।

ऋचा चड्ढा ने अली फजल के साथ अंतरधार्मिक विवाह पर तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा और अली फजल जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करेंगे। फुकरे के सेट पर पहली बार मिले इस जोड़े ने 2020 में कोरोना महामारी के दौरान शादी कर ली, लेकिन 2022 में अपने करीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ अपने मिलन का जश्न मनाया। ऋचा और अली अलग-अलग धर्मों से आते हैं। इस कारण दोनों को काफी आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा था। अब खुद ऋचा ने इन आलोचनाओं पर चुप्पी तोड़ते हुए अपनी बात रखी है।

एक इंटरव्यू में ऋचा चड्ढा ने शादी पर नेटिजन्स की ओर से मिली आलोचनाओं पर कहा, अगर आप अपनी पसंद के साथ दृढ़ हैं और आपका परिवार आपके साथ है और आपका समर्थन करता है, तो वास्तव में कोई और मायने नहीं रखता। जैसा कि मैंने कहा, एक इंसान पहले एक इंसान होता है और जब आप प्यार में पड़ जाते हैं, तो आपकी खोज में कोई फिल्टर नहीं होता है। जब आप प्यार में पड़ते हैं, तो यही होता है। उसी बातचीत में, जब ऋचा चड्ढा से उनके रिश्ते के शुरुआती दिनों में अक्सर रेस्तरां में जाने के बारे में पूछा गया, तो ऋचा ने याद किया कि वह नहीं चाहती थीं कि उनके परिवार को प्रेस के माध्यम से पता चले कि वह अली को डेट कर रही हैं। अभिनेत्री ने बात में जोड़ा, मैं नहीं चाहती थी कि मेरे परिवार को प्रेस से पता चले। आप जानते हैं, हमारे भी परिवार हैं। जब मैं घर पर अपने परिवार के साथ इस पर चर्चा करने के लिए तैयार थी, तब मैंने सोचा कि मैं अभी बाहर आऊंगी। ऋचा ने कहा कि उन्होंने और अली ने अपने रिश्ते की घोषणा करने का फैसला तब किया जब वह वेनिस फिल्म फेस्टिवल में विक्टोरिया एंड अब्दुल के प्रीमियर के लिए उनके साथ यात्रा करना चाहती थीं। ऋचा ने बताया, मुझे याद है कि मुझे जूडी डेंच के साथ वेनिस फिल्म फेस्टिवल (विक्टोरिया एंड अब्दुल) के लिए उनका प्लस वन बनने के लिए यात्रा करनी पड़ी थी। इसी दौरान मैंने अली से कहा कि चलो अपने परिवार को अपने रिश्ते के बारे में बताए। ऋचा चड्ढा ने पहले साझा किया था कि उन्होंने और अली फजल ने 2020 में विशेष विवाह अधिनियम के तहत शादी कर ली थी, लेकिन महामारी के कारण किसी को पता नहीं चला कि उन्होंने शादी कर ली है। उन्होंने एक अन्य इंटरव्यू के दौरान साझा किया था, हमने विशेष विवाह अधिनियम के तहत शादी की, पारिवारिक अदालत बिल्कुल पास में है और यह अत्यंत शांतिपूर्ण था। जानकारी हो कि ऋचा चड्ढा इन दिनों संजय लीला भंसाली की डेब्यू वेब सीरीज हीरामंडी में अपने लज्जो के किरदार के लिए तारीफें बटोर रही हैं।

शेखर सुमन ने अध्ययन को दी सलाह, बोले- इंडस्ट्री में सबके हिस्से में संघर्ष आता है

अभिनेता शेखर सुमन और उनके बेटे अध्ययन इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। पिता-पुत्र की यह जोड़ी सुमन ने संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित शो हीरामंडी में नजर आए। इस शो में दर्शकों ने दोनों प्रदर्शन को काफी सराहा है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अध्ययन सुमन अपनी असफलताओं का जिक्र करते नजर आए। उनके साथ उस साक्षात्कार में शेखर सुमन भी मौजूद थे। उन्होंने अपने बेटे को क्या सलाह दी आइए जानते हैं।

छोटे पोस्टर को देख हुआ दुख

अध्ययन सुमन ने बतौर हीरो अपने करियर की शुरुआत किया था, लेकिन एक के बाद एक उनकी फिल्में फ्लॉप करती चली गई। अपने फ्लॉप फिल्मों के बारे में बातें करते हुए अध्ययन कहते हैं, एक दौर था जब पोस्टर पर मेरी तस्वीर सबसे बड़ी हुआ करती थी। धीरे-धीरे मैं पोस्टर से गायब होने लगा। मेरी तस्वीर छोटी होने लगी। यह देखकर मुझे काफी दुख होता था।

हारना नहीं होता है

अध्ययन सुमन की टिप्पणी को सुनकर शेखर सुमन ने उन्हें सलाह देते हुए बोले, संघर्ष सबके हिस्से में आता है। हमें हारना नहीं होता है। दूसरे लोगों की यात्रा को देखकर हमें सीखना और खुद को समझाना होता है। हमेशा अपनी गलतियों से सीखते हुए जिंदगी में आगे बढ़ना होता है।

कैटरीना कैफ की सीखा जा सकता है

शेखर सुमन आगे कहते हैं, आप कैटरीना कैफ को देखिए। जब वे फिल्म बूम में आई थीं तब वे न तो ठीक से अपने डायलॉग बोल पाती थीं, न ही डांस कर पाती थीं और आज देखिए वे कहां हैं। उन्होंने राजनीति और जिंदगी ना मिलेगी दोबारा में कितना शानदार काम किया है। आप उनकी इन फिल्मों को देखकर कह ही नहीं सकते हैं कि ये बूम वाली अभिनेत्री हैं। ऐसे ही खो गए हम कहां से पहले तक अनन्या पांडे को काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता था, लेकिन आज सब उनकी एक्टिंग तारीफ करते नजर आते हैं। इसलिए हमें हारना नहीं होता है बस सीखना होता है।

शोनाली बोस निर्देशित फैमिली ड्रामा फिल्म में नजर आएंगी रानी मुखर्जी!

रानी मुखर्जी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। रानी आखिरी बार फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे में नजर आई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रानी जल्द ही एक फैमिली ड्रामा फिल्म में नजर आ सकती हैं। रानी की फैमिली ड्रामा फिल्म को शोनाली बोस निर्देशित करेंगी। फैमिली ड्रामा फिल्म की शूटिंग सितंबर से शुरू की जाएगी। शोनाली की इस फिल्म में रानी के अपोजिट किस अभिनेता को लिया जाएगा। इसका फैसला होना अभी बाकी है मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रानी मुखर्जी और अनिल कपूर जल्द ही फिल्म नायक 2 की शूटिंग शुरू करेंगे।

व्यापार

सेंसेक्स 74382.24 पर बंद
निफ्टी 22620.35 पर बंद

सोना 72,167
चांदी 90,092

अडानी ने गंवाया 208129 करोड़ और रुतबा, मुकेश अंबानी को 75144 करोड़ का झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के नतीजों में किसी भी सिंगल पार्टी को बहुमत नहीं मिलने से शेयर मार्केट सोमवार को धराशायी हो गया। अधिकांश स्टॉक्स जमीन पर आ गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी लुढ़के और अडानी ग्रुप के शेयर तो धड़ाम हो गए। इससे निवेशकों के पैसे तो डूबे ही, अडानी-अंबानी की संपत्ति में भी सेंध लग गई। गौतम अडानी को एक ही दिन में 24.9 अरब डॉलर (करीब 208129 करोड़) का झटका लगा। जबकि, मुकेश अंबानी को करीब 9 अरब डॉलर (75144) का नुकसान हुआ।

एग्जिट पोल्स के बाद बाजार चढ़ा तो अडानी सोमवार को दुनिया के अरबपतियों में टॉप गेनर थे। मंगलवार को रिजल्ट डे के दिन टॉप लूजर बन गए। अडानी 100 अरब डॉलर क्लब से बाहर हो गए। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक अडानी की कुल संपत्ति अब 97.5 अरब डॉलर रह गई है। वह अरबपतियों की रैंकिंग में 3 पायदान लुढ़क कर 15वें स्थान पर आ गए हैं। अडानी की दौलत और रुतबा घटने के पीछे उनकी कंपनियों के शेयर हैं। अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयर मंगलवार को औंधेमुंह गिरे। अडानी पावर 17.55 फीसद, अडानी एंटरप्राइजेज 19.07 फीसद, अडानी पोर्ट 21.40 फीसद, अडानी टोटल गैस 18.53 फीसद और अडानी ग्रीन एनर्जी करीब 20 फीसद टूटा। अडानी विल्मर में 10 फीसद की गिरावट आई। अडानी एनर्जी सॉल्यूशन में 20 फीसद का लोअर सर्किट लगा। इसके अलावा एसीसी, एनडीटीवी और अंबुजा सीमेंट भी धराशायी हो गए। इसका असर अडानी की दौलत पर पड़ा।

अंबानी ने दौलत गंवाई, रुतबा बढ़ा

शेयर बाजार में आई सुनामी में मुकेश अंबानी के 8.99 अरब डॉलर डूब गए। अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 6.76 पर्सेंट टूटे। इससे उनकी संपत्ति में गिरावट दर्ज की गई। इससे अंबानी की दौलत भले ही कम हुई लेकिन, दुनिया के अरबपतियों में उनका रुतबा कम नहीं हुआ बल्कि और बढ़ गया। अमीरों की लिस्ट में अंबानी 11वें स्थान पर हैं। अडानी से एक बार फिर उन्होंने एशिया के सबसे रईस का ताज छीन लिया है।

32 करोड़ टन से ज्यादा होगा खाद्य उत्पादन, तीसरे अग्रिम अनुमान में गेहूं की रिकॉर्ड पैदावार की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने देश में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन की उम्मीद जताई है। 11.29 करोड़ टन गेहूं पैदा हो सकता है। जबकि कुल खाद्यान्न 32 करोड़ टन से ज्यादा हो सकता है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2023-24 के प्रमुख कृषि फसलों के उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान में कहा, चावल उत्पादन इस दौरान 13.67 करोड़ टन रह सकता है। मंगलवार को जारी अनुमान के मुताबिक, मक्का का उत्पादन 3.57 करोड़ टन, श्री अन्न का 1.74 करोड़ टन, अरहर का 33.85 लाख टन और चना का 1.16 करोड़ टन उत्पादन हो सकता है। तिलहन 3.96 करोड़ टन, सोयाबीन 1.30 करोड़ टन, रेपसीड और सरसों का 1.31 करोड़ टन उत्पादन हो सकता है। गन्ना का उत्पादन 44.25 करोड़ टन, कपास का 3.25 करोड़ टन और जूट का 92.59 लाख टन हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

रॉक्स हाईटेक लिमिटेड की वित्त वर्ष 24 की आय 32 प्रतिशत बढ़ी जबकि शुद्ध लाभ 38 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई , एजेंसी। ग्राहक केंद्रित आईटी सॉल्यूशंस प्रदाता, रॉक्स हाईटेक लिमिटेड (एनएसई क्क्रॉक्स हाईटेक) ने वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है.इस पर टिप्पणी करते हुए रॉक्स हाईटेक लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री जिम राकेश ने कहा, हमारा उल्लेखनीय प्रदर्शन उत्कृष्टता के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है. क्लाइंट की बढ़ती मांग पूरी करने में हमारा निपुण टेक्निकल प्रोवेश हमारे बिजनेस की सफलता की आधारशिला है. दो दशक से अधिक के अनुभव के साथ हमने स्वयं को व्यूहात्मक रूप से आईटी उद्योग की उभरती जरूरतों का समाधान करने की स्थिति में पहुंचाया है.

हमारे शानदार प्रदर्शन के अलावा मैंने सहर्ष एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के लिए डाटा और डाटाबेस माइग्रेशन को शामिल करते हुए एक डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन डील प्राप्त किया है. इस क्षेत्र में हमारा प्रवेश भावी ग्रोथ और विस्तार के लिए विभिन्न संभावनाएं शुरू होने का संकेत है. यह उपलब्धि आईटी उद्योग में निरंतर सफलता के लिए आधारशिला रखते हुए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन प्रयासों के लिए विश्वसनीय सहयोगी के रूप में रॉक्स हाईटेक लिमिटेड की ख्याति को और बढ़ता है. इसके अतिरिक्त रॉक्स को यूरो ग्रुप द्वारा उनके बिजनेस प्रोसेस ऑटोमेशन के लिए पसंदीदा वेंडर के रूप में चुना गया है. यह सफलता कॉम्पलेक्स आईटी प्रोजेक्ट्स हैंडल करने में रॉक्स की एक्सपर्टीज को रेखांकित करती है और हमारे क्लाइंट के लिए उद्देश्यपूर्ण आईटी सॉल्यूशन डिलीवर करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करती है.

नाइनटेक सिस्टम्स का वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में स्टैंडअलोन मुनाफा 159 प्रतिशत बढ़ा, मार्जिन में 800 बीपीएस का उछाल

मुंबई, एजेंसी। सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और सॉल्यूशंस में सुविज्ञता रखने वाली नेक्स्टक्क्जेन टेक कंपनी, नाइन टेक सिस्टम्स लिमिटेड (एनएसईक्नाइंसिस /बीएसई 539843) ने वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए नाइनटेक सिस्टम्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री नीरज गेमावत ने कहा, हम सहर्ष हमारे वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 24 के परिणामों की घोषणा करते है. हमारा फोकस इनोवेशन को आगे बढ़ाने और विश्वभर के क्लाइंट को अपवादात्मक वैल्यू प्रदान करने पर बना हुआ है. गत वर्ष नाइनटेक के लिए परिवर्तनकारी रहा है. हमने व्यूहात्मक रूप से हमारी टेक्नोलॉजिकल क्षमताएं बढाई है और हमारे टैलेंट पूल का विस्तार किया है जिससे हम मार्केट के लिए अग्रणी सॉल्यूशंस लाने में समर्थ हुए है, जो हमारे ग्राहकों की बढ़ती हुई जरूरत पूरी करता है. इसके अतिरिक्त हमने यूरोप में हमारी उपस्थिति बढ़ाने के लिए नीदरलैंड्स में एक सब्सिडियरी की स्थापना की है. हमारा शानदार वित्तीय प्रदर्शन ना सिर्फ हमारी ऑपरेशनल ऑपरेशनल उत्कृष्टता के प्रति हमारे समर्पण को बल्कि हमारे क्लाइंट द्वारा हमारे प्रति दर्शाए गए मजबूत विश्वास को भी दर्शाता है. आगे देखने पर हम क्षितिज पर ग्रोथ सुअवसर के बारे में रोमांचित है. हमने हमारी सर्विस आफरिंग को निरंतर बढ़ाने और नए बाजारों में विस्तार करने की योजना बनाई है. उत्कृष्टता पीछे लगे रहने के हमारे अथक प्रयास के साथ हमारी व्यूहात्मक पहल ने आगामी वर्षों मे निरंतर ग्रोथ और लाभप्रदता के लिए हमें बेहतर स्थिति में पहुंचा है. मैं हमारे कर्मचारियों के प्रति उनके दृढ़ फैशन और समर्पण के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूं, जो हमारी सफलता के पीछे का वास्तविक ड्राइविंग फोर्स है.

रेलवे ने दिया जीपीटी इंफ्राप्रोजेक्ट्स को 547 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। जीपीटी इंफ्राप्रोजेक्ट्स के शेयर के शेयर आज फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज मंगलवार को 4.9 पर्सेंट चढ़कर 239 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ा ऑर्डर है। दरअसल, कंपनी को रेल विकास निगम से 547 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। इसके बाद से शेयरों में तेजी देखी जा रही है।

एलिवेटेड कॉरिडोर के वायाडक्ट हिस्से, रोड ओवर ब्रिज और निकास/प्रवेश रैंप के निर्माण के लिए एक ऑर्डर दिया गया है। इसके अलावा इसमें एनएचएआई कार्यालय भवन के निर्माण और विद्युतीकरण और प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य विविध कार्य शामिल हैं। यह इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) मोड पर पश्चिम बंगाल में छह-लेन एलिवेटेड कोना एक्सप्रेसवे के सात किलोमीटर के हिस्से के लिए है। कंपनी के लिए बकाया ऑर्डर बुक अब 3,646 करोड़ रुपये है, जिसमें वित्त वर्ष 2025 के लिए कुल ऑर्डर प्रवाह 674 करोड़ रुपये है। इसका 52 वीक हाई प्राइस 265 रुपये है। वहीं, 52 वीक का लो प्राइस 55.72 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 1,297.24 करोड़ रुपये है। जीपीटी इंफ्राप्रोजेक्ट्स एक रेलवे केंद्रित बुनियादी ढांचा कंपनी है, जो नागरिक और इंफ्रा परियोजनाओं खासकर रेलवे के लिए बड़े पुलों और आरओबी और सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए सड़कों के एग्जिक्यूट में सक्रिय है।

96 प्रतिशत टूटकर 12 रुपये पर आ गया जेपी ग्रुप का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेपी एसोसिएट्स) के शेयर लगातार लुढ़क रहे हैं। कंपनी के शेयर बुधवार को 10 पर्सेंट की गिरावट के साथ 11.99 रुपये पर पहुंच गए हैं। जेपी एसोसिएट्स के शेयरों में मंगलवार को भी तेज गिरावट देखने को मिली थी। दरअसल, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने 3 जून को जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के खिलाफ आइसीआइसीआइ बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की इनसॉल्वेंसी याचिका को स्वीकार कर दिया है। जेपी एसोसिएट्स के शेयर अपने ऑल टाइम हाई लेवल से करीब 96 पर्सेंट टूट गए हैं।

जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेपी एसोसिएट्स) के शेयरों में पिछले कुछ सालों में तेज गिरावट आई है। कंपनी के शेयर 11 जनवरी 2008 को 297.60 रुपये पर थे। जेपी एसोसिएट्स के शेयर 5 जून 2024 को 11.99 रुपये पर आ गए हैं। इस अवधि में कंपनी के शेयरों में 96 पर्सेंट के करीब गिरावट देखने को मिली है। जेपी एसोसिएट्स के शेयरों में पिछले 1 महीने में 36 पर्सेंट के करीब गिरावट आई है। कंपनी के शेयर 6 मई 2024 को 18.72 रुपये पर थे, जो कि 5 जून 2024 को 11.99 रुपये पर आ गए हैं। कंपनी के शेयरों में गिरावट से जुड़े अपने कैलकुलेशन में हमने जेपी एसोसिएट्स की तरफ से दिए गए बोनस शेयरों को शामिल नहीं किया है।

आईसीआईसीआई बैंक ने इनसॉल्वेंसी की कार्यवाही साल 2018 में शुरू की थी और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया साल 2022 में इस प्रोसेस से जुड़ा। जयप्रकाश एसोसिएट्स के ऊपर 17,700 करोड़ रुपये का कर्ज है। ब्याज मिलाकर यह कर्ज 29361 करोड़ रुपये हो गया है। आइसीआइसीआइ क्क्वुठ्ठद्म, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और आईडीबीआई बैंक की अगुवाई वाले कंसोर्शियम का जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड में एक्सपोजर है। कंसोर्शियम में 22 लेंडर्स शामिल हैं। हालिया गिरावट के बाद भी जयप्रकाश एसोसिएट्स के शेयरों में पिछले 4 साल में 705 पर्सेंट के करीब उछाल आया है। जेपी एसोसिएट्स के शेयर 5 जून 2020 को 1.49 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 5 जून 2024 को 11.99 रुपये पर पहुंच गए हैं।

एशियन पेंट्स ने 'नियोभारत द्वारा पेश की गयी स्कॉलरशिप' लॉन्च की

एशियन पेंट्स ने नियोभारत की ओर से दी जाने वाली क्रिकेट स्कॉलरशिप के साथ नए क्रिकेटरों के लिए राह आसान कर दी है

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ीपेंट और डेकॉर कंपनी, एशियन पेंट्स, ने 5 से 14 साल*के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों को ध्यान में रखकर'नियोभारत द्वारा पेश की गयी स्कॉलरशिप' लॉन्च की। यह पहल उनके ब्रांड के सिद्धांत - 'हर घर खेलेगा, हर घरखिलेगा को दर्शाती है, इससे हर घर में प्रगति और विकास के अवसर पहुंचाने के उनके गंभीर संकल्प का पता चलता है। इस नए अभियान के ब्रांड एंबेसडर विराट कोहली के साथ, एशियन पेंट्स का लक्ष्य माता-पिता और बच्चों को इस अवसर का लाभ उठाने और क्रिकेट स्कॉलरशिप के लिए नाम लिखवाने के लिए प्रेरित करना है।

यह पहल टियर 2 और टियर 3 मार्केट में भारतीयों की उम्मीदों को मजबूत बनाने के नियोभारत के विचार का हिस्सा है। इसका उद्देश्य उभरती हुई क्रिकेट प्रतिभाओं को खोजना और उनको सुविधाएं उपलब्ध कराना है ताकि उन्हें अपने खेल को बेहतर बनाने और अपने जुनून को आगे बढ़ाने का मौका मिल सके। नियोभारत द्वारा दी जाने वाली इस क्रिकेट स्कॉलरशिप में 100 होनहार युवाओं में से प्रत्येक को 2 लाख रुपये की स्कॉलरशिप मिलेगी। प्रतियोगियों का मूल्यांकन दो पूर्व क्रिकेटरों द्वारा, खेल के प्रोफेशनल सेटअप में हुनर के आधार पर किया जाएगा। नियोभारत क्रिकेट स्कॉलरशिप पर बात करते हुए, एशियन पेंट्स के एमडी और सीईओ, अमित सिंगल, ने कहा, एशियन पेंट्स में हमारा लक्ष्य यही है कि हम घरों को सुंदर बनाने में लोगों की मदद करके उनके जीवन में खुशियां लाएं। नियोभारत के साथ प्रगतिशील भारत की आकांक्षाओं को समर्थन देकर हम इस कैटेगरी को सभी लोगों तक पहुंचा रहे हैं। नियोभारत द्वारा दी जाने वाली यह क्रिकेट स्कॉलरशिप बदलाव और आगे बढ़ने में योगदान देने के हमारे संकल्प को दर्शाती है। इस पहल के माध्यम से, हमारा लक्ष्य उभरते क्रिकेटरों को ऐसी विरासत बनाने के लिए मजबूती देना है जो हर भारतीय घर की भावना को दिखाए। क्रिकेट स्कॉलरशिप पर बनी यह ऐड फिल्म इस भावना को ही दिखाती है। इसकी शुरुआत बच्चों द्वारा क्रिकेट खेलने की तैयारी से होती है और उनका स्वागत महान क्रिकेटर विराट कोहली करते हैं। उनकी मौजूदगी से एक नयी उम्मीद जगती है क्योंकि वह युवा खिलाड़ियों को नए भारत की चमक को निखारने के लिए प्रेरित करते हैं। नियोभारत पेंट की बदलाव लाने की क्षमता के प्रतीक के रूप में, कोहली अपने पेंट ब्रश के एक स्ट्रोक से फीकी इमारत की दीवारों में जान भर देते है, जिससे शहर में एक नई ऊर्जा आ जाती है। यह ऐड फिल्म नियोभारत द्वारा दी जाने वाली क्रिकेट स्कॉलरशिप से घरों में बदलाव आने और क्रिकेट प्रतिभा में निखार को दर्शाती है तथा युवा एथलीटों के जीवन को बदलने का मौका देती है। हमारी ऐड फिल्म, जिसके एम्बेसडर विराट कोहली हैं, नियोभारतद्वारा दी जाने वाली क्रिकेट स्कॉलरशिप के माध्यम से भारत के सपनों को पंख देने की हमारी महत्वाकांक्षा को खूबसूरती से दर्शाती है।

10 देशों के पास है दुनिया में सबसे ज्यादा सोना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल में यूके में रखें गोल्ड में 100 टन भारत में वापस मंगवा लिया। आरबीआई के इस कदम के बाद हर कोई जानना चाहता है कि दुनिया में सबसे ज्यादा सोना किस देश के पास है। आज हम आपको टॉप-10 देशों के बारे में बताएंगे जिनके पास सबसे ज्यादा गोल्ड रिजर्व है। सोने का सबसे ज्यादा भंडार अमेरिका के पास है। गोल्ड रिजर्व वाले देशों की लिस्ट में अमेरिका टॉप पर आता है। अमेरिका के पास लगभग 8133.46 टन सोना है। गोल्ड रिजर्व में दूसरे नंबर पर जर्मनी आता है। जर्मनी के पास करीब 3352.31 टन सोना है। पिछले कारोबारी साल की आखिरी तिमाही में फ्रांस के गोल्ड रिजर्व में कमी आई थी। आखिरी तिमाही में कमी आने के बावजूद गोल्ड रिजर्व की लिस्ट में फ्रांस चौथे नंबर पर आता है। फ्रांस के पास करीब 2,436.88 टन गोल्ड है। लिस्ट में पांचवें नंबर पर रूस आता है।

सुरक्षा ग्रुप ने जेपी इंफ्राटेक का किया टेकओवर, जल्द पूरा होगा 20,000 होमबायर्स का सालों पुराना सपना

नई दिल्ली, एजेंसी। 20,000 से ज्यादा होमबायर्स बड़ी राहत मिली। सुरक्षा ग्रुप ने जेपी इंफ्राटेक का अधिग्रहण कर लिया है। आपको बता दें कि जेपी इंफ्राटेक कर्ज में डूब गई थी। अब सुरक्षा ग्रुप के टेकओवर करने के बाद होमबायर्स को राहत मिलेगी। उम्मीद है कि इस टेकओवर के बाद जल्द ही दिल्ली-एनसीआर में रुकी हुई आवास परियोजनाएं दोबारा शुरू हो जाएगी। प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए सुरक्षा ग्रुप अब 125 करोड़ रुपये का फंड लगाएगा।

यह अधिग्रहण दिवालिया अपीलीय न्यायाधिकरण के 24 मई के फैसले के बाद हुआ है। एनसीएलटी के फैसले में जेपी इंफ्राटेक के अधिग्रहण के लिए सुरक्षा रियल्टी की बोली को बरकरार रखा गया था, जबकि उसे किसानों के मुआवजे के रूप में अतिरिक्त 1,334 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। जेपी इंफ्राटेक द्वारा एक नियामक फाइलिंग के अनुसार सुरक्षा ग्रुप ने आईएमसी (कार्यान्वयन और निगरानी समिति) को सूचित किया कि 24 मई, 2024, यानी, एनसीएलएटी आदेश की तारीख को अनुमोदन तिथि के रूप में माना जाना चाहिए। आईएमसी ने मंगलवार को हुई अपनी बैठक में गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में सुधीर वी वालिया की नियुक्ति को मंजूरी दे दी। बोर्ड ने कार्यकारी निदेशक के रूप में आलोक चंपक दवे और स्वतंत्र निदेशक के रूप में उषा अनिल कदम की नियुक्ति को भी मंजूरी दी। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि सुरक्षा ग्रुप 15 जून तक जेपी इंफ्राटेक में 125 करोड़ रुपये का इक्विटी फंड लगाएगा और जल्द ही निर्माण प्रक्रिया शुरू करेगा।

सर्विस सेक्टर की ग्रोथ पर भीषण गर्मी का असर, 5 महीने के निचले स्तर पर पीएमआई

नई दिल्ली, एजेंसी। कड़ी प्रतिस्पर्धा, मूल्य दबाव और भीषण गर्मी के कारण मई में भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर पांच महीने के निचले स्तर पर आ गई। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों से नए ठेकों में एक दशक में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक मई में गिरकर 60.2 पर आ गया जो पिछले साल दिसंबर के बाद से सबसे निचला स्तर है। अप्रैल में यह 60.8 पर था। खरीद प्रबंधक सूचकांक की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। मई के आंकड़ों से सामने आया कि नए व्यवसाय में मजबूत वृद्धि ने भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में उत्पादन वृद्धि को बल देना जारी रखा है। सर्वेक्षण के अनुसार, एक और सकारात्मक बात यह रही कि कारोबारी विश्वास में आठ महीनों में सबसे अधिक वृद्धि हुई है। बिक्री में बढ़ोतरी, उत्पादकता में तेजी और मांग में मजबूती से वृद्धि को समर्थन मिला।

मारुति सुजुकी की एनर्जी सेक्टर में एंट्री, नवीकरणीय ऊर्जा प्रोजेक्ट में 450 करोड़ रुपये का करेगा निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। मारुति सुजुकी इंडिया ने बताया कि वह सौर ऊर्जा और बायोगैस से जुड़ी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश करेगा। कंपनी ने तीन साल की अवधि में 450 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। एफवाय24 में कंपनी ने वर्टिकल में 120.8 करोड़ रुपये का निवेश किया था। कंपनी ने एक बयान में कहा कि कंपनी वित्त वर्ष 2025 से शुरू होने वाले तीन वर्षों में इस निवेश को लगभग चार गुना बढ़ाकर 450 करोड़ रुपये तक पहुंचाएगी। मारुति सुजुकी के प्रबंध निदेशक और सीईओ हिसाशी टेकुची ने कहा जैसा कि हम 2030-31 तक अपनी उत्पादन क्षमता लगभग 2 मिलियन से बढ़ाकर 4 मिलियन कर रहे हैं। ऐसे में हम

अपने परिचालन में टिकाऊ और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की हिस्सेदारी बढ़ाने के प्रयासों में भी तेजी ला रहे हैं। जिस तरह कंपनी उत्पादों में कई प्रौद्योगिकियां ला रही है, उसी तरह वह परिचालन को हरित बनाने के लिए कई नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर भी ध्यान केंद्रित करेगी। कंपनी ने कहा कि उसने घरेलू खाद्य अपशिष्ट की अप्रयुक्त क्षमता का उपयोग करते हुए वित्त वर्ष 2025 में अपनी मानेसर सुविधा में एक पायलट बायोगैस प्लांट शुरू किया है। इस प्लांट को प्रतिदिन 0.2 टन बायोगैस का उत्पादन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पोंटिंग बोले- वार्नर 'स्वाभाविक विजेता', आप उन्हें टीम में रखना चाहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर मौजूदा टी20 विश्व कप के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत करेंगे। पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने इस अनुभवी बल्लेबाज को 'स्वाभाविक विजेता' बताया और कहा कि 37 वर्षीय वार्नर के संन्यास लेने के बाद उन्हें ही नहीं उनके द्वारा बनाए गए रनों के लिए याद किया जाएगा। वनडे और टेस्ट क्रिकेट को पहले ही अलविदा कह चुके वार्नर ने इस साल की शुरुआत में पुष्टि की थी कि 2024 का टी20 विश्व कप उनके शानदार करियर का समापन होगा। उन्होंने अपना अंतिम वनडे मैच 2023 में भारत के खिलाफ विश्व कप में खेला था जबकि उनका टेस्ट करियर पाकिस्तान के खिलाफ शानदार घरेलू सीरीज के साथ समाप्त हुआ जिसमें उन्होंने एक शतक और एक अर्धशतक लगाया।

ऑस्ट्रेलिया के टी20 विश्व कप अभियान के समाप्त होने पर वॉर्न का राष्ट्रीय कर्तव्य से चरण-दर-चरण संन्यास पूरा हो जाएगा। पोंटिंग ने कहा, वह एक ऐसा खिलाड़ी है जिसे आप अपनी टीम में रखना चाहते हैं, खास तौर पर विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में। और वह उन स्वाभाविक विजेताओं में से एक है। वह जो कुछ भी करता है, वह जीतना चाहता है। आप मैदान में उसके रवैये और उसके क्रिकेट खेलने के तरीके से यह देख सकते हैं। इसलिए वार्नर के चले जाने के बाद हम सिर्फ रन बनाने से ज्यादा कुछ खो देंगे। लेकिन उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की गहराई इतनी अच्छी है कि कोई ऐसा व्यक्ति आ सकता है जो उस कमी को पूरा कर सके।

पैट कमिंस मेजर लीग क्रिकेट से जुड़े, इस टीम से किया चार साल का करार

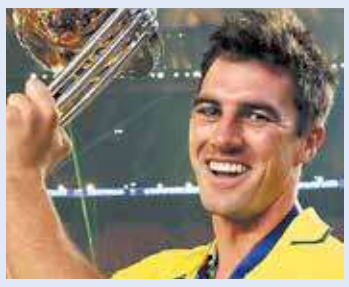

मेलबर्न (एजेंसी)। तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने सेन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ चार साल का करार किया है जिससे वह मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) से जुड़ने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। अमेरिका की इस फ्रेंचाइजी टी20 लीग को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से लिस्ट ए का दर्जा मिला है और इस टूर्नामेंट का दूसरा सत्र छह से 29 जुलाई तक खेला जाएगा। फ्रेंचाइजी के 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट वीडियो में कमिंस ने कहा, 'एमएलसी काफी तेजी से प्रगति कर रहा है और क्रिकेट के लिए अमेरिका के बाजार में काफी क्षमता है। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान कमिंस अब तक सिर्फ एक विदेशी लीग आईपीएल में खेले हैं। वह 2018-19 सत्र से ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में भी नहीं खेले। ऑस्ट्रेलिया को अगले साल जून-जुलाई में पूर्ण श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज का दौरा करना है और यह देखना होगा कि यह शीर्ष तेज गेंदबाज तब इस टी20 लीग के लिए उपलब्ध रहता है या नहीं। सेन फ्रांसिस्को की टीम में ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक बल्लेबाज जेक फ्रेजर मैकगर्क कमिंस के साथी होंगे।

पाकिस्तान को लगा बड़ा झटका, इमाद वसीम के अमेरिका के खिलाफ पहले मैच से बाहर

न्यूयार्क (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार 6 जून को अमेरिका के खिलाफ डलास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में होने वाले मैच से में स्पिनर इमाद वसीम के बाहर होने की जानकारी दी है। पीसीबी ने कहा, %इमाद वसीम गुरुवार के मैच के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे, क्योंकि उन्हें पीसीबी मेडिकल टीम ने आराम करने की सलाह दी है। पिछले महीने लंदन में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के चौथे और अंतिम टी20 मैच से पहले नेट पर बल्लेबाजी करते समय इमाद वसीम को अपनी दाहिनी पसली में दर्द हुआ था। इमाद ने 30 मई को इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 मैच में हिस्सा नहीं लिया। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान ने एहतियाती कदम उठाया है, क्योंकि उन्होंने यह भी पुष्टि की है कि बाएं हाथ के स्पिनर के 9 जून को न्यूयॉर्क में भारत के खिलाफ पाकिस्तान के बड़े मुकाबले के लिए उपलब्ध होने की संभावना है। इमाद वसीम ने टी20 विश्व कप से पहले खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के अपने फैसले को पलट दिया। बाएं हाथ के स्पिनर ने आखिरी बार 2021 में टी20 विश्व कप खेला था, ने अप्रैल में सीनियर राष्ट्रीय टीम में वापसी के बाद से पाकिस्तान के लिए इतने ही मैचों में 6 विकेट लिए।

लानत है...! 25 डॉलर में बिक गई बाबर आजम की पाकिस्तानी टीम, प्राइवेट पार्टी में देगी स्पेशल ट्रीटमेंट

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पाकिस्तानी क्रिकेट टीम और खिलाड़ी लगातार विवादों में फंसते रहते हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2024 की शुरुआत से पहले पाकिस्तानी टीम ने अमेरिका में एक प्राइवेट डिनर का आयोजन किया। जहां उन्होंने फैंस को 'मिल एंड ग्रीट' के लिए बुलाया। लेकिन इस डिनर में शामिल होने के लिए 25 अमेरिकी डॉलर चार्ज किया गया। इस बात से पाकिस्तानी क्रिकेट जगत के कई लोग नाराज हैं। टीम को अमेरिका के खिलाफ 6 जून को अपना पहला मैच खेलना है।

हैरान हैं पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी

पाकिस्तान के दिग्गज खिलाड़ियों में शामिल राशिद लतीफ ने सोशल मीडिया पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और खिलाड़ियों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की आलोचना की। राशिद लतीफ के वीडियो के अनुसार,

फैंस को 25 डॉलर का भुगतान करने पर ही डिनर के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों से मिलने की अनुमति दी गई थी। वीडियो में राशिद लतीफ और अन्य लोग इस विचार से हैरान थे।

वीडियो में राशिद लतीफ कहते हैं, आधिकारिक डिनर होते हैं, लेकिन ये एक निजी डिनर था। ये कौन कर सकता है? ये बहुत गलत है। इसका मतलब है कि आप 25 डॉलर में हमारे खिलाड़ियों से मिले। ऊपर वाला ना करे, अगर कोई गड़बड़ी हो जाती तो लोग कहते खिलाड़ी पैसा कमाने में लगे हैं।

फीस लेना समझ ही नहीं आया

राशिद लतीफ ने ये भी कहा कि वो चैरिटी डिनर आयोजित समझ आता है। लेकिन फीस के साथ निजी डिनर उनकी समझ से परे है। वह आगे कहते हैं, लोग मुझे बताते हैं कि जो कोई भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों को बुलाता है, वो बस पूछते हैं आप कितना पैसा देंगे? ये आम बात हो गई है। हमारे समय में चीजें अलग थीं, हमारे 2-3 डिनर होते थे लेकिन वो आधिकारिक होते थे। लेकिन ये इसलिए चर्चा में आया है क्योंकि ये वर्ल्ड कप है। इसलिए खिलाड़ियों को सावधान रहना चाहिए। 25 डॉलर की रकम का इस तरह खुलेआम इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। आप चैरिटी डिनर और फंड जुटाने के कार्यक्रमों में जा सकते हैं, लेकिन ये न तो फंड जुटाने का कार्यक्रम है और न ही चैरिटी डिनर। ये एक निजी कार्यक्रम है जिसके साथ पाकिस्तान और पाकिस्तानी क्रिकेट का नाम जुड़ा हुआ है। ये गलती मत करो।

मैंने कोशिश की... दिल की हर बात कह दी

राहुल द्रविड़ के बारे में बात करते हुए भावुक हुए रोहित

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि मौजूदा मुख्य कोच राहुल द्रविड़ रोकने की पूरी कोशिश की है। द्रविड़ ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया था कि टी20 विश्व कप भारतीय टीम के साथ उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। रोहित इसके एक दिन बाद राष्ट्रीय टीम में अपने पहले कप्तान के बारे में बात करते हुए भावुक हो गए। गौतम गंभीर को द्रविड़ के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने इस पद के लिए आवेदन किया है या नहीं।

रोहित ने टी20 विश्व कप में आयरलैंड के खिलाफ मैच से पहले कहा, मैंने उन्हें रोकने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन जाहिर तौर पर ऐसी कई चीजें हैं जिनका उन्हें ध्यान रखना होगा। मैंने व्यक्तिगत रूप से उसके साथ अपने समय का आनंद लिया। रोहित ने इस मौके पर अपने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू को याद करते हुए कहा कि उन्होंने राहुल की कप्तानी में अपना अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू किया था।

राहुल द्रविड़ टीम इंडिया में मेरे पहले कप्तान थे

उन्होंने कहा, जब मैंने आयरलैंड में डेब्यू किया था तो वह मेरे पहले अंतरराष्ट्रीय कप्तान थे। जब मैं टेस्ट मैचों के लिए टीम में आया था तब मैंने उन्हें करीब से खेलते हुए देखा था। वह हम सभी के लिए इतने बड़े आदर्श रहे है। उन्होंने कहा, बड़े होते हुए, हमने उन्हें खेलते हुए देखा है और हम जानते हैं कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से एक खिलाड़ी के रूप में क्या हासिल किया है। हम पिछले कुछ सालों में टीम के लिए उनके योगदान की सराहना करते है।

रोहित ने 'वॉल' का जिक्र करते हुए कहा, वह टीम को कठिन परिस्थितियों से बाहर निकालने के लिए जाने जाते हैं। रोहित-द्रविड़ युग में भारत अभी तक कोई वैश्विक ट्रॉफी नहीं जीत सका है लेकिन टीम के विकास में मुख्य कोच का योगदान बहुत बड़ा है।

मैंने राहुल द्रविड़ से बहुत कुछ सीखा- रोहित

रोहित ने कहा, उन्होंने अपने पूरे करियर में बहुत मजबूती दिखाया है और जब वह एक कोच के रूप में यहां आए, तो मैं उनसे सीखना चाहता था। यह बहुत फलदायी रहा है। बड़ी ट्रॉफी के अलावा, हमने सभी प्रमुख टूर्नामेंट और सीरीज जीतीं। उनके साथ काम करते हुए मैंने हर चीज का आनंद लिया है। हमने यह तय करते हुए कि टीम को किस दिशा में जाना है। द्रविड़ ने नवंबर 2021 में टीम की कमान संभाली थी।

रोहित शर्मा ने माना- विश्व कप में टीम इंडिया के लिए स्पिनर्स ही तारणहार

आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2024 के अपने पक्ष के पहले मैच से पहले भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि मौजूदा मार्की इवेंट में स्पिनर्स तारणहार की भूमिका निभाते हुए आएंगे। टीम इंडिया ने बुधवार को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड से भिड़ना है। प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए रोहित ने कहा कि जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा वे इस बारे में सोचेंगे कि ऑलराउंडरों का उपयोग कैसे किया जाए। रोहित ने कहा कि स्पिनरों को एक बड़ी भूमिका निभानी होगी। हमारे स्पिनर ऑलराउंडर हैं, अक्षर और जडेजा। टीम के अच्छे संतुलन के लिए उनकी आवश्यकता है। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों में हमारे पास हार्दिक और शिवम हैं। हमारे पास जैसे-जैसे यह आगे बढ़ेगा, हम इस बारे में सोचेंगे कि टूर्नामेंट में उनका उपयोग कैसे किया जाए।

टी-20 वर्ल्ड कप

भारत-पाक मुकाबले पर अफरीदी ने कहा- यह खेल की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी भारत-पाकिस्तान मुकाबले को अमेरिका में बेहद लोकप्रिय 'सुपर बाउल' के समकक्ष रखते हैं। उनका मानना है कि यह खेल की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है और जो टीम नौ जून को न्यूयॉर्क में टी20 विश्व कप मुकाबले में दबाव से बेहतर तरीके से निपटेगी वह जीत दर्ज करेगी। दोनों टीमें टी20 विश्व कप में जब पिछली बार आमने-सामने थी तो विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए भारत को जीत दिलाई थी। क्रिकेट का यह सबसे बड़ा मुकाबला पहली बार अमेरिका की सरजमीं पर हो रहा है और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अफरीदी दर्शकों के बीच बैठकर इसके गवाह बनेंगे।

टी20 विश्व कप के एम्बेसडर अफरीदी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से कहा, 'वे अमेरिकी जो टूर्नामेंट के बारे में जानना चाह रहे हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान का मैच हमारे सुपर बाउल की तरह है। उन्होंने कहा, 'मुझे भारत के खिलाफ खेलना बहुत पसंद था और मेरा मानना ??है कि यह खेल में सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है। जब मैं उन मुकाबलों में खेलता था, तो मुझे भारतीय प्रशंसकों से बहुत प्यार और सम्मान मिलता था और यह दोनों टीमों के लिए बहुत मायने रखता है। इस पूर्व ऑलराउंडर ने कहा, 'भारत के खिलाफ यह मौके के दबाव से निपटने के बारे में है। दोनों टीमों में बहुत प्रतिभा है, उन्हें बस उस दिन एकजुट होने की जरूरत है। इस मैच में और पूरे टूर्नामेंट में यही होगा। जो टीम अपना धैर्य बनाए रखेगी, वह जीतेगी। अमेरिका और वेस्टइंडीज टी20 विश्व कप के सह मेजबान हैं। सुपर आठ चरण और नॉकआउट मुकाबले वेस्टइंडीज में होंगे। अफरीदी ने कहा कि खेल के सबसे छोटे प्रारूप में प्रबल दावेदार का चयन करना मुश्किल है।

नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन से हटे, इस वजह से लिया फैसला

पेरिस (एजेंसी)। दुनिया के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी और गत फ्रेंच ओपन चैम्पियन नोवाक जोकोविच ने घुटने की चोट के कारण मंगलवार को क्वार्टरफाइनल से पहले टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया।

साइबेरिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी जोकोविच ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मुझे रोलैंड गैरोस से हटना पड़ रहा है, मैंने कल के मैच में पूरे दिल से खेला और अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और दुर्भाग्य से, मेरे दाहिने घुटने में एक मेनिस्कस टियर के कारण मेरी टीम और मैंने सावधानीपूर्वक विचार किया, जिसके बाद एक कठिन निर्णय लेना पड़ा।

उन्होंने कहा, 'मैं इस सप्ताह फ्रेंच ओपन में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं और अपने प्रशंसकों को उनके प्यार और निरंतर समर्थन के लिए ईमानदारी से धन्यवाद देता हूं। उल्लेखनीय है कि नोवाक जोकोविच को सोमवार को हुए मुकाबले में अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो के साथ हुए मैच के दौरान उन्हें घुटने में चोट लग गई थी।

नीदरलैंड ने नेपाल को 6 विकेट से हराया, मैक्स ओ-डॉड ने बनाए 54 रन

न्यूयार्क (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के तहत ग्रुप डी के मैच में नीदरलैंड ने नेपाल को 6 विकेट से हरा दिया। नेपाल की टीम पहले खेलने उतरी थी लेकिन 106 रन ही बना पाई। जवाब में खेलने उतरी नीदरलैंड ने मैक्स ओ-डॉड के 54 रनों की बदौलत 6 विकेट से जीत हासिल कर ली। विक्रमजीत सिंह ने 22 और साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट ने 14 रनों का योगदान दिया।

इससे पहले टिम प्रिंगल और लोगन वैन बीक की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से नीदरलैंड ने नेपाल को 19.2 ओवर में 106 रन पर समेट दिया। प्रिंगल ने 20 रन देकर तीन जबकि वैन बीक ने 18 रन देकर तीन विकेट चटकाए। पॉल वैन मीकरेन और बास डलीडे को दो-दो सफलता मिली। नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स के टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने के फैसले को उनके गेंदबाजों ने सही साबित किया और लगातार अंतराल पर विकेट चटकाते रहे।

संन्यास की पूर्व संध्या पर बोले सुनील छेत्री

यह सिर्फ मेरे आखिरी मैच के बारे में नहीं है

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय फुटबॉल टीम के करिश्माई खिलाड़ी सुनील छेत्री ने बुधवार को अपने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच को लेकर चल रही सुर्खियों को कम महत्व देते हुए यहां कुवैत के खिलाफ टीम के अहम फीफा विश्व कप क्वालीफायर पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की। भारत अगर गुरुवार को खेले जाने वाले इस मैच को जीत जाता है तो फीफा विश्व कप के तीसरे दौर में उसकी जगह लगभग पक्की हो जाएगी।

फीफा विश्व कप का आयोजन 2026 में अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होना है। इस में भाग लेने वाली एशिया की टीम का फैसला तीसरे क्वालीफायर के बाद होगा। छेत्री ने पिछले महीने घोषणा की थी कि कुवैत के खिलाफ फीफा क्वालीफायर का दूसरे चरण का मैच अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में उनका आखिरी मैच होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 19 साल तक भारतीय फुटबॉल का चेहरा रहे इस खिलाड़ी ने कुवैत के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'यह मेरे और मेरे आखिरी मैच के बारे में नहीं है। मैं इसे इस तरह से नहीं देखता हूं। हम वास्तव में यह मुकाबला जीतना चाहते हैं। यह आसान नहीं होने वाला है, लेकिन हम तैयार हैं। हमें जबरदस्त समर्थन मिलेगा।

इस 39 साल के स्ट्राइकर ने अपने आगे की योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'अगर हम कल जीतते हैं तो हम लगभग क्वालीफाई (तीसरे चरण के लिए) कर लेंगे। हमें घरेलू और विदेशी सरजमीं पर पांच-पांच मैच खेलने का मौका मिलेगा। मैं अच्छे सूट पहनूंगा और जहां भी टीम खेलेगी वहां मैच देखूंगा। छेत्री ने कहा, 'मैं हर दिन टीम के खिलाड़ियों से बात करता हूं। मैं उन्हें इस सपने के बारे में बताता रहता हूं। मुकाबले से पहले लंबा शिविर मददगार होता है। आपके पास टीम की खामियों को दूर करने के लिए अधिक समय होता है। छेत्री से जब पूछा गया कि वह संन्यास के अपने फैसले पर फिर से विचार कर सकते हैं तो उन्होंने इसका ना में जवाब दिया। देश के लिए 150 मैचों में 94 गोल करने वाले इस खिलाड़ी ने कहा, 'नहीं सर, मेरे सूट तैयार हो गए हैं और अब मैं टीम के खिलाड़ियों के खेल का लुत्फ उठाउंगा। मैंने इसके बारे में बहुत सोचा है। मेरी 19 साल की यात्रा बहुत अच्छी रही। टीम जहां भी जाएगी, मैं एक प्रशंसक के तौर पर जाऊंगा और टीम का समर्थन करूंगा। इस मौके पर भारतीय कोच इगोर स्टिमक ने कहा कि उन्हें टीम की तैयारियों पर पूरा विश्वास है।

बदमाशों ने मारीं 10 गोलियां, हत्या की वजह का खुलासा नहीं

आरा , एजेंसी। बिहार के आरा जिले के कोईलवर थाना इलाके में ताबड़तोड़ फायरिंग से सनसनी फैल गई। जब बदमाशों ने एक युवक पर गोलियों की बौछार कर दी। और शरीर में दस गोलियां दाग दी। हत्या की इस घटना से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। मृतक की पहचा मिथलेश पासवान के तौर पर हुई है। जो कोईलवर थाना इलाके के धनडींहा कुबेरचक गांव का निवासी था। हालांकि अभी तक हत्या की वजह का खुलासा नहीं हो सका है। बताया जा रहा है कि मृतक मिथलेश पर कई आपराधिक मामले दर्ज थे। और उसका पुराना आपराधिक इतिहास रह चुका है। और आरा में बम धमाके की एक घटना में भी उसका नाम आ चुका है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आज सुबह ताबड़तोड़ गोलियों की आवाज से पूरा इलाका सहम गया। बदमाशों ने मिथलेश को दस गोलियां मारी। और फिर फरार हो गए। खून से लथपथ मिथलेश को अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। वहीं घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के परिजनों से जानकारी ली। और कई साक्ष्य जमा किए। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। परिजनों के मुताबिक मिथलेश आनंद नगर मोहल्ले से अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान हथियारबंद अपराधियों द्वारा गोलियों से भूनकर उसकी हत्या कर दी गई। लेकिन हत्या का मकसद क्या था। इसका खुलासा नहीं हो सका है।

छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल समेत कांग्रेस के 3 मौजूदा विधायक हारे

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा मैदान में उतारे गए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत तीन मौजूदा विधायकों और राज्य के दो पूर्व मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा। वहीं भाजपा के मौजूदा विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने चुनाव में जीत दर्ज की। पिछले वर्ष विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करने के बाद कांग्रेस ने राजनांदगांव, बिलासपुर और बस्तर (एसटी) सीटों पर अपने मौजूदा विधायकों और महासमुंद और जांजगीर-चांपा (एससी) में पूर्व मंत्रियों को मैदान में उतारा था लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। छत्तीसगढ़ में लोकसभा की 11 सीट हैं। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस उम्मीदवार भूपेश बघेल को राजनांदगांव सीट पर भाजपा के मौजूदा सांसद संतोष पांडेय के खिलाफ 44,411 मतों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। बघेल राज्य के पाटन विधानसभा सीट से विधायक हैं। इस चुनाव में राज्य के बस्तर लोकसभा क्षेत्र में बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहां भाजपा के महेश कश्यप ने कांग्रेस के प्रभावशाली आदिवासी नेता और पूर्व मंत्री कवासी लखमा को 55,245 मतों से हराया।

मस्जिदों में सजदा, चर्च में जलाई मोमबत्ती, सुरेश गोपी ने ऐसे खिलाया केरल में कमल

त्रिशूर , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार औप अभिनेता से नेता बने सुरेश गोपी के 74,686 मतों के अंतर से त्रिशूर लोकसभा सीट जीतने के साथ भाजपा ने मंगलवार को केरल में अपना खाता खोल लिया। आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, गोपी ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के उम्मीदवार वी एस सुनील कुमार को एक दिलचस्प मुकाबले में हराया। गोपी को कुल 4,12,338 वोट मिले जबकि सुनील कुमार को 3,37,652 मत मिले। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद के. मुरलीधरन 3,28,124 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस चुनाव में भाजपा को 37.8त्न वोट मिले, जबकि एलडीएफ और यूडीएफ को 30.95त्न और 30.08त्न वोट मिले। गोपी 2019 के लोकसभा चुनाव में त्रिशूर से हार गये थे। उन्हें 2021 के विधानसभा चुनाव में भी शिकस्त का सामना करना पड़ा था। केरल में भाजपा की एंट्री के क्या हैं कारण? केरल में सुरेश गोपी और उनकी पार्टी भाजपा की पहली जीत के पीछे कई कारण छिपे हैं। मलयालम फिल्म में सुरेश गोपी चर्चित चेहरा हैं। महिला मतदाताओं और ईसाई समुदाय के एक वर्ग का उन्हें समर्थन प्राप्त है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनका तालमेल भी अच्छा है। साथ ही पिछले पांच वर्षों में केरल में भाजपा का संगठन काफी मजबूत हुआ है।

नज़रंदाज़ करने की राजनीति को ठुकराया : सचिन पायलट

जयपुर, एजेंसी। झराजस्थान में कांग्रेस की जीत पर पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने बीजेपी पर निशाना साधा है। सचिन पायलट ने एक्स पर लिखा-आज के नतीजों का मुख्य सार यह है की देश और राजस्थान की जनता ने बटवारे, अहंकार, और ज़मीनी मुद्दों को नज़रंदाज़ करने की राजनीति को ठुकराया है। यह जनादेश भाजपा के खिलाफ है और इंडिया गठबंधन तथा कांग्रेस के नेतृत्व के पक्ष में है। राहुल जी, प्रियंका जी, और खड़गे जी की मेहनत रंग लाई है और विपक्षी एकता को जनता का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है।

अशोक गहलोत ने पोस्ट में लिखा कि अमेठी और रायबरेली में प्रवास के दौरान मैंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी को राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की उपस्थिति में विश्वास दिलाया था

कि राजस्थान में इस बार चौंकाने वाले परिणाम आएंगे। इंडिया गठबंधन डबल डिजिट में भी सीटें जीत सकता है। इसी बात को मैंने मीडिया में भी बार-बार कहा। इसी के अनुरूप कांग्रेस पार्टी एवं इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों को भरपूर आशीर्वाद एवं समर्थन देने के लिए राजस्थान की जनता का हृदय से आभार।

दूसरी तरफ लोकसभा चुनाव के रण में मतगणना के बीच प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मतगणना की धीमी प्रक्रिया पर सवाल उठाया है।उन्होंने पूछा कि जब ईवीएम से मतगणना हो रही है तो इतना समय क्यों लग रहा है। अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि देशभर के कई इलाकों से ऐसी सूचनाएं मेरे पास आ रही हैं कि जहां इंडिया गठबंधन आगे है वहां मतगणना की प्रक्रिया धीमी कर दी गई है. जब इवीएम से मतगणना हो रही है तो इतना समय क्यों लग रहा है ? समर्थकों के मन में ऐसी आशंका है कि बिहार विधानसभा चुनाव की तरह देर रात तक मतगणना प्रक्रिया चलाकर कम मार्जिन वाली सीटों पर हमारे उम्मीदवारों को हरा न दिया जाए।

राजस्थान की 5 विधानसभा सीटों पर अब होगा उपचुनाव: राजस्थान में पांच विधानसभा सीट उप चुनाव होंगे। क्योंकि यहां से जीतने वाले विधायक सांसद बन गए है। इस लोकसभा चुनाव के रिजल्ट के बाद 5 विधायक, अब सांसद बन गए हैं। ऐसी संभावना बन रही है कि जल्द ही इन 5 विधानसभा क्षेत्र में उप चुनाव कराया जाएगा। राजस्थान के वो 5 विधायक कौन है जो सांसद बने और उनका विधानसभा क्षेत्र कौन सा है। जानें। पांच विधायक हरीश मीणा, मुरारीलाल मीणा, राजकुमार रोत, हनुमान बेनीवाल और बृजेंद्र ओला ने इस बार लोकसभा का चुनाव फतह कर सांसद बन गए हैं। हरीश मीणा ने टोंक-सवाईमाधोपुर लोकसभा सीट, मुरारीलाल मीणा ने दौसा लोकसभा सीट और बृजेंद्र ओला ने झुंझुनूं लोकसभा सीट पर अपना परचम लहराया। यह तीनों कांग्रेस पार्टी से सांसद चुने गए हैं।

मंत्री आरके सिंह का आरा में हारना। सच पूछा जाए तो हारना भी कोई चौंकाने वाली बात नहीं, लेकिन जिस अंदाज में आरके सिंह हारे, उसने सभी को हैरान किया। आलम यह रहा कि पहले राउंड में आरके सिंह 10 हजार से अधिक वोटों से पीछे हुए और फिर लगातार पिछड़ते ही चले गए। इसके पीछे आरके सिंह का ओवरकॉफिडेंस भी एक वजह मानी जा रही है। असल में चुनाव से पहले एक न्यूज चैनल के शो में आरके सिंह ने दावा किया था कि अगर वह फील्ड में नहीं जाएंगे तब भी चुनाव जीत जाएंगे। अब नतीजों के बाद समझ में आ रहा है कि उनका बड़बोलापन भारी पड़ गया। आरके सिंह आरा लोकसभा क्षेत्र से लगातार दो बार सांसद रह चुके हैं। इसके अलावा वह मोदी कैबिनेट में ऊर्जा मंत्री भी हैं। यहां पर उनका मुकाबला इंडिया गठबंधन के सुदामा प्रसाद से था। सुदामा प्रसाद तरारी से विधायक हैं और भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी (भाकपा-माले) के उम्मीदवार थे। आरके सिंह को चुनाव में चार लाख 69 हजार 574 वोट मिले। वहीं सुदामा प्रसाद ने 5,29,382 वोट हासिल किया। इस तरह आरके सिंह को 59808 वोटों से शिकस्त का सामना करना पड़ा। दो बार से सांसद और केंद्र में मंत्री होने के बावजूद जिस तरह से आरके सिंह को हार का सामना करना पड़ा, उस पर खूब चर्चा हो रही है।

पहली बार राजस्थान के 11 स्टूडेंट्स का कमाल, 720 में से 720 अंक लाकर रचा इतिहास

जयपुर , एजेंसी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट यूजी-2024) का परीक्षा परिणाम मंगलवार को घोषित किया गया। नीट के इतिहास में पहली बार देशभर से 67 स्टूडेंट्स ने 720 में से 720 अंक हासिल कर परफेक्ट स्कोर प्राप्त किया है। सभी स्टूडेंट्स को ऑल इंडिया-1 रैंक जारी की गई है। सूची में 67 में से 11 विद्यार्थी राजस्थान से हैं। सौ फीसदी अंक लाने वालों में 16 प्रतिशत विद्यार्थी राजस्थान के हैं। इसमें कोटा कोचिंग का बड़ा योगदान रहा।

नीट 5 मई को आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में 23 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल हुए थे। जिसमें 10 लाख छात्र और 13 लाख छात्राएं शामिल हुई थी। एजुकेशन एक्सपर्ट देव शर्मा ने बताया कि राज्यवार नीट यूजी प्रवेश परीक्षा के सफलता पैटर्न में कोई परिवर्तन नहीं आया है। वर्ष 2024 में भी वर्ष 2023 का इतिहास ही दोहराया गया है। वर्ष 2024 में भी राजस्थान राज्य तीसरे स्थान पर है। प्रथम स्थान पर उत्तर प्रदेश, द्वितीय स्थान पर महाराष्ट्र है। उत्तर प्रदेश से 1.65 लाख विद्यार्थियों ने, महाराष्ट्र से 1.42 लाख, राजस्थान से 1.21 लाख विद्यार्थियों ने क्वालीफाई किया है। 720 में से 720 परफेक्ट स्कोर हासिल करने वाले विद्यार्थियों की संख्या के हिसाब से राजस्थान देश में नंबर वन है। आठ अभ्यर्थियों के साथ तमिलनाडु दूसरे और 7 विद्यार्थियों के साथ महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर रहा। राजस्थान से 4 छात्राओं ने परफेक्ट स्कोर 720 में से 720 अंक प्राप्त किए। राजस्थान से प्राचिता, ईशा कोठारी, ईरम काजी, जाह्नवी ने परफेक्ट स्कोर हासिल किया। राजस्थान से 7 छात्र सौरव, आदर्श सिंह, शशांक, श्याम, ध्रुव गर्ग, देवेश जोशी तथा समित कुमार ने परफेक्ट स्कोर प्राप्त किया।

झारखंड में 20 साल बाद कांग्रेस-झामुमो का ऐसा रिजल्ट, नतीजे में दिखा दोगुना दम

रांची, एजेंसी। झारखंड में लोकसभा की सभी 14 सीटों के नतीजे आ गए हैं। भाजपा को आठ सीटें, झामुमो को तीन, कांग्रेस को दो और आजसू पार्टी को एक सीट मिली है। 2019 के मुकाबले 2024 के आए परिणाम में जहां भाजपा को तीन सीटों का नुकसान हुआ, वहीं झामुमो एक से तीन और कांग्रेस एक से दो सीटों पर पहुंच गई। आजसू पार्टी ने पिछली बार की तरह गिरिडीह सीट से इस बार भी जीत हासिल की।

2024 चुनाव का परिणाम झारखंड में झामुमो और कांग्रेस के कुछ हद तक पक्ष में रहा। झामुमो ने राजमहल, दुमका और सिंहभूम सीट से जीत हासिल की, जबकि कांग्रेस ने खूंटी और लोहरदगा सीट से विजय हासिल की। झामुमो और कांग्रेस ने 2004 के 20 साल बाद बेहतर परिणाम दिया है। 2004 में झामुमो को चार, 2009 में दो, 2014 में दो और 2019 में एक सीट मिली थी। वहीं, कांग्रेस को 2004 में छह, 2009 में एक, 2014 में शून्य और 2019 में एक सीट मिली थी। अबकी बार उनकी सीटों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। वहीं तीन सीटों पर नुकसान से भाजपा को झटका लगा है।

झामुमो एक से सीधे तीन सीटों पर, जबकि कांग्रेस दो सीटों पर पहुंच गई है। सिंहभूम सीट पर 1991 के बाद झामुमो का कोई प्रत्याशी जीता है। झामुमो ने प्रत्याशी के रूप में विधायक जोबा मांझी को उतारा, जिन्होंने जीत हासिल

की। वहीं, दुमका सीट से 2002 से 2014 तक झामुमो के शिबू सोरेन जीतते रहे थे। 2019 में भाजपा के सुनील सोरेन ने उन्हें हराया था, लेकिन इस बार झामुमो के नलिन सोरेन ने भाजपा की सीता सोरेन को हराया। वहीं, राजमहल में झामुमो के विजय हांसदा ने जीत की हैट्रिक बनाई है। उन्होंने भाजपा के ताला मरांडी को हराया।

झारखंड की दो लोकसभा सीटें खूंटी और लोहरदगा में हमेशा टक्कर होती रही है। त्रिकोणीय संघर्ष भी नजर आता रहा है, लेकिन दोनों सीटों की जनता ने मन बनाकर कांग्रेस का सांसद बनाया है। खूंटी से कालीचरण मुंडा और लोहरदगा से सुखदेव भगत ने जीत हासिल की है। 2019 में सिंहभूम से कांग्रेस की गीता कोड़ा जीती थीं, लेकिन चुनाव से पहले उनके भाजपा में चले जाने के बाद कांग्रेस की सीटों की संख्या शून्य हो गई थी। एक तो सांसद ने साथ छोड़ा और गठबंधन में सीट भी झामुमो के खाते में चली गई थी। ऐसे में कांग्रेस ने खूंटी और लोहरदगा से जीत हासिल की। खूंटी में 2004 में सुशीला केरकेट्टा के बाद कांग्रेस ने जीत हासिल की है। इनसे पहले 1984 में साइमन तिग्गा कांग्रेस के सांसद बने थे। 1962 से अब तक में कालीचरण मुंडा तीसरे कांग्रेसी सांसद के रूप में चुने गए हैं। वहीं, लोहरदगा में भी 2004 में कांग्रेस के रामेश्वर उरांव के बाद पार्टी ने जीत हासिल की है। भाजपा के सुदर्शन भगत ने इस सीट पर जीत की हैट्रिक बनाई थी, लेकिन इस बार उनका टिकट काट दिया गया। समीर उरांव भाजपा के प्रत्याशी बनाए गए।

जो बाइडन के बेटे हंटर की बढ़ीं मुश्किलें, बंदूक खरीदने के मामले में अभियोजन पक्ष में कहा- उन्हें नशे की लत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। मंगलवार को अभियोजन पक्ष ने बंदूक मामले में जूरी सदस्यों के सामने अपना पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति बाइडन का बेटा एक नशे का आदी था। उसने रिवॉल्वर पाने के लिए कागजी कार्रवाई पर झूठ बोला था। अभियोजन पक्ष ने कहा कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं होता है। डेलावेयर की संघीय अदालत में जूरी ने गवाह से पहले अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष के वकीलों के बयान सुने। एफबीआई एजेंट को भी बुलाया गया। बचाव पक्ष के वकील एब्बे लोवेल ने जूरी से कहा कि ट्रायल में पेश किए सबूतों से पता चलेगा कि 54 वर्षीय हंटर बाइडन जानबूझ कर नियमों का उल्लंघन नहीं किया। यह पहली बार ऐसा हुआ जब किसी वर्तमान राष्ट्रपति के बेटे पर मुकदमा चल रहा है। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप पहले ऐसे राष्ट्रपति बन चुके हैं, जिन्हें अपराध के लिए दोषी ठहराया गया है। अमेरिकी न्याय विभाग के वकील डेरेक हाइंस ने जूरी सदस्यों को अक्तूबर 2018 की

घटनाओं के बारे में बताया था, जब हंटर बाइडन ने बंदुक खरीदते समय बैकग्राउंड की जांच के दौरान ड्रग्स के उपयोग को लेकर झूठ बोला था। हाइंस ने कहा, यह गैरकानूनी था, क्योंकि वह नशे का आदी था। हंटर बाइडन ने तीन आरोपों में दोषी न होने की बात कही थी, जिसमें कोल्ट कोबरा 38-कैलिबर रिवॉल्वर खरीदने के दौरान अवैध दवाओं के उपयोग का खुलासा न करने और अक्तूबर 2018 में 11 दिनों के लिए अवैध रूप से हथियार रखने का आरोप शामिल हैं। बचाव पक्ष के वकील ने जूरी से सबूतों को ध्यान से सुनने की अपील की। उन्होंने बताया कि बंदूक खरीदने के दौरान एक फॉर्म में हंटर बाइडन से यह पूछा गया था कि वह तर्मान में नशे के आदी है या नहीं। उनसे यह नहीं पूछा गया कि उन्होंने कभी पहले इसका इस्तेमाल किया था नहीं। पिछले साल अदालत ने माना था कि हंटर ने हथियार खरीदने के लिए कई बार झूठ बोला है। उन पर अक्तूबर 2018 में बंदूक खरीदने के दौरान अपनी नशे की लत को लेकर झूठ बोलने का भी आरोप है। कहा गया था कि हंटर ने जब अक्तूबर 2018 में डेलावेयर के कॉल्ट कोबरा स्पेशल स्टोर से बंदूक खरीदी थी।

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद अमेरिका ने भारतीयों को दी बधाई; विदेश ताकतों के दखल के आरोपों का किया खंडन

वॉशिंगटन, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं और देश में एक बार फिर भाजपा नीत एनडीए की सरकार बनने वाली है। मंगलवार को जारी रुझानों के अनुसार, इंडी गठबंधन भी बहुमत से ज्यादा दूर नहीं था। लोकसभा चुनाव के नतीजे जारी होने के बाद अमेरिका ने प्रतिक्रिया दी। अमेरिका ने लोकसभा चुनाव में सफलतापुर्वक भाग लेने और इसे खत्म कराने में भारत सरकार की सराहना की। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने इस दौरान विदेश ताकतों के दखल के आरोपों का किया खंडन भी किया। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। भले ही तीन हिंदी भाषी राज्यों में भाजपा को संघर्ष करना पड़ा, लेकिन आखिरकार भाजपा नीत एनडीए को बहुमत मिल ही गया।

अमेरिका ने की भारत सरकार की सराहना: चुनाव आयोग ने मंगलवार को लोकसभा की 543 सीटों के नतीजे जारी किए, जिसमें भाजपा ने 240 सीटों पर और कांग्रेस ने 99 सीटों पर जीत हासिल की। नतीजे जारी होने के बाद

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने भारत सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा, अमेरिका की तरफ से लोकसभा चुनाव में सफलतापुर्वक भाग लेने और इसे खत्म कराने के लिए हम भारत सरकार और मतदाताओं का धन्यवाद करते हैं। हम अंतिम परिणाम देखने के लिए उत्सुक हैं।

लोकसभा चुनाव को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए मिलर ने कहा, मैं इस चुनाव में विजेताओं और हारने वालों को लेकर कोई टिप्पणी नहीं करने वाला हूं, जैसा कि हमारे मामलों में अक्सर होता है। हमारे लिए जो महत्वपूर्ण है और पिछले छह हफ्तों में हमने जो देखा वह लोकतंत्र के इतिहास का सबसे बड़ा अभ्यास है। क्योंकि भारत के लोग मतदान के लिए आए।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने अमेरिका सहित पश्चिमी देशों द्वारा भारतीय चुनावों में बाहरी प्रभाव की रिपोर्टों का भी खंडन किया। उन्होंने कहा, हम हमेशा अपने विचार विचार स्पष्ट रूप से व्यक्त करेंगे। हम अपने विचार निजी तौर पर विदेशी सरकारों के साथ साझा करते हैं। जब हमारे पास कुछ ऐसी चीजें होती हैं, जिन्हें लेकर हम चिंतित होते हैं तो उन्हें हम सार्वजनिक रूप से व्यक्त करते हैं। मैंने भी यही किया। मिलर ने कहा कि वह चाहते हैं कि भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी जारी रहे।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने पीएम मोदी को दी आम चुनाव में जीत की बधाई

दुनिया भर के नेताओं ने पीएम मोदी को दी बधाई, भारतीय लोकतंत्र की तारीफ की

माले , एजेंसी। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने 2024 के आम चुनाव में एनडीए की जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। मालदीव के राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि वह पीएम मोदी के साथ मिलकर काम करेंगे। भारत के आम चुनाव के नतीजे मंगलवार को जारी कर दिए गए, जिनमें भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने जीत हासिल की है। इस जीत को लेकर दुनियाभर के नेताओं से भारत और पीएम मोदी को बधाई दी जा रही है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट

आम चुनाव 2024 में जीत की बधाई। मैं दोनों देशों के साझा हितों, समृद्धि और स्थिरता के लिए साथ मिलकर काम करने की तरफ देख रहा हूं। गौरतलब है कि मालदीव और भारत के रिश्ते बीते दिनों तल्खी के दौर से गुजरे और मोहम्मद दी है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में मेलोनी ने लिखा कि नई चुनावी जीत और अच्छे काम के लिए शुभकामनाएं। निश्चित है कि हम इटली और भारत को एकजुट करने वाली दोस्ती को मजबूत करेंगे और दोनों देशों के लोगों को भलाई से जुड़े मुद्दों पर मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

वहीं, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने एक्स पर लिखा, लोकसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार भाजपा और एनडीए की चुनावी जीत पर प्रधानमंत्री मोदी को बधाई। हमें भारत के लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी के साथ दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक अभ्यास के सफल संपन्न होने पर खुशी है।

वहीं, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने भी आम चुनाव में एनडीए की जीत पर उसकी जीत पर हार्दिक बधाई देता हूं। यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रगति और समृद्धि में भारतीय लोगों के भरोसे को दिखाता है। उन्होंने कहा कि निकटतम पड़ोसी के रूप में श्रीलंका भारत के साथ साझेदारी को और मजबूत करने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने विक्रमसिंघे की शुभकामनाओं के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और कहा, राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे आपका धन्यवाद। मैं भारत-श्रीलंका आर्थिक साझेदारी पर निरंतर सहयोगी की उम्मीद करता हूं।

मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ ने भी पीएम मोदी को उनकी ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी को ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई। आपके नेतृत्व में सबसे बड़ा लोकतंत्र उल्लेखनीय प्रगति हासिल करना जारी रखेगा।

अमेरिकी सिंगर ने एनडीए को जीत पर दी बधाई, कहा- पीएम मोदी को भगवान ने चुना

वाशिंगटन, एजेंसी। लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी की लगाताक तीसरी बार पर दुनिया भर से बधाई मिलने का सिलसिला जारी है। नरेंद्र मोदी भारत के फिर प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। हालांकि, इस बार उनकी पार्टी भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिला है लेकिन एनडीए को बहुमत पर इसके कार्यकर्ता और समर्थक जश्न मना रहे हैं। अमेरिकी गायिका और हॉलीवुड अभिनेत्री मैरी मिलबेन ने भी प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी है। गायिका ने एक्स लिखा है कि आपको भगवान ने चुना है। मेरी मिलबेन ने एक्स पर लिखा, मेरे प्यारे भारतवासियों, नमस्ते। आज का दिन भारत और दुनिया के लिए ऐतिहासिक दिन है। मेरे मित्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फिर से चुना जाना एक नए भारत की शुरुआत है।

प्रधानमंत्री मोदी, मैं अमेरिका से आपको फिर से चुने जाने पर बधाई देने वाली पहली व्यक्ति हूं। मैं आपके लिए बहुत खुश हूं। आप भारत के चुने हुए नेता हैं, जिन्हें भगवान ने और फिर भारत के लोगों ने चुना है।वह आगे लिखती हैं, आपने पश्चिम के उन लोगों को गलत साबित कर दिया है जिन्होंने आपकी लंबे कार्यकाल पर सवाल उठाए थे। दुनिया भर में इस बात की पुष्टि हुई है कि आप अमेरिका-भारत संबंधों और दुनिया की स्थिरता के लिए सबसे अच्छे नेता हैं। मुझे उम्मीद है कि आप नेतृत्व करते हुए ईश्वर के गुजरात

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129